आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
06 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 181
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

फीचर

कभी शाहरुख खान की फिल्म में डांसर थीं द फैमिली मैन की ये एक्ट्रेस, फिर 1146 करोड़ कमाने वाली सबसे बड़ी फिल्म में किया काम

झारखंड

विश्व पर्यावरण दिवस पर संत मरियम स्कूल के बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हज़ारीबाग

चौपारण के नावागढ़ में मां भगवती सह हनुमत प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ के आठवें दिन शामिल हुए सांसद

96.20% नंबर लाकर देव तिवारी बने झारखंड बोर्ड 12वीं आर्ट्स टॉपर

शिक्षा प्रतिनिधि द्वारा

झारखंड बोर्ड 12वीं आर्ट्स का रिजल्ट जारी हो गया है. इस साल इस स्ट्रीम से कुल 95.62 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं. साहिबगंज के देव तिवारी इस साल के आर्ट्स टॉपर बने हैं. उन्होंने 500 में से कुल 481 मार्क्स लाकर पूरे राज्य में टॉप किया है. अगर पिछले साल की बात करें तो झारखंड बोर्ड 12वीं आर्ट्स में सरकारी प्लस टू हाई स्कूल कांके की छात्रा जीनत परवीन ने टॉप किया था. उन्होंने परीक्षा में कुल 94.4 प्रतिशत मार्क्स हासिल किए थे.

झारखंड बोर्ड 12वीं आर्ट्स टॉपर्स की लिस्टः रैंक-1ः देव तिवारी- 481 मार्क्स-रैंक-2ः प्रेरणा कुमारी- 470 मार्क्स-रैंक-3ः सूरज कुमार दास- 466 मार्क्स-रैंक-3ः कुमारी ऋतम्वारा- 466 मार्क्स-रैंक-4ः श्रेया आनंद- 464 मार्क्स-रैंक-5ः अनन्य पाल- 463 मार्क्स-रैंक-5ः उषा रानी- 463 मार्क्स-रैंक-5ः शिवानी कुमारी- 463 मार्क्स-रैंक-6ः तनु प्रिया शाही- 461 मार्क्स-रैंक 7ः स्वीटी बरनवाल- 460 मार्क्स-रैंक 7ः आयुषी कुमारी- 460 मार्क्स-रैंक 7ः तन्नु कुमारी- 460 मार्क्स-रैंक 7ः लीपा गराई- 460 मार्क्स-रैंक 7ः शान प्रताप सिंह- 460 मार्क्स-रैंक 7ः आलोक कुमार दास- 460 मार्क्स-रैंक 8ः अभिया शर्मा- 459 मार्क्स-रैंक 8ः मीनू पॉल- 459 मार्क्स-रैंक 9ः रईस शेख- 458 मार्क्स-रैंक 10ः तृषा प्रमाणिक- 457 मार्क्स

1 लाख से अधिक छात्रों के आए फर्स्ट डिवीजन : झारखंड बोर्ड 12वीं आर्ट्स स्ट्रीम की परीक्षा के लिए कुल 2,28,959 छात्रों ने आवेदन किया था, जिनमें से 2,27,222 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे, जबकि 2,17,273 छात्र पास हुए यानी कुल पास प्रतिशत 95.62 फीसदी रहा. इस स्ट्रीम से कुल 1,07,867 छात्र फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं, जबकि 1,04,314 छात्रों के सेकेंड डिवीजन और 5,091 छात्रों के थर्ड डिविजन आए हैं.

साइंस-कॉमर्स के रिजल्ट पहले ही हो चुके हैं जारी : झारखंड बोर्ड 12वीं साइंस और कॉमर्स के रिजल्ट हाल ही में जारी किए गए थे. साइंस स्ट्रीम का पासिंग प्रतिशत 79.26 फीसदी रहा है तो कॉमर्स स्ट्रीम में कुल 91.2 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं. इन दोनों ही स्ट्रीम में लड़कियों ने ही बाजी मारी है. साइंस में लड़कियों का पासिंग प्रतिशत 80.29 फीसदी तो लड़कों का पासिंग प्रतिशत 78.47 फीसदी है. वहीं, कॉमर्स में लड़कियों का पासिंग प्रतिशत 95.05 फीसदी तो लड़कों का पासिंग प्रतिशत 78.47 फीसदी है.

कौन बने थे साइंस-कॉमर्स के टॉपर? : झारखंड बोर्ड 12वीं साइंस स्ट्रीम में इस साल जहां राजकीय कृत हाई स्कूल गोविंदपुर की छात्रा अंकिता दत्ता ने 477 अंकों के साथ टॉप किया है तो वहीं कॉमर्स में चाईबासा के सेंट जेवियर गर्ल्स कॉलेज की छात्रा रेशमी कुमारी 476 मार्क्स के साथ स्टेट टॉपर बनी हैं.

उर्सुलाइन इंटर कॉलेज की छात्रा तनु कुमारी 92 प्रतिशत अंक के साथ रांची और कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त की है। चटकपुर की रहने वाली तनु के पिता दीपक कुमार शाह किराने की दुकान चलाते हैं। माता रीता कुमारी गृहिणी है। तनु ने बताया कि कॉलेज घर से काफी दूर था तो आने-जाने में काफी समय लगता था। इस दौरान अक्सर रास्ते में किताबें पढ़ती हुई आती-जाती थी। उन्होंने बताया कि कॉलेज में जो रोजाना पढ़ाया जाता था, उसे बार-बार घर में आकर पढ़ती थी। रोजाना दो से तीन घंटे तक सेल्फ स्टडी करती थी। साथ ही परीक्षा के दौरान अपने उत्तरों को भी आकर्षित बनाने में विशेष ध्यान देती थी।किसी भी प्रश्न के उत्तर को तीन भागों में बांटकर लिखा करती थी। इसमें इंट्रो, बॉडी और निष्कर्ष पर प्रमुखता से काम किया था। भविष्य में आईएएस बना चाहती हूं।

पश्चिम बंगाल से सटे पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत ओल्दा गांव निवासी गरीब परिवार की छात्रा लिपा गराई ने जैक बोर्ड इंटर आर्ट्स की परीक्षा में 460 (92 प्रतिशत) अंक हासिल कर जिला टॉपर बनी है। वह एलबीएस प्लस टू हाई स्कूल जयपुरा, बहरागोड़ा से इंटर की परीक्षा में शामिल हुई थी। गुरुवार को जैक द्वारा परीक्षा परिणाम जारी होते ही जब लिपा को जिला टॉपर एवं राज्य में सातवां स्थान मिलने की सूचना मिली तो पूरा परिवार खुशी से उछल पड़ा। लिपा बताती हैं कि उसने मैट्रिक परीक्षा में भी 85 प्रतिशत अंक हासिल की थी। वह आईएएस बनना चाहती है और इसके लिए अभी से ही तैयारी शुरू करना चाहती है।

वह बहरागोड़ा या घाटशिला कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई भूगोल या अर्थशास्त्र से करना चाहती है। उसके पिता कृष्णपद गराई अपनी 3 बीघा जमीन पर धान की खेती करते हैं और गांव के ही चौक में चाय पकौड़ी का ठेला लगाते हैं। वह दो बहनों में बड़ी है और छोटी बहन श्रुति तीसरी कक्षा में पढ़ रही है। उसके पिता कृष्णपद गराई आठवीं तक की पढ़ाई कर चुके हैं जबकि माता अपु गराई इंटर पास है। पश्चिम बंगाल सीमा से 5 किमी दूर स्थित है लिपा का गांव ओल्दा और स्कूल की दूरी करीब डेढ़ किमी है। वह बताती है कि बिना ट्यूशन पढ़े ही स्कूल के शिक्षकों की मदद से ही यह सफलता हासिल की है।

जैक बोर्ड के 12वीं आर्ट की परीक्षा में जयपाल सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय खूंटी का रिजल्ट शानदार रहा। परीक्षा में 71 छात्रों ने हिस्सा लिया था। जिसमें 51 छात्र प्रथम श्रेणी तथा 20 छात्र द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। जयपाल सिंह हाई स्कूल अलौन्दी खूंटी की छात्रा अंजनी कुमारी ने 440 (88%) अंक प्राप्त कर जिले में तृतीय स्थान तथा स्कूल टॉपर बनी। इस उपलब्धि पर डीईओ अपरूपा पाल चौधरी, एसडीओ अमित कुमार एवं स्कूल के शिक्षकों ने अंजली कुमारी को बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही विद्यालय की शिक्षकों को भी बधाई दी।

खुशखबरी ! रांची में मंईआयों के खाते में खटाखट पहुंचे अप्रैल माह की राशि

संवाददाता द्वारा

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने अप्रैल महीने की राशि महिलाओं के खातों में भेज दी है। इस योजना के अंतर्गत रांची जिले में अप्रैल माह की 2500 रुपये की सम्मान राशि 3 लाख 40 हजार 63 लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। पहले चरण में आधार बेस्ड भुगतान के जरिए कुल 85 करोड़ 1 लाख 57 हजार 500 रुपये की राशि ट्रांसफर की गई है।

जिला प्रशासन के अनुसार, विभिन्न प्रखंडों और शहरी क्षेत्रों में लाभुकों की संख्या इस प्रकार है- कांके (28,432), सदर शहरी क्षेत्र (25,634), माण्डर (19,941), सिल्ली (17,745), चान्हो (16,525), ओरमांझी (16,560), हेहल शहरी क्षेत्र (16,376), तमाड़ (15,387), रातू (15,002), बुढ़मू (14,812), नामकुम (14,436), अनगड़ा (14,022), बेड़ो (16,874), लापुंग (8,770), ईटकी (8,554), राहे (8,154), खलारी (7,631), बुण्डू (7,385), नामकुम शहरी क्षेत्र (7,086), नगड़ी शहरी क्षेत्र (6,689), बड़गाई शहरी क्षेत्र (10,030), अरगोड़ा शहरी क्षेत्र (13,575), बुण्डू नगर पंचायत (3,070), और कांके शहरी क्षेत्र (997)। रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने उन लाभुकों से अपील की है, जिनके आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं, लेकिन आधार सीडिंग बाकी है, कि वे जल्द से जल्द अपने बैंक खाते से आधार लिंक कराएं ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके।

जिले में भौतिक सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है। शेष सुयोग्य लाभुकों को सत्यापन पूर्ण होने के बाद जल्द ही योजना का लाभ दिया जाएगा। जिन लाभुकों का सत्यापन लंबित है, वे अपनी नजदीकी आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क कर सत्यापन प्रपत्र प्राप्त कर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।जिला प्रशासन ने सुयोग्य लाभुकों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए तत्परता से कार्य करने का आश्वासन दिया है।

इस तरह अब झारखंड की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की लाभार्थियों के खातों में हेमंत सोरेन सरकार ने अप्रैल महीने के पैसे भेज दिए हैं।

रांची झारखंड में पर्यावरण और विकास का संगम, सीएम हेमंत ने जनता को किया समर्पित फ्लाईओवर

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सिरमटोली चौक से राजेंद्र चौक होते हुए मेकॉन गोलचक्कर तक बने आधुनिकतम तकनीक से निर्मित फोरलेन फ्लाईओवर/एलिवेटेड पथ सह आरओबी परियोजना का उद्घाटन किया। इस फ्लाईओवर का नाम दिवंगत कार्तिक उरांव जी के नाम पर रखा गया। इस परियोजना से राजधानी रांची में ट्रैफिक जाम से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

सीएम ने रांची के वन भवन, डोरंडा में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने सिरमटोली सरना स्थल में पूजा अर्चना कर राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख समृद्धि और शांति की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों के सुव्यवस्थित विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। कई योजनाएं धरातल पर हैं और कई जल्द लागू होंगी। इस फ्लाईओवर के कारण यातायात व्यवस्था सुगम होगी, जिससे समय व ईंधन दोनों की बचत होगी।

हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार राज्य के हर वर्ग, समुदाय और तबके के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लागू कर रही है। शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के लिए कई पहलें की जा रही हैं, जैसे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना। उन्होंने कहा कि किसी भी अन्य देश या राज्य की तुलना झारखंड से करना सही नहीं, लेकिन वहां की अच्छी व्यवस्थाओं को अपने प्रदेश की जरूरतों के अनुसार अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों वीरांगनाओं की धरती है। देश की आजादी और संविधान निर्माण में यहां के लोगों का बड़ा योगदान रहा है। ऐसे शहीदों को सम्मान देना जारी रहेगा। हेमंत सोरेन ने पर्यावरण पर हो रहे हमले को मानव जीवन के लिए बड़ा खतरा बताया और कहा कि इसे बचाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण और जीवन का गहरा संबंध है। सभी को एक एक पेड़ लगाने की पहल करनी चाहिए ताकि पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव आए। झारखंड को हरियाली का प्रदेश बनाना प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। पर्यावरण के बिना विकास असंभव है। इसलिए संतुलित विकास की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अलावा हर व्यक्ति का दृढ़ संकल्प पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा है। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जा रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए हमें प्लास्टिक मुक्त विकल्पों को अपनाना होगा। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार, संजय प्रसाद यादव, शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक अमित कुमार महतो, सुरेश बैठा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

ऐसे में सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप का विवाद विगत कुछ महीनो से आदिवासी संगठनों के द्वारा किया जाता रहा पर आखिरकार इस सिरमटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री एवं कई अन्य गन्य मान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया है. इस उद्घाटन समारोह में आदिवासी रीति और परंपरा की भी झलक देखने को मिली है.

वहीं सिरमटोली चौक के रास्ते राजेंद्र चौक होते हुए मेकॉन गोल चक्कर तक फोरलेन एलिवेटेड पथ और आरओबी की लंबाई 2.34 किलोमीटर है. साथ ही फ्लाईओवर निर्माण में कुल 355.76 करोड रुपए खर्च हुए हैं. साथ ही इस फ्लाईओवर का नामांकन स्वर्गीय कार्तिक उरांव के नाम पर किया गया है.

कौन थे बाबा कार्तिक बाबा उरांव? : कार्तिक उरांव का जन्म 29 अक्टूबर 1924 को झारखंड के गुमला जिले मैं हुआ था. वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से एक भारतीय राजनीतिज्ञ बने और साथ ही एक आदिवासी नेता के रूप में भी उभर कर आए थे. उन्होंने 1947 के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया था. उरांव ने अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद संगठन की स्थापना भी की थी. वह लोहरदगा निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार लोकसभा के सदस्य रहे और कुरुख लोगों के लिए उन्हें राष्ट्रीय नायक के रूप में भी देखा जाता था.

एंटी करप्शन ब्यूरो ने 60 हजार रिश्वत लेते इंजीनियर को दबोचा

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। एंटी करप्शन ब्यूरो इन दिनों एक्शन मोड में है। पिछले दिनों जहां शराब घोटाले मामले में एसीबी ने आईएएस विनय चौबे को गिरफ्तार किया था। वही ग्रामीण विकास विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ग्रामीण विकास विभाग के ग्रामीण कार्य विभाग के इंजीनियर सनोथ सोरेन को उनके कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक एक रोड ठेकेदार से बकाए बिल के भुगतान के लिए रिश्वत की मांग की गई थी। इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो को दी गई।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने जांच पड़ताल के बाद रिश्वत मांगे जाने की बात सही पाई और उसके बाद कार्रवाई की गई। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम सोरेन को हिरासत में लेकर उनके ठिकानों समेत अन्य जगहों पर छानबीन में जुटी हुई है। ताकि रिश्वत से की गई मनी लॉन्ड्रिंग का पता लगाया जा सके। ग्रामीण विकास विभाग में लगातार रिश्वत और कमीशन खोरी के मामले सामने आते रहे है। पिछले वर्ष पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री के रिश्तेदार के घर से 34 करोड़ रुपए ईडी ने जब्त किए थे। उस समय कमीशन खोरी की बात सामने आई थी।

वही एक बार फिर एसीबी ने रिश्वत लेते एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को गिरफ्तार कर साबित किया है कि ग्रामीण विकास विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। राज्य के हेमंत सोरेन सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस के तहत कार्रवाई कर रही है लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों तक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आईएएस हो या फिर कोई कमी रिश्वत लेने की सूचना पर एंटी करप्शन ब्यूरो कड़ी कार्रवाई कर रही है।

बिना सैलरी वाले झारखंड के पहले डीजीपी बने अनुराग गुप्ता

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के सेवा विस्तार का मामला दिन-ब-दिन उलझता जा रहा है. अनुराग गुप्ता राज्य के पहले डीजीपी हैं, जिनकी सैलरी बंद हो गई है.डीजीपी को मई माह की सैलरी नहीं मिली है. क्योंकि केंद्र सरकार उनको रिटायर मान रही है. जबकि राज्य सरकार की दलील है कि उनको सेवा विस्तार दिया गया है. ऊपर से इस मामले को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कोर्ट में चुनौती भी दे रखी है.

अब सवाल है कि क्या अनुराग गुप्ता को बिना सैलरी लिए डीजीपी की कुर्सी पर बैठे रहना सही है. उनको लेकर केंद्र और राज्य के बीच टकराव का असर किसपर पड़ेगा. नियम और नैतिकता के लिहाज से क्या होना चाहिए. पूरे मामले को किस रुप में देख रहे हैं झारखंड की सियासत से समझने वाले जानकार.

वरिष्ठ पत्रकार मधुकर के मुताबिक भारत की शासन प्रणाली संघीय ढांचे पर आधारित है. इसमें जिम्मेदारियों और शक्तियों को केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विभाजित किया जाता है. जब सिस्टम को तोड़ा जाएगा तो संवैधानिक संकट पैदा होगा. सवाल है कि एक संघीय ढांचे पर एक पुलिस अधिकारी कैसे भारी पड़ सकता है. राज्य सरकार चाहेगी तो किसी दूसरे को डीजीपी बना सकती है. फिर अनुराग गुप्ता के मामले में ऐसी क्या लाचारी है.

एक दौर था जब वर्तमान सराकर ही उनके खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठी हुई थी. अब इतना प्रेम लुटाया जा रहा है. आखिर क्यों. क्या इसके लिए जनता से सरकार ने माफी मांगी. राज्य सरकार को जवाब देना चाहिए. जिस तरह से संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उसका खामियाजा तब भुगतना पड़ेगा जब विपक्ष में बैठने की नौबत आएगी. आखिर क्यों नाक के बाल बने हुए हैं. केंद्र और राज्य के बीच बेवजह टकराव की स्थिति पैदा की जा रही है. हर सरकार को इससे बचना चाहिए. अब सवाल है कि वेतन कौन देगा. यह सरकार को बताना चाहिए कि क्या अनुराग गुप्ता कह चुके हैं कि बिना सैलरी लिए डीजीपी के पद पर बने रहेंगे.

वरिष्ठ पत्रकार चंदन मिश्रा का कहना है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता के एक्सटेंशन के मामले को प्रेस्टीज इश्यू नहीं बनाना चाहिए. जब केंद्र सरकार रिटायर मान चुकी है तो राज्य सरकार को भी मान लेना चाहिए. अगर अड़े रहेंगे तो राज्य सरकार की छवि प्रभावित होगी. सबसे ज्यादा छवि तो खुद अनुराग गुप्ता की प्रभावित हो रही है.

जब केंद्र और और राज्य में टकराव हो रहा है तो उनको एक प्रशासनिक अधिकारी के नाते खुद हट जाना चाहिए था. जब वेतन पर्ची बनना बंद हो गया है तो फिर वे कैसे उस कुर्सी पर बैठे रह सकते हैं. कायदे से 30 अप्रैल के बाद उनको खुद हट जाना चाहिए था. ऐसी क्या बात है कि वे कुर्सी पर बने हुए हैं. राज्य सरकार को ऐसे मामलों में केंद्र से नहीं टकराना चाहिए. यह राजनीति का विषय नहीं हो सकता.

चंदन मिश्रा का कहना है कि इसी राजधानी में डीआईजी रैंक के अफसर एसएसपी के पद पर बैठे हुए हैं. अब सवाल तो उठेगा ही. सरकार ऐसे अधिकारियों पर इतनी मेहरबान क्यों है. यह अच्छे एडमिनिस्ट्रेशन की निशानी नहीं है. यह बात सही है कि बाबूलाल मरांडी ने अनुराग गुप्ता के सेवा विस्तार को कोर्ट में चुनौती दी है.

अब यह कहना कि कोर्ट के फैसले के बाद ही कुछ होगा, यह सही नहीं है क्योंकि केंद्र सरकार ने उनके सेवा विस्तार को स्वीकृति तो दी नहीं है. आगे चलकर 30 अप्रैल के बाद लिए गये उनके फैसले पर भी सवाल उठेंगे. लोग तो जानना चाहेंगे ही कि बिना सैलरी लिए सेवा देने के पीछे क्या इंटरेस्ट है.

ऑल इंडिया सर्विस रुल के हवाले से केंद्र सरकार का कहना है कि अनुराग गुप्ता का सेवा विस्तार गलत है. क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट फैसला है कि डीजीपी पद की सेवा अवधि के लिए कम से कम छह माह का कार्यकाल बाकी होना चाहिए. जबकि अनुराग गुप्ता को फरवरी 2025 में डीजीपी नियुक्त किया गया था. उनके सेवानिवृत्ति की तारीख 30 अप्रैल थी. 22 अप्रैल को ही केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मुख्य सचिव को पत्र के जरिए बता दिया गया था कि अनुराग गुप्ता को एक्सटेंशन नहीं मिलेगा.

वहीं राज्य सरकार का कहना है कि अनुराग गुप्ता के सेवा विस्तार की नियमावली को कैबिनेट की स्वीकृति मिली है. उसी के तहत सेवा विस्तार किया गया है. डीजीपी की नियुक्ति को लेकर 8 जनवरी 2025 को नया नियम बनाया गया है. उसके तहत अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर नियमित पदस्थापन करते हुए 2 फरवरी 2025 को 02 साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया है. इस फैसले को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कोर्ट में चुनौती है.

खास बात है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 22 अप्रैल को ही राज्य की मुख्य सचिव को पत्र के जरिए सूचित कर दिया था कि 30 अप्रैल को आईपीएस अनुराग गुप्ता सेवानिवृत्त हो जाएंगे. लेकिन राज्य सरकार के स्तर पर कहा गया कि उनका सेवा विस्तार हो चुका है. जबकि केंद्र सरकार यह मानने को तैयार नहीं है. वहीं प्रधान महालेखाकार कार्यालय के मुताबिक अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल,2025 को ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं. इसलिए मई माह का जीरो पे-स्लिप बना है.

कांग्रेस भवन में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सुनी लोगों की फरियाद

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर एक बार फिर कांग्रेस कोटे के मंत्रियों का जनता दरबार शुरू हो गया है. गुरुवार 5 जून को कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की कांग्रेस भवन में आम लोगों की समस्याओं से रूबरू हुई. जनता दरबार के दौरान कृषि मंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों से बात की और कई समस्याओं के त्वरित समाधान का निर्देश दिया.

इस दौरान शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों को किसी भी समस्या के समाधान के लिए की जाने वाली कार्रवाई में कोताही नहीं बरतने की सलाह दी और कहा कि लोगों की वाजिब समस्याओं का त्वरित समाधान उनका मौलिक अधिकार है. हमें यह सुनिश्चित करना है कि लोग लालफीताशाही में न फंसें, उनकी समस्याएं फाइलों में उलझी न रहें. जनता को अपने हक और अधिकार के प्रति जागरूक होना होगा, अगर सरकारी पदाधिकारी काम करने में आनाकानी करते हैं तो शिकायत करें, उस पर कार्रवाई होगी.

उन्होंने कहा कि कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में जन समस्याओं का नियमानुसार त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया है. अन्य विभागों के संबंध में प्राप्त समस्याओं का उचित फोरम के माध्यम से समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा. संबंधित विभागीय मंत्री व अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान किया जाएगा.

ये थी लोगों की शिकायतें : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के जनता दरबार में 85 शिकायतें आईं, जिसमें मछुआरा आयोग के गठन से लेकर धान क्रय राशि नहीं मिलने तक के मामलों की सुनवाई की गई. जनता दरबार में लिट्टीपाड़ा, धनबाद, सरायकेला, बरहेट, रांची, पलामू, लातेहार, गढ़वा, हजारीबाग, धनबाद समेत अन्य क्षेत्रों से आए लोगों ने तालाब जीर्णोद्धार, पीटी निर्माण, कृषक मित्रों का बकाया भुगतान, जमाबंदी, डीप बोरिंग, धान क्रय राशि नहीं मिलने, पैक्स चुनाव, कृषि ऋण माफी, पारिवारिक भूमि विवाद, पेंशन, मुआवजा, मेधा डेयरी, स्टॉल, मछुआरा आयोग का गठन, भूमि विवाद समेत अन्य समस्याओं से संबंधित मामले उठाए.

जनता दरबार में पहुंचे वेदांत कौस्तव ने सिल्ली के विभिन्न गांवों में बिजली व्यवस्था बहाल करने, चरण केवट द्वारा मछुआ आयोग का गठन करने, निजाम अंसारी द्वारा कुकुट केंद्र का समुचित विकास करने तथा प्रिय रंजन सिंह हुसैनाबाद द्वारा पैक्स चुनाव में फर्जीवाड़ा करने की शिकायत की.

कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि कांग्रेस ने जन समस्याओं पर पहल करने के लिए जनता दरबार का आयोजन शुरू किया है. इससे पहले कांग्रेस मुख्यालय में चारों मंत्रियों द्वारा जनता दरबार लगाया गया था.

मानसून सत्र की घोषणा 47 दिनों पहले क्यों क्या विशेष सत्र से इसलिए भागी सरकार

ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा के लिए विशेष संसद सत्र की विपक्ष की मांग के बावजूद, मोदी सरकार ने 21 जुलाई से मानसून सत्र की घोषणा कर दी है। केंद्र सरकार ने विपक्ष की विशेष सत्र की मांग को दरकिनार करते हुए बुधवार को संसद के मानसून सत्र की घोषणा कर दी है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा। रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा, "हमने संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक बुलाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंटरी अफेयर्स ने यह तारीख तय की है और अब प्रस्ताव राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। यह मानसून सत्र पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार आयोजित किया जा रहा है। 22 अप्रैल को हुए उस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी गठबंधन 'INDIA' की ओर से विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। सरकार की घोषणा के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और टीएमसी के डेरेक ओब्रायन ने सरकार पर हमला बोला। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- आमतौर पर संसद सत्र की तारीखों की घोषणा कुछ दिन पहले की जाती है। लेकिन इस बार सत्र शुरू होने से 47 दिन पहले ही तारीखों का ऐलान कर दिया गया -ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह निर्णय मोदी सरकार ने केवल इसलिए लिया है ताकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और INDIA गठबंधन द्वारा बार-बार उठाई जा रही तत्काल विशेष बैठक की मांग से बचा जा सके। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों ने संसद की एक तत्काल बैठक बुलाकर राष्ट्रीय महत्व के गंभीर मुद्दों पर चर्चा की आवश्यकता जताई है। जिसमें पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमलों के लिए जिम्मेवार आतंकवादियों को अब

> "सरकार की घोषणा के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और टीएमसी के डेरेक ओब्रायन ने सरकार पर हमला बोला। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- आमतौर पर संसद सत्र की तारीखों की घोषणा कुछ दिन पहले की जाती है। लेकिन इस बार सत्र शुरू होने से 47 दिन पहले ही तारीखों का ऐलान कर दिया गया -ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह निर्णय मोदी सरकार ने केवल इसलिए लिया है ताकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कळउ्कअ गठबंधन द्वारा बार-बार उठाई जा रही तत्काल विशेष बैठक की मांग से बचा जा सके। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों ने संसद की एक तत्काल बैठक बुलाकर राष्ट्रीय महत्व के गंभीर मुद्दों पर चर्चा की आवश्यकता जताई है। जिसमें पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमलों के लिए जिम्मेवार आतंकवादियों को अब तक न्याय के कटघरे में लाने में विफलता। ऑपरेशन सिंदूर का स्पष्ट राजनीतिकरण। सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (उऊर) द्वारा किए गए अहम खुलासे।

तक न्याय के कटघरे में लाने में विफलता। ऑपरेशन सिंदूर का स्पष्ट राजनीतिकरण। सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (उऊर) द्वारा किए गए अहम खुलासे। भारत को पाकिस्तान के साथ एक ही श्रेणी में रखे जाने की गंभीर और चिंताजनक कूटनीतिक स्थिति। पाकिस्तान की वायुसेना में चीन की गहरी और खतरनाक घुसपैठ के स्पष्ट प्रमाण। राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता को लेकर बार-बार किए जा रहे दावे। विदेश नीति और कूटनीतिक स्तर पर सरकार की लगातार होती विफलताएं। उन्होंने लिखा कि मानसून सत्र के दौरान भी ये तमाम मुद्दे, जो राष्ट्रहित में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, चर्चा के केंद्र में रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भले ही विशेष सत्र से खुद को अलग रखा हो, लेकिन छह सप्ताह बाद उन्हें इन कठिन सवालों का जवाब देना ही होगा। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा, टीएमसी ने पिछली घोषणाओं का अध्ययन किया है, और आमतौर पर सत्र की घोषणा शुरू होने की तारीख से लगभग 19 दिन पहले की जाती है। इस बार, उन्होंने 47 दिन पहले ही इसकी घोषणा कर दी। बहुत डर लग रहा है! अगर वे मानसून सत्र की घोषणा कर सकते हैं, तो जून में विशेष सत्र की घोषणा क्यों नहीं कर सकते। अब सबकी निगाहें 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र पर होंगी - क्या सरकार इन मसलों पर चर्चा को तैयार होगी, या विपक्ष को फिर से हंगामे का सहारा लेना पड़ेगा? उन्होंने इस मांग के समर्थन में एक पत्र भी साझा किया, जिस पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी समेत कई नेताओं के हस्ताक्षर थे।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसलों पर खुली बहस से बच रही है। उनका कहना है कि पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमले और उसके बाद की सैन्य कार्रवाई को लेकर संसद में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। खड़गे ने मंगलवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा था, "हम, INDIA गठबंधन के नेता, संसद का विशेष सत्र बुलाने की सामूहिक और तात्कालिक मांग दोहराते हैं, ताकि पहलगाम हमले के बाद की घटनाओं पर चर्चा की जा सके। बहरहाल, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने से इनकार करते हुए कहा कि सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर मानसून सत्र में चर्चा संभव है। रिजिजू ने कहा, "हमारे लिए हर सत्र विशेष होता है। संसदीय नियमों के तहत सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जा सकती है।

'मेरे बेटे को टुकड़ों में मत काटो' बेंगलुरू भगदड़ में बेटे की मौत के बाद पिता की गुहार

देविका चटराज

बेंगलुरु में एक दुखद भगदड़ ने एक परिवार की जिंदगी उजाड़ दी। यह हादसा तब हुआ, जब एक विजय परेड के दौरान भीड़ अनियंत्रित हो गई। इस भगदड़ में एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद उसके पिता का दर्द और गुस्सा सामने आया। पिता ने नेताओं और प्रशासन के सामने अपनी आर्त पुकार रखी, "मेरा एक ही बेटा था, उसे खो दिया, अब कम से कम उसके मृतदेह को टुकड़ों में मत काटो। यह मार्मिक गुहार सोशल मीडिया और समाचारों में वायरल हो रही है, जिसने लोगों का दिल दहला दिया। हादसा बेंगलुरु में एक विजय परेड के दौरान हुआ, जिसमें भारी भीड़ जमा थी। अचानक स्थिति बेकाबू हो गई, और भगदड़ मच गई। इस हादसे में कई लोग घायल हुए, और एक युवक की जान चली गई। मृतक के पिता का कहना है कि उनका बेटा भीड़ में फंस गया और उसे बचाया नहीं जा सका।

पिता का दर्द : घटना के बाद मृतक के पिता ने नेताओं और प्रशासन पर गुस्सा जाहिर किया। वे कहते नजर आए, "मेरा बेटा चला गया, अब कम से कम उसके शव का सम्मान करें।" उनका यह बयान उस दर्द को दर्शाता है, जो एक पिता अपने इकलौते बेटे को खोने के बाद महसूस कर रहा था। सोशल मीडिया पर इस घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। कई यूजर्स ने प्रशासन पर सवाल उठाए कि इतनी बड़ी भीड़ के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी। कुछ ने पिता के दर्द के प्रति संवेदना जताई, तो कुछ ने इस हादसे को लापरवाही का नतीजा बताया। अभी तक प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही जा रही है। यह हादसा एक बार फिर भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा की कमी को उजागर करता है। मृतक के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लोग इस बात की मांग कर रहे हैं कि इस तरह की त्रासदी दोबारा न हो।

नई जनगणना के आंकड़े 2034 के चुनावों में आ सकते हैं काम

अंजन कुमार

केंद्र सरकार 16 जून को अगली जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी कर सकती है। वैसे जमीन पर 'जनगणना-2027' की प्रक्रिया 2026 में शुरू होगी और इस तरह से इसमें छह साल की देरी होगी, जिसके लिए मुख्य तौर पर कोविड महामारी को जिम्मेदार माना जा सकता है। क्योंकि, जनगणना का काम तब जो लटका, वह लटकता ही चला गया। इस बार की जनगणना के भरोसे राजनीतिक तौर पर कम से कम दो अहम चीजें लटकी हुई हैं। एक तो कानून के मुताबिक 2026 के बाद होने वाली जनगणना को ही आधार मानकर निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन होना है। क्योंकि, देश में आबादी के हिसाब से जनप्रतिनिधियों की संख्या काफी कम है और निर्वाचन क्षेत्रों की जनसंख्या के आंकड़ों में भी बड़ी असमानताएं उभर रही हैं। दूसरी तरफ संसद ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण की व्यवस्था की है, यह भी तभी संभव है जब निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन हो। लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों में कहना मुश्किल है कि यह सब 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए संभव हो सकेगा। केंद्र सरकार की घोषणा के अनुसार 1 अप्रैल, 2026 से जनगणना शुरू हो सकती है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, इस हिसाब से यह काम 2021 में ही हो जाना था। सरकार ने नई जनगणना के लिए 1 मार्च, 2027 को रेफ्रेंस

डेट के रूप में तय किया है। मतलब, जनगणना के आंकड़ों के लिए यही तारीख आधार होगी। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि जनगणना के आंकड़े कब जारी होंगे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जनगणना से जुड़े सभी आवश्यक आंकड़े 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले आ जाएंगे? अगर सरकारी सूत्रों की मानें तो इसका जवाब है नहीं। मसलन, एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा है कि जातिगत आंकड़े तीन साल में जारी किए जा सकते हैं। हालांकि, यह संभावना नहीं है कि जातिगत गणना ही आरक्षण का आधार बनेगी। अगर पिछली जनगणना को देखें तो अंतिम जनसंख्या गणना के आंकड़े जारी होने में लगभग 2 साल लग गए थे। हालांकि, यह देखने वाली बात है कि क्या सरकार इसकी कोई तारीख बताती है, जब जनगणना के आंकड़े आने की संभावना है। क्योंकि, बेहतर तकनीक और डिजिटल डेटा के इस्तेमाल से अब जनगणना में उतना वक्त लगने की संभावना नहीं है, जितना की पहले लगा करता था। मान लिया जाए कि जनगणना के आंकड़े पहले के मुकाबले जल्द भी आ जाएं और परिसीमन आयोग 2029 के चुनाव से पहले अपना काम शुरू भी कर देता है, तो भी इसे परिसीमन के काम में लंबा वक्त लग सकता है। जैसे 2001 की जनगणना के बाद 2002 में परिसीमन आयोग बना था। उसने उसी जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया और इसके गठन से लेकर काम पूरा करने में मोटे तौर पर साढ़े तीन साल लग गए और 2007 में जाकर काम पूरा हुआ, जो कि 2008 से प्रभावी हुआ। मतलब, 2009 के लोकसभा चुनावों इसकी ओर से किया गया बदलाव अमल में आ पाया। अगर राजनीतिक तौर पर देखें तो इस बार के परिसीमन को लेकर दक्षिण भारतीय राज्य पहले से ही चिंतित बैठे हुए हैं। उनको डर है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण पर बहुत काम किया है और उसे काफी नियंत्रण में रखा है। लेकिन, अगर आबादी परिसीमन की आधार बनी तो उनकी लोकसभा सीटें घट सकती हैं और बिहार और यूपी जैसे राज्यों को इसका फायदा ज्यादा सीटों के तौर पर मिल सकता है। इसलिए, परिसीमन के काम को लेकर भारी विरोध भी दिख रहा है। सरकार को यह भी देखना है कि कहीं यह मुद्दा उत्तर और दक्षिण भारतीय राज्यों में बड़ी विवाद की वजह न बन जाए। केंद्र में बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार है, जो आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी दल टीडीपी के समर्थन पर टिकी है। ऐसे में मोदी सरकार के लिए इसपर तेजी से बढ़ना राजनीतिक रूप से भी आसान नहीं होगा। इन सारे हालातों को देखने के बाद यही लगता है कि नई जनगणना के आंकड़े 2034 के लोकसभा चुनावों से पहले काम में आना मुश्किल है।

कौन हैं क्रिकेटर कुलदीप यादव की दुल्हनिया... कब होगी चाइनामैन की शादी!

शाहरुख खान

भारतीय टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने अपने निजी जीवन में एक नई पारी की शुरुआत की है। बुधवार को लखनऊस्थित एक होटल में कुलदीप यादव ने सगाई कर ली। उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से सगाई की है। लखनऊके एक होटल में हुआ यह सगाई समारोह का आयोजन बेहद निजी रहा। समारोह में सिर्फ करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों को ही बुलाया गया था। समारोह बेहद निजी और पारंपरिक अंदाज में हुआ। सगाई समारोह में शामिल होने के लिए भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह समेत कई क्रिकेटर भी पहुंचे। सगाई समारोह में क्रिकेटर कुलदीप यादव ने ऑफ व्हाइट कलर की बंदगला शेरवानी पहनी हुई थी। इसमें वह काफी रॉयल लुक में दिखे। वहीं, वंशिका ने नारंगी रंग का भारी लहंगा पहना था। वह इस लहंगे में बेहद सुंदर दिखाई दे रही हैं। कुलदीप वंशिका की सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही हैं। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले स्टार स्पिनर कुलदीप ने इस वर्ष शानदार प्रदर्शन करके 15 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने बुधवार को लखनऊ में बेहद शांत तरीके से सगाई की। कानपुर के श्यामनगर लालबंगला निवासी वंशिका के पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। वहीं, वंशिका इस समय ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं। करीबी मित्र ने बताया कि सेंट मैरी से 2017 में वंशिका ने 12वीं पास की थी। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई और जॉब के लिए ऑस्ट्रेलिया चली गई थीं।

कौन हैं नरगिस खान? मेरठ में कोठी, नोएडा से देहरादून तक फ्लैट और आलीशान गाड़ियां

धर्मेंद्र कुमार

नई दिल्ली : आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया... एक कहावत है, आपने भी जरूर सुनी होगी। इसका मतलब है कि जितनी आपकी कमाई है, उससे दोगुना खर्च करना। घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर इसी कहावत को सुनाकर बच्चों को उतना ही खर्च करने की सलाह देते हैं, जितना वो कमा सकें। लेकिन, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में कभी महिला थाने की एसएचओ रहीं इंस्पेक्टर नरगिस खान ने इस कहावत को अपने ऊपर पूरी तरह लागू कर दिया। नरगिस खान के ऊपर आरोप है कि 14 साल में जितनी उन्होंने कमाई की, उससे डबल रकम खर्च कर दी। उनकी प्रॉपर्टी की लिस्ट इतनी लंबी है, जिसे पढ़ते-पढ़ते शायद आप थक जाएं। मेरठ से शुरू होकर उनकी प्रॉपर्टी उत्तराखंड के देहरादून तक फैली हुई है। आइए, पूरी कहानी बताते हैं। सबसे पहले आपको बताते हैं कि नरगिस खान कौन हैं? यूपी पुलिस में 1990 बैच की दरोगा नरगिस खान अक्सर विवादों में रही हैं। दरोगा पद पर ज्वॉइनिंग के बाद जब बुलंदशहर में पोस्टिंग हुई तो यहां उनकी मुलाकात सुरेश यादव नाम के बिजनेसमेन से हुई। कुछ समय बाद दोनों ने शादी कर ली। सुरेश यादव काफी रसूखदार आदमी हैं और समाजवादी पार्टी की सरकार में उनकी तूती बोलती थी। सपा के दिग्गज नेताओं का उनके घर पर आना-जाना भी होता है। फिलहाल वह मेरठ में ही गढ़ रोड पर एक बार चलाते हैं। नरगिस खान ने पुलिस विभाग में रहते हुए इसी बात का फायदा उठाया। जब उन्हें मेरठ में महिला थाने की प्रभारी बनाया गया तो अपने पति को सपा नेता शिवपाल यादव का ओएसडी बताकर थाने में अपनी धाक जमाई। सरकार से कनेक्शन का सुनकर नेता और अफसर भी उनसे मिलने आने लगे। बताया जाता है कि नरगिस अक्सर लग्जरी गाड़ियों से थाने पहुंचती थी। चौंकाने वाली बात यह है कि उनकी पोस्टिंग ज्यादातर मेरठ और उसके आसपास के जिलों में ही रही। साल 2021 में गाजियाबाद की रहने वालीं उमा नाम की एक महिला ने पुलिस मुख्यालय में नरगिस खान के खिलाफ शिकायत करते हुए भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। शिकायत चूंकि सीधे लखनऊऑफिस की गई थी, इसलिए मेरठ के एंटी करप्शन थाने ने तुरंत जांच शुरू कर दी। पड़ताल में पाया गया कि

नरगिस खान ने अपनी इनकम से लगभग दोगुनी रकम खर्च कर गाड़ियां और प्रॉपर्टी खरीदी है। इसके बाद उनके ऊपर आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया गया। एंटी करप्शन थाने की जांच के मुताबिक, 1 जनवरी 2007 से 31 मार्च 2021 नरगिस खान की कुल कमाई लगभग 5 करोड़ 36 लाख रुपये रही। वहीं, इसी समय अवधि में उन्होंने लगभग 10 करोड़ 60 लाख रुपये खर्च किए। यानी जितनी उनकी कमाई थी, उससे एकदम दोगुनी रकम उन्होंने खर्च कर डाली। इस बारे में जब उनसे सवाल किए गए तो वह कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाईं, जिसके बाद उनपर केस दर्ज कर लिया गया। नरगिस खान की पोस्टिंग इस समय बरेली में है। नरगिस खान और उनके पति सुरेश यादव को इससे पहले गबन के एक मामले में साल 2021 में भी गिरफ्तार किया गया था। यह मामला गाजियाबाद के कविनगर में डिप्टी लेबर कमिश्नर कार्यालय से जुड़ा हुआ था। वहीं, नाबालिग बच्ची से जुड़े एक मामले में उस समय डीआईजी रहीं लक्ष्मी सिंह ने उन्हें सस्पेंड भी किया था। नरगिस के पति को दो दिन पहले ही एक अन्य मामले में कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब बात करते हैं उस संपत्ति की, जिसके बारे में सुनकर पुलिस विभाग के अफसर भी हैरान हैं। लिस्ट देखकर शायद आपके भी पसीने छूट जाएं। मेरठ के पॉश इलाके शास्त्री नगर में इंस्पेक्टर नरगिस खान और उनके पति की आलीशान कोठी है। 640 गज में बनी इस कोठी की कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा मेरठ में ही उनके नाम पर लगभग 50 लाख रुपये कीमत का एक प्लॉट भी है। नरगिस के पति सुरेश यादव के नाम पर मेरठ में एक मकान, बार, रेस्टोरेंट और 21 दुकानें हैं। दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में नरगिस खान और उनके पति के नाम पर एक करोड़ रुपये की कीमत के दो फ्लैट हैं। साथ ही सुरेश यादव का एक बार भी है। इनके अलावा इंस्पेक्टर नरगिस के पति के नाम गाजियाबाद में भी एक फ्लैट है। पति-पत्नी के नाम पर अमरोहा में एक प्लॉट, लखनऊ में दो अपार्टमेंट, कानपुर में दो बीघे में बना एक फॉर्महाउस और लगभग 50 बीघा जमीन है। नरगिस खान और उनके पति की संपत्ति उत्तराखंड तक फैली हुई है। देहरादून में उनके पति के नाम पर दो फ्लैट हैं। करोड़ों रुपये की बेनामी प्रॉपर्टी ऐसी भी है, जो नरगिस ने अपने पति के नाम पर खरीदी थी। जमीन, मकान, कोठी, प्लॉट और फ्लैट के अलावा नरगिस के पति सुरेश यादव के नाम पर कानपुर और बरेली में तीन पेट्रोल पंप हैं। नरगिस खान के पास लग्जरी गाड़ियों का अच्छा खासा कलेक्शन है। इन गाड़ियों में थार, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, रैंज रोवर शामिल हैं।

हमारी धरती, हमारा भविष्य के नारे के साथ कैडेट्स ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

संत कोलंबा कॉलेज, हजारीबाग में एनसीसी कैडेट्स द्वारा वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता रैली का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संत कोलंबा महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व 22 झारखंड एनसीसी बटालियन हजारीबाग के निर्देशानुसार कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉ. एस. के. पांडे ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पर्यावरण जागरूकता रैली से हुई, जिसमें कैडेट्स ने शहरवासियों को प्लास्टिक का उपयोग रोकने और अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान साँसे हो रही कम, आओ पेड़ लगाएं हम जैसे नारों से कॉलेज परिसर गूंज उठा। इसके उपरांत सभी

कैडेट्स को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

मुख्य अतिथि के रूप में जिला वन पदाधिकारी श्री मौन प्रकाश (IFS), अधिवक्ता राणा राहुल प्रताप देव, एवं बीडीएम हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सतीश कुमार विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में श्री मौन प्रकाश ने कहा, आज के युग में प्लास्टिक का त्याग और रीसायक्लिंग की व्यवस्था आवश्यक है। पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार का काम नहीं, हम सभी का दायित्व है।

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे छोटे प्रयासों से हम बड़े परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं और सभी कैडेट्स से अपने-अपने स्तर पर तीन अन्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

अधिवक्ता राणा राहुल प्रताप ने अपने संबोधन में हजारीबाग की ऐतिहासिक हरियाली को याद करते हुए कहा, हजारीबाग कभी अपने बाग-बगिचों के कारण विख्यात था, लेकिन आज यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें अपने शहर को फिर से हरा-भरा बनाने की ओर लौटना होगा।

उन्होंने बताया कि हजारीबाग की जलवायु कभी इतनी सुखद थी कि यहां बिहार विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र आयोजित होता था।

डॉ. सतीश कुमार विश्वकर्मा ने अपने एनसीसी अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि प्रकृति से जुड़ाव ही जीवन का असली आनंद है, और यह जुड़ाव हमें वृक्षों से मिलता है।

इस अवसर पर सभी अतिथियों ने मिलकर एनसीसी इकाई को दर्जनों पौधे सौंपे। कैडेट्स ने पूरे कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रजातियों के सैंकड़ों पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. एस. के. पांडे ने कहा, हमें अपने व्यवहार और आदतों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनानी होगी। कैडेट्स इस दिशा में समाज को एक नई प्रेरणा दे सकते हैं।

यह आयोजन न केवल एक कार्यक्रम था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में युवाओं का एक सशक्त और संकल्पित कदम भी था। एनसीसी बटालियन से अतुल कुमार उपस्थित थे।

इस अवसर पर पर्यावरण मुद्दे से जुड़े क्विज, कविता, भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज में किया गया और बेहतर करने वाले कैडेट्स को कंपनी कमांडर की ओर से पुरस्कृत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आर्या भारत सोशल डेवलपमेंट ट्रस्ट के सौजन्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। 5 जून 2025 विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर आर्या भारत सोशल डेवलपमेंट ट्रस्ट के सौजन्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत त्रिदेव मंदिर, विजयपथ, शिवदयाल नगर, हजारीबाग में किया गया. इसमें उपस्थित कार्यकारिणी सदस्य अरुण कुमार सिन्हा (रॉकी सिन्हा), उमा शंकर प्रसाद (अमित सिन्हा), विजय सिंह, संतोष साहू, सुनीता जोसेफ, भोला नाथ प्रसाद, कुलदीप कृष्णा, आशेष कुमार सिन्हा श्री वास्तव, विजय सोनी, फैजी भाई तथा मोहल्लेवासी विजय बर्नवाल, राम अवतार प्रसाद, राज प्रकाश, अनिल तिवारी संग प्यारे प्यारे बच्चे एवं मीडियागण उपस्थित थे। इस अभियान के तहत 1,11,000 पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया है। इस विशेष अभियान की शुरुआत आज सुबह 8:00 बजे की गई।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने हरियाली महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ किया

- वर्ष 2025 में 1,51,000 पौधों के रोपण और वितरण का लिया संकल्प
- पर्यावरण संरक्षण हमारा सामूहिक दायित्व है, हर व्यक्ति एक पौधा लगाए माँ के नाम पर, प्रकृति के नाम पर: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने हरियाली महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ किया। इस महोत्सव के अंतर्गत उन्होंने 1,51,000 पौधे लगाने एवं वितरण करने का संकल्प लिया है। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पर्यावरणीय पहल एक पौधा माँ के नाम से प्रेरित है, जिसे विधायक श्री प्रसाद ने जनभागीदारी से जोड़ते हुए एक जन आंदोलन का स्वरूप देने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने कार्यालय परिसर में एक विस्तृत प्रेस वार्ता का आयोजन किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में उन्होंने हरियाली महोत्सव की शुरुआत एक लाख पौधे लगाने और वितरित करने के संकल्प के साथ की थी। यह संकल्प उन्होंने अक्टूबर 2024 तक पूर्ण कर लिया। इस अभियान की सफलता और उद्देश्य की जानकारी उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को दी, जिन्होंने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे एक अनुकरणीय पहल बताया। प्रधानमंत्री से प्राप्त इस प्रेरणा के बाद विधायक श्री प्रसाद ने वर्ष 2025 में हरियाली महोत्सव को और अधिक विस्तार देने का निश्चय किया है, जिसके अंतर्गत 1,51,000 पौधों का रोपण एवं वितरण किया जाएगा। विधायक ने बताया कि इस महोत्सव के अंतर्गत फलदार, छायादार और औषधीय पौधों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनमें नीम, आम, अमरूद, जामुन, पीपल और बड़ जैसे पौधे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सतत अभियान है,इस कार्य में भाजपा के सभी नेता, कार्यकर्ता, विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम जनमानस का सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है।

प्रेस वार्ता में विधायक ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह अभियान केवल प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति भी हमारा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने जनता से अपील की वे हरियाली महोत्सव को अपने जीवन से जोड़ें और कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं।

प्रेस वार्ता के उपरांत विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने आवासीय परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने नीम के पौधे का रोपण कर इस अभियान को धरातल पर उतारा। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ ली और एक पौधा माँ के नाम संकल्प को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। विधायक श्री प्रसाद ने अंत में कहा कि हरियाली महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन जागरूकता और संवेदनशीलता का प्रतीक है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में हजारीबाग न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में पर्यावरणीय मॉडल के रूप में स्थापित होगा।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने भी पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 5 जून से 15 अगस्त तक एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत देशभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम चला रही है।

चौपारण के नावागढ़ में मां भगवती सह हनुमत प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ के आठवें दिन शामिल हुए सांसद

- यज्ञ मंडप पर टेका माथा, संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की
- यज्ञ के दौरान अपना रहें आचार- विचार और व्यवहार का अनुसरण आजीवन करें लोग, तभी आयोजन का असल उद्देश्य होगा सफलः मनीष जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस

चौपारण। बरही विधानसभा क्षेत्र के चौपारण प्रखंड अंतर्गत रामपुर के ग्राम नावागढ़ में बीते 29 मई से आगामी 06 जून 2025 तक चलने वाले 09 दिवसीय श्री श्री 108 मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के आठवें दिन हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल यहां पहुंचे। यज्ञ मंडप पर माथा टेका और पूजा -अर्चना कर मां भगवती और वीर हनुमान से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस यज्ञ के यज्ञ आचार्य सह प्रवचनकर्ता महाराज आचार्य संतु कृष्ण शास्त्री और कथावाचिका के रूप में मिथलेश्वरी शास्त्री यज्ञ के विधान और कथा प्रवचन को संचालित कर रहें हैं।

यहां पहुंचने पर सांसद मनीष जायसवाल और उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी का यज्ञ आयोजन समिति और ग्रामीण जनों ने सामूहिक रूप से अंग- वस्त्र भेंटकर भव्य स्वागत और सम्मान किया। मौके पर उपस्थिति श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यज्ञ के आयोजन से जहां क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है वहीं लोगों ने धार्मिक दृष्टि प्की भावना भी प्रबल होती है। यज्ञ के दौरान जैसा आचार- विचार और व्यवहार रहता है उसे यज्ञ के आयोजन के पश्चात अपने दैनिक दिनचर्या में निरंतर आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए तभी यज्ञ के आयोजन का असल उद्देश्य सफल होगा।

मौके पर विशेषरूप से स्थानीय भाजपा नेता सुनील सिंह, यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष विनय सिंह, सचिव कुंदन चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह, उप कोषाध्यक्ष आशीष भारती, संयोजक गौतम सिंह, उप सचिव छत्रधारी पंडित, मुख्य सलाहकार आनंद सिंह, आशीष पंडित, पवन चंद्रवंशी, राहुल यादव, दीपू कुमार, निक्की सिंह, अंकित सिंह, शुभम सिंह, अजीत सिंह, आशीष भारती, विक्रम सिंह, बबलू रविदास, आदित्य सिंह, कुंदन चंद्रवंशी, सुभाष चंद्रवंशी, राजेश प्रजापति, देवानंद चंद्रवंशी, अशोक यादव, शक्ति सिंह, मनजीत सिंह, नीरज सिंह, सुधीर सिंह, राजन सिंह, सहित अन्य गणमान्य दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहें।

लोकगायक जन्मेजय सिंह के पुत्र के शादी मंडवा रस्म में शामिल हुए सांसद मनीष जायसवाल

बरही विधानसभा क्षेत्र के चौपारण प्रखंड अंतर्गत दैहर पंचायत के ग्राम भदान निवासी प्रसिद्ध लोकगायक सह भाजपा कार्यकर्ता जन्मेजय सिंह के द्वितीय सुपुत्र चिरंजीवी विनीत सिंह के शादी के मंडवा रस्म कार्यक्रम में उनके घर पहुंचकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए और मांगलिक कार्यक्रम की उनके पूरे परिवारजनों को बधाई दिया।

आईसेक्ट इंटर कॉलेज के आर्ट्स के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। झारखंड अधिविद् परिषद की ओर से गुरुवार को 12वीं आर्ट्स का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें आईसेक्ट इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पवन राम 79.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर बने। वहीं मेघा कुमारी को 78.8, साइमा निगार को 78.2 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए और कॉलेज में दूसरे व तीसरे पायदान पर रहे। सिंटू कुमार को 76, पिंटू कुमार को 71.8 व रानी को 66.4 प्रतिशत अंक प्राप्त होने के साथ साथ कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। कॉलेज की प्राचार्या ममता शर्मा ने कहा कि यह कॉलेज के शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन और विद्यार्थियों के नियमित एवं सही दिशा में परिश्रम का ही परिणाम है कि सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि

आईसेक्ट इंटर कॉलेज का यह पहला बैच है और यह परिणाम कॉलेज के गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आईसेक्ट इंटर कॉलेज में कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों संकाय की पढ़ाई करायी जाती है। मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के साथ साथ कमजोर विद्यार्थियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कक्षाओं की भी व्यवस्था की जाती है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में आधुनिक लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए मुहैया कराई गई है, साथ ही स्मार्ट कक्षाओं का भी संचालन किया जाता है। विद्यार्थियों शैक्षणिक भ्रमण के तौर पर देश के ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कराया जाता है। कॉलेज के शिक्षक एसएनके उपाध्याय, आशा गुप्ता, अभिमन्यु पांडे, लक्ष्मी कुमारी, पूजा कुमारी, बीरेंद्र कुमार, डॉ बचनदेव राय, प्रियंका मेहता, अर्जुन राणा, संतोष रविदास, सुशांत झा, ऋचा, संजय कुमार, योगेश्वर कुमार सहित अन्य सभी शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बताते चलें कि आईसेक्ट इंटर कॉलेज में 11वीं का नामांकन जारी है। इच्छुक विद्यार्थी मटवारी स्थित कॉलेज के कार्यालय जाकर या 7479708899, 8002748899 पर संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हो इंटरटेनमेंट के द्वारा हजारीबाग झील परिसर में वृक्षारोपण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

- पर्यावरण का बचाव ही मानव जाती का आधार है: चंदन सिंह
- वर्षा जल संरक्षण पर्यावरण संरक्षण का अभिन्न हिस्साः डॉ.अंशुमान सिंह
- हो इंटरटेनमेंट ग्रुप पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार कार्य करता रहेगाः रोहित वर्मा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। 5 जून 2025 विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में, हो एंटरटेनमेंट कल्चरल टीम द्वारा हजारीबाग झील परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें (#BeatPlasticPollution) है, जो वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता फैलाने और समाधान खोजने पर केंद्रित है। कार्यक्रम की शुरुआत जामुन और अमरूद के पौधारोपण से हुई, जिसमें स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीम के संरक्षक श्री चंदन सिंह ने इस अवसर पर कहा, हमारा झारखंड झार और खंड से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है घना जंगल। यदि हम पेड़-पौधों को नहीं बचाएंगे, तो झारखंड की पहचान खो जाएगी। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने जन्मदिन या किसी भी शुभ अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। कार्यक्रम में ग्राउंडवाटर सॉल्यूशन के विशेषज्ञ, डॉ. अंशुमन सिंह ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि, हमारे जिले के भूगर्भ जलस्तर तेजी से गिरता जा रहा है, जो आने वाले समय में गंभीर संकट का कारण बन सकता है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, जल पुनर्भरण और जल संरक्षण की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और लोगों से जल संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मौके पर संस्था के संस्थापक और सचिव रोहित वर्मा ने कहा कि हमारी संस्था पर्यावरण संरक्षण के लिए कटिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य जारी है।

कार्यक्रम के अंत में एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसमें, हो एंटरटेनमेंट कल्चरल टीम के कलाकारों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। इस आयोजन का मुख्य संदेश थाः जल, जंगल, जमीन देता है जीवन; इन्हें बचाना है हमारा कर्तव्य। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से, संस्थापक सचिव रोहित वर्मा, दीपक झा, पवन, शशिकांत, परमानंद कौशिक, सुरेंद्र कुमार सुदेश, अनिल कुमार, मनोज पांडे, रोहित रजक मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में पौधारोपण

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस पर पांच जून को गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में पौधारोपण किया गया। महाविद्यालय परिसर में सामूहिक रूप से आम के पौधे लगाए गए। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। प्राचार्या डॉ बसुंधरा कुमारी ने कहा कि पौधे लगाना जितना जरूरी है, पेड़ होने तक उसकी देखभाल की भी उतनी ही आवश्यकता है। पेड़-पौधों के सहारे ही समस्त प्राणियों का जीवन है। वर्तमान दौर में पर्यावरण संकट से बचाव के लिए हमें अधिक-से-अधिक पौधे लगाने की जरूरत है। आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में है। इसलिए चारों ओर हरियाली होना अत्यावश्यक है। मौके पर लाइब्रेरियन अंजन कुमार, नॉन-टीचिंग स्टाफ नंदकिशोर कुमार, पम्मी कुमारी, राजकुमार, ज्योति हेमा एक्का आदि मौजूद थे।

माता सहायिका सदन में पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पर्यावरण है सबकी जान, इसलिए रखो इसका ध्यान, थीम पर हुआ आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माता सहायिका सदन परिसर में गुरुवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम थी पर्यावरण है सबकी जान, इसलिए रखो इसका ध्यान। इस अवसर पर प्लास्टिक बंद करो, पर्यावरण स्वच्छ बनाओ जैसे संदेशों के माध्यम से उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण से की गई, जिससे धरती को हरा-भरा और पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के

रूप में इचाक प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शोधार्थी मोहम्मद फजल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया और उन्हें बैच व पुष्पगुच्छ भेंट किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिस्टर कुलंदई तेरेसा ने की। वहीं मुख्य अतिथि संतोष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन प्रणाली का संतुलन है भूमि, जल, वायु, पशु, पक्षी और मनुष्य सब मिलकर ही पर्यावरण का निर्माण करते हैं। यदि इनमें से किसी एक का संतुलन बिगड़ा, तो पूरे पर्यावरण पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि, आज की अति आधुनिक जीवनशैली ने हमें सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन प्रकृति से दूरी भी बना दी है। तापमान बढ़ रहा है, जलवायु परिवर्तन गंभीर हो चुका है, और ऐसे में पेड़ों की कमी के कारण हम अपनी आवश्यक ऑक्सीजन भी खोते जा रहे हैं। यदि पेड़ हैं, तो हम हैं। इसलिए हमें अधिकाधिक पौधारोपण करना चाहिए और प्लास्टिक जैसी पर्यावरण विरोधी चीजों का प्रयोग बंद करना चाहिए। जबकि विशिष्ट अतिथि मो. फजल ने युवाओं से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में आगे आएँ, छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण शिक्षा को स्कूली स्तर से ही अनिवार्य बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने नारे, पोस्टर और संक्षिप्त प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता को रेखांकित किया। अंत में संस्था की ओर से यह संकल्प लिया गया कि प्रतिवर्ष अधिकाधिक पौधारोपण किया जाएगा और प्लास्टिक के उपयोग पर सख्त रोक लगाई जाएगी। कार्यक्रम के अंत मे 8 वी और 10 बोर्ड मे उत्तीर्ण छात्र छात्राए को अतिथियो ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट के शिक्षक मो. बरकात, जस्मीत कौर, पुष्पा देवी तथा नॉन फॉर्मल शिक्षक पल्लवी कुमारी आनंद कुमार, पूजा देवी तथा नीतीश कुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हरिहरपुर थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर हुई शाति समिति की बैठक

गोमो। बकरीद पर्व को लेकर गुरुवार को हरिहरपुर थाना में शांति समिति का बैठक आयोजित की गई। बैठक में तोपचांची सर्किल इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो ने कहा कि सोशल मीडिया के अफवाहों से बचना है और किसी भी तरह की गतिविधि होती है तो स्थानीय थाना को सूचित करें पुलिस तत्वरित कार्रवाई करेगी। वहीं प्रमुख आनंद कुमार ने कहा की बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं और अगर सोशल मीडिया पर कुछ सच्ची घटना भी होती है तो उसको तुरंत फॉरवर्ड ना करें गुप्त सूचना पुलिस को दे पुलिस उस मामले पर छानबीन करने के बाद कार्रवाई करेगी। तथा थाना प्रभारी राहुल कुमार झा ने बकरीद पर्व की बधाई देते हुए शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार को मनाने की अपील की। मौके पर तोपचांची इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो, थाना प्रभारी राहुल कुमार झा, प्रमुख आनंद कुमार, अहमद अली, दिलीप गोस्वामी, सत्यनारायण बरनवाल, आलम अंसारी, बीसी मंडल, तबरेज, अकरम कुरेसी, जावेद, नईमुद्दीन, सोनू खान, मो. शब्बीर आदि गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

मुखिया नेरश लोहरा ने कराया अबुआ आवास योजना के लाभुकों को ग्रह प्रवेश

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय के बडका बालूमाथ एंम रहमतनगर में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवास का उद्धघाटन बालूमाथ पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा ने फीता काटकर किया।इस मौके पर लाभुक सरस्वती देवी,पति नारायण प्रसाद तथा शम्मा प्रवीन पति शहनवाज खान को यह आवास सौंपा गया।मौके पर कई ग्रामीण उपस्थित थे।उद्धघाटन समारोह के दौरान बालूमाथ मुखिया नरेश लोहरा ने कहा कि राज्य सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र परिवारों को शीघ्रता से इस योजना का लाभ दिलाया जाएगा।लाभुक सरस्वती देवी एंम शम्मा प्रवीन ने भावुक होते हुए सरकार और पंचायत प्रतिनिधियों का आभार जताया और कहा कि वर्षों बाद उन्हें अपना पक्का घर मिला है। जिससे अब उनके परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा। लोगों ने मुखिया और प्रशासन का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई कि आगे भी ऐसी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिलता रहेगा।

राजकीय कृत कन्या मध्य विद्यालय में वर्ग अष्टम के छात्राओ को बिदाई समारोह का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) गुरुवार 05 जून 2025 को राजकीयकृत कन्या मध्य विद्यालय में वर्ग अष्टम के छात्राओ को बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका एवं विधालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष द्वारा छात्राओं को संबोधित किया गया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की गई साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं ने वर्ग अष्टम के छात्राओं को बुके एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभ कामना करते हुए सभी छात्राओं को स्थानांतरण प्रमाण-पत्र वितरित किया गया तत्पश्चात विद्यालय परिवार के ओर से सभी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए विदाई समारोह संपन्न किया गया।

एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की मेजबानी की

एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के विजन और मिशन को ध्यान में रखते हुए और इसके माननीय संस्थापक अध्यक्ष और माननीय कुलाधिपति, एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के आशीर्वाद से, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज ने संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (IIC) के आदेश के तहत 5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के वक्ता, डॉ. दिजेंद्र नाथ रॉय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर ने इस बात पर जोर दिया कि प्लास्टिक प्रदूषण ने हमारे पर्यावरण के हर पहलू में घुसपैठ कर ली है, महासागरों और नदियों से लेकर हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन और यहाँ तक कि जिस हवा में हम सांस लेते हैं। मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक का पता चला है, जो महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है।
उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) इस बात पर जोर देता है कि प्लास्टिक प्रदूषण एक बड़ी चुनौती है, लेकिन अगर वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयास किए जाएं तो यह सबसे अधिक हल किए जा सकने वाले पर्यावरणीय मुद्दों में से एक है। एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रियो बसाक इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संत मरियम स्कूल के बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अगर हमने अब भी पर्यावरण को संरक्षित नहीं किया तो धरती पर जीवन कठिन हो जाएगा : अविनाश देव

मेदिनीनगर। 05 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संत मरियम आवासीय विद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक जागरूकता रैली सह साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों व आम लोगों को स्वच्छ, हरित और सतत जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था। रैली की शुरुआत विद्यालय परिसर से हुई, जिसे हरी झंडी दिखाकर पलामू प्रमंडल के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव नयन, ऑर्थो सर्जन डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ, विद्यालय चेयरमैन अविनाश देव, प्राचार्य कुमार आदर्श तथा ट्रैफिक प्रभारी शमाल अहमद ने रवाना किया। इस अवसर पर विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं अपने-अपने साइकिलों पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नारे और हाथों में पौधे लेकर शहर भ्रमण पर निकले। मौके पर छात्रों ने जोशीले अंदाज़ में नारे लगाए– हम बच्चे मिलकर पेड़ लगाएंगे, धरती को स्वर्ग बनाएंगे। इन नारों के माध्यम से उन्होंने नागरिकों को अधिकाधिक वृक्षारोपण व प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।
इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि विलुप्त होते पशु-पक्षी इंसान को चेतावनी दे रहे हैं। अगर हमने अब भी पर्यावरण को संरक्षित नहीं किया तो धरती पर जीवन कठिन हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, असामान्य मौसम बदलाव और वन्यजीवों की घटती संख्या हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेत कर रही है। अविनाश देव ने यह भी बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 1972 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। संत मरियम स्कूल हर वर्ष हजारों पौधे वितरित कर, रैली निकालकर और थीम आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिन को विशेष रूप से मनाता है। कार्यक्रम का समापन पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में आम लोग उपस्थित थे।

भुइयां चितरो गांव के ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर गोमो तोपचांची सड़क को किया जाम

गोमो। तोपचांची प्रखंड अंतर्गत भुइयां चितरो गांव के ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को पानी की समस्या को लेकर करीब एक घंटे तक गोमो तोपचांची सड़क को जाम कर दिया। जिससे सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क पर सैकड़ों महिला पुरूष एवं बच्चे पानी का बर्तन लेकर बैठ गए। ग्रामीणों का आरोप था कि करीब 15 दिनों से पेय जल स्वक्षता विभाग द्वारा गांव में पानी की सप्लाई को रोक दिया गया है। जिससे गांव में पानी की भारी समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़क जाम की सूचना पाकर प्रखंड प्रमुख आनंद कुमार, बीडीओ एजाज हुसैन अंसारी, सीओ संजय कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष रवानी, तथा तोपचांची थाना प्रभारी दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। सभी ने ग्रामीणों को समझा कर जाम हटाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण काफी आक्रोशित थे। ग्रामीणों की मांग थी के विभाग से कोई आकर बात करे। थोड़ी देर में पेय जल विभाग से पहुंचे जेई ने सबको आश्वासन दिया की जल्द ही पानी की समस्या दूर हो जाएगी। गांव के मुखिया प्रतिनिधि अजमत अंसारी ने बेहद नाराजगी भरे शब्दों में कहा की अगर शाम तक पानी की सप्लाई नहीं हुई तो फिर से सड़क को जाम कर दिया जाएगा। लोग प्यासे घर में मरे इससे अच्छा ही की लोग प्यासे सड़क पर ही अपना दम तोड़े।

पारो देवी के दशगात्र कार्यक्रम में सेंकड़ों के संख्या में जन सैलाब उमडा, मौके पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड प्रखंड के ग्राम कदगांवा खुर्द में दशगात्र कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रविदास समाज और कदगांवा कला के पंचायत मुखिया अशोक भुईयां, भाजपा नेता प्रकाश कुमार दास के साथ साथ सैकड़ों लोगों की उमड़ा भीड़। कार्यक्रम में पहुंचे हुए लोगों ने पारो देवी के तस्वीर पर पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मृतक के परिजनों को ढाढस बंधाए। बताते चले कि 84 वर्षीय पारो देवी के आकस्मिक निधन पिछले 26 मई को हो गयी थी। इस मौके पर मृतक के पुत्र करूं रविदास, दुलार रविदास, मंगल रविदास, ननकु रविदास और मयूरहंड प्रखंड के अध्यक्ष सुमन दास, प्रखंड संरक्षक रामजीवन राम, गांव के मालिक लाटो रविदास, समाजसेवी संतोष कुमार दास, गंन्दोरी रविदास, राजदेव रविदास, गांव के छड़ीदार मुंशी रविदास, गोवर्धन रविदास, द्वारिका रविदास, अर्जुन रविदास, प्यारी रविदास, शत्रुध्न रविदास, विजय, ढालों, सुरेंद्र, बसंत, रंजन दास, सुभाष कुमार दास, दुलार रविदास, बसंत कुमार, सुरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, रंजन कुमार, अशोक कुमार, योगेन्द्र कुमार, राजा कुमार, सुमित कुमार, विशाल कुमार ऋषि कुमार, सुबास कुमार, रंजीत रविदास, सुजीत रविदास, ढालो रविदास, शत्रुधन रविदास, बैजनाथ रविदास, आनंद कुमार, शन्नी कुमार, राहुल कुमार सैकड़ों उनको चाहने वाले मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मगध में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीसीएल के मगध संघमित्रा परियोजना कार्यालय और महाप्रबंधक कार्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।प्लास्टिक प्रदूषण को हराने के विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों,छात्रों और स्थानीय समुदायों के बीच प्लास्टिक कचरे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचना एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान प्रमुख तालाब में सफाई अभियान चलाया गया. जिससे लोगों के बीच स्वच्छता और जिम्मेदार पर्यावरणीय व्यवहार को बढ़ावा मिल सके। इस पहल ने प्राकृतिक जल निकायों और उनके आसपास के वातावरण को प्लास्टिक और अन्य प्रदूषकों से मुक्त रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। समुदाय को और अधिक जोड़ने के लिए पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण के विषय पर केंद्रित निबंध लेखन,चित्रकला और नारा प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।स्थानीय ग्रामीणों और मगध-संघमित्रा क्षेत्र के कर्मचारियों के बच्चों ने उल्लेखनीय रचनात्मकता का प्रदर्शन किया और अपनी भागीदारी के माध्यम से बेहतरीन विचार प्रस्तुत किए।इन गणमान्यों ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने में सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। अपने संदेश में परियोजना अधिकारी एस सत्यनारायण ने बच्चों के योगदान की प्रशंसा की और जोर दिया कि एक स्थायी भविष्य के निर्माण में युवा पीढ़ी को शामिल करना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रगतिशील आंदोलन को दर्शाते हैं और उन्होंने पर्यावरण दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।सभा को संबोधित करते हुए एसओ (एल एंड आर) राजीव कुमार सिन्हा ने पर्यावरण, विशेष रूप से मिट्टी को प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों से बचाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।
उन्होंने बताया कि पतला प्लास्टिक (40 माइक्रोन से कम) विशेष रूप से खतरनाक है क्योंकि इसे जलाने पर सीओ और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। उन्होंने बच्चों से घर और अपने समुदायों में प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रोत्साहित करके उदाहरण पेश करने का आह्वान किया. कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी एस सत्यनारायण, कोलियरी प्रबंधक राकेश कुमार, एसओ (पी एंड पी) राजीव कुमार सिन्हा,परिवहन अधिकारी चंदन चट्टराज,एसओ (आर एंड आर) शंभू कुमार,पर्यावरण अधिकारी जितेंद्र कुमार और अमरजीत कुमार सहित कई प्रमुख अधिकारी शामिल रहे।

हेसातु में पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय हेसातु द्वारा पौधारोपण किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) प्रखंड क्षेत्र के ग्राम हेसातु में पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय हेसातु टंडवा, में पूर्ववर्ती छात्र संघ हेसातु के द्वारा पर्यावरण संरक्षण में विद्यालय के इको क्लब की सराहनीय कार्य से प्रभावित होकर और इस कार्य को प्रोत्साहित करने और संवर्धन हेतु पौधा रोपण में गड्ढे की खुदाई कार्य को सरल और सहज बनाने के लिए बलवान कम्पनी का 63CC का पेट्रोल चालित अर्थ ओगर मशीन और उसका बीट सप्रेम भेंट की। तत्पश्चात् पूर्ववर्ती छात्र संघ के उपस्थित सदस्यों ने शिक्षक बिनेश्वर कुमार को मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया और सबों ने विद्यालय परिवार के साथ मिलकर इस पुनीत अवसर पर पौधा रोपण भी किया और जन जागरूकता हेतु रैली का आयोजन किया गया। इस पहल हेतु पूर्ववर्ती छात्रों में पुलिस अवर निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह एवं सुमन कुमार सिंह, शिक्षक अजित कुमार सिंह, योगेन्द्र साव, संजय कुमार वर्मा, गृह रक्षा वाहिनी के सिपाही शेखर वर्मा और सत्यम कुमार सिंह तथा अन्य व्यवसायों से जुड़े रंजीत कुमार सिंह, प्रदीप साव ने महत्व भूमिका निभाई। वही शिक्षक बिनेश्वर कुमार समस्त विद्यालय परिवार की ओर से इन्हें पर्यावरण संरक्षण में संवर्धन हेतु इस महती सहयोग के लिए दिल से आभार किया। धरती माता करे पुकार। हरा भरा कर दो संसार। हम सबने ठाना है।

पलामू जैसे राजनीतिक रेगिस्तान में संगठन का फूल खिलाएया बिट्टू पाठक ने- श्याम नारायण सिंह

आज पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के जन्मदिन उत्सव सह जिला अध्यक्ष बनने के 7 साल पूरा होने के अवसर पर आज पर्यावरण दिवस भी है इस दिवस पर 101 पौधा लगाकर जन्म दिवस को यादगार बनाया गया। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के सभागार में कार्यक्रम के अवसर पर श्याम नारायण सिंह शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कांग्रेस पार्टी का बागडोर वैसे समय मिला जब जिले में पार्टी का संगठन बहुत ही कमजोर हो चुका था लेकिन दिन-रात के अथक प्रयास के बाद आज 7 साल बाद पूरा होने पर जब हम लोग यह देखते हैं कि राजनीतिक रूप से और सांगठनिक रूप से पलामू जिला रेगिस्तान बन चुका था लेकिन इस रेगिस्तान में संगठन रूपी फूल खिलने का काम जैस रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने किया है आज इस जन्म दिवस के अवसर पर और इसके साथ ही अध्यक्ष के रूप में 7 साल पूरा होने पर बहुत-बहुत बधाई इसी तरह से आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी श्री सोमेश्वर प्रसाद ने कहा कि जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक संगठन को लगातार धारदार बनाने का काम कर रहे हैं हम सभी लोगों का सहयोग हमेशा बना रहेगा।
कोषाध्यक्ष अजय साहू ने कहा कि जिला अध्यक्ष के रूप में श्री पाठक हमेशा सभी वर्गों का मान सम्मान देने का काम किए हैं और संगठन में सभी का भागीदारी हो यह सुनिश्चित करने का काम किए हैं इस जन्मदिन के अवसर और अध्यक्ष के रूप में 7 साल पूरा होने के अवसर पर आने वाले समय में और संगठन को मजबूती प्रदान करें ऐसा शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।
मौके पर नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह वरिष्ठ कांग्रेसी सोमेश्वर प्रसाद शिक्षा विभाग के अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह विनोद तिवारी नवल किशोर पाठक दीपक लाल ईश्वरी सिंह शमीम अहमद राईन विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुधीर चंद्रवंशी सत्येंद्र सिंह विश्राम दुबे राजेंद्र अग्रवाल जितेंद्र कमलापुरी शैलेश सिंह अवध बिहारी सिंह सच्चिदानंद मिश्रा बबलू सिंह तुलसी पासवान सुधीर सिंह मिठू खान नफीस खान रिजवान खान अरविंद अग्रवाल सुरेश पाठक रंजीत पासवान परवेज आलम खुर्शीद खान मीर खुर्शीद आलम मोहम्मद मुस्ताक आलम हैदर खान ललित सिंह गांधी तिवारी शहजाद अली मनोज चंद्रवंशी गोपाल पासवान छोटू चंद्रवंशी मोहम्मद चांद अमिताभ शर्मा अखिलेश चौधरी गुड्डू खान आसिफ इराकी यादि लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर मुख्य सचिव ने की उच्च स्तरीय बैठक

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो दिवसीय झारखंड दौरे की प्रशासनिक तैयारी जोरों पर है. दो दिवसीय दौरे के क्रम में राष्ट्रपति 10-11 जून को देवघर में बाबा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी.
राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जहां देवघर में तैयारी पुरी की जा रही हैं. वहीं गुरुवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई. जिसमें तैयारियों की समीक्षा की गई. इस बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित राज्य सरकार के कई आला अधिकारी मौजूद रहे.
राष्ट्रपति के देवघर आगमन को यादगार बनाने पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि हर छोटी-बड़ी व्यवस्था को समय रहते चाक चौबंद कर लें. तैयारियों की समीक्षा के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति से लेकर राष्ट्रपति के आने-जाने वाले मार्ग के लैम्प पोस्ट, गैबियन और सड़क स्वच्छता पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया गया.
मुख्य सचिव ने राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक की व्यवस्था तय करते हुए उसकी जवाबदेही संबंधित विभागों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. इस बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा चार आइपीएस अधिकारियों के नेतृत्व में तमाम पुलिसकर्मी संभालेंगे. उसमें आइबी और स्पेशल ब्रांच के अधिकारी भी शामिल रहेंगे वहीं अन्य व्यवस्था की निगरानी बतौर नोडल पदाधिकारी वाणिज्य कर विभाग के सचिव श्री अमिताभ कौशल करेंगे जबकि पब्लिक एड्रेस सिस्टम की जवाबदेही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की होगी.
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने समीक्षा बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के आगमन के दौरान कार्यक्रम स्थल पर मंच की व्यवस्था के प्रारूप, राष्ट्रपति के प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल पदाधिकारी को नामित करना, देवघर एयरपोर्ट, बाबा मंदिर और एम्स, देवघर में आगवानी और विदाई के दौरान उपस्थित रहनेवाले लोगों की सूची पहले से मुहैया होगी.
साथ ही एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट और बुके की व्यवस्था, राष्ट्रीय गान की व्यवस्था, कारकेड की व्यवस्था, आउट राइडर्स की व्यवस्था, फोटोग्राफरों के लिए खुली जीप की व्यवस्था, बैगेज वैन एवं बैगेज कर्मी तथा छाता की व्यवस्था, देवघर एयरपोर्ट से परिसदन, बाबा मंदिर और एम्स तक पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था और मंच से संबोधित करनेवाले महानुभावों की सूची पर विस्तृत चर्चा के बाद जवाबदेही तय की गयी है.

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर लिट्टीपाड़ा प्रखंड में प्रकृति हूल महोत्सव व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि
राजेन्द्र नाथ मुर्मू लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रखंड कार्यालय के प्रांगण में प्रकृति हूल महोत्सव पर शपथ ग्रहण समारोह सह वृक्षारोपण एवं हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार सहित प्रखंड, अंचल एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय और जेएसएलपीएस के कर्मी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।
इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रखंड एवं ग्राम पंचायत के क्षेत्र में प्रोजेक्ट प्राकृति-बेहतर भविष्य की ओर एक कदम अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रारम्भ हो रहे प्रकृति हूल महोत्सव में पौधा लगाने, जल संचयन, प्लास्टिक वर्जित वातावरण एवम नशामुक्ति को लेकर संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और हरित वातावरण को बढ़ावा के उद्देश्य से वृक्षारोपण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी साइमन हेम्ब्रम, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार एवं उपस्थित कर्मियों और पदाधिकारियों द्वारा कई प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की देखभाल नियमित रूप से की जाएगी। इस अवसर पर अनुमण्डल पदाधिकारी साइमन हेम्ब्रम ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है और इस दिशा में हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

एकल अभियान के द्वारा इंद्रबणी गांव मनाया गया गंगा दशहरा एवं पर्यावरण दिवस

शिकारीपाड़ा/दुमका।
गंगा दशहरा एवं पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिकारीपाड़ा प्रखंड के इंद्रबनी गांव में कार्यक्रम के किया गए आयोजन। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकल अभियान के शिकारीपाड़ा संच अध्यक्ष नौनिगोपाल पाल ने की। सबसे पहले गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर इकल अभियान के आचार्यो ने पूजा अर्चना किया, तत् पश्चात विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधा रोपण किया और शपथ लिया कि हमलोग पर्यावरण को बचाएंगे और अधिक से अधिक लोगी की पौधा रोपण के लिए प्रेरित करेंगे और पर्यावरण के बारे में बताएंगे। मौके पर संच प्रमुख संजय पाल, सागर पाल सहित भारी संख्या में एकल अभियान के कार्यकर्ता और आचार्य मौजूद थे।

सोसाइटी फॉर पीपल्स अवारर्नेस शिकारीपाड़ा की और से निकाली गई बाल रैली

शिकारीपाड़ा/दुमका/
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिकारीपाड़ा प्रखंड के सोनाडाप पंचायत अंतर्गत धर्मपुर गांव में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बाल रैली निकाला गया, रैली मे एसएचजी महिला ने भी अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर ग्रामीणों को एक संदेश पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ कटाई बंद हो, अधिक से अधिक पौधा लगाया जाना चाहिए और उसका संरक्षण करना,सिंगल प्लास्टिक उपयोग को बंद करना चाहिए, आदि विषयों को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। सोसाइटी फॉर पीपल्स अवारर्नेस शिकारीपाड़ा (SPAN) एनजीओ जो ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे की सुरक्षा बाल बिभाह मुक्त महिलाए का अधिकार कल्याण हेतु कार्य करती हैं मौके पर राजकुमार मंडल, राकेश साहा आदि मौजूद थे।

प्रशासक , नगर परिषद के देखरेख में नगर परिषद अंतर्गत 16 हाई मास्क लाईट को किया दुरुस्त

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा चौक, बस स्टैंड हाटपाड़ा, अंबेडकर चौक, मालपहाड़ी रोड, हिरण चौक, गांधी चौक, सिंधीपाड़ा, जिदातो मिशन, विवेकानंद चौक, हॉस्पिटल मोड़, रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम, सर्किट हाउस, रानी दिग्गी पार्क, एसकेएम पार्क में खराब पड़े हुए हाई मास्क लाईट को प्रशासक, नगर परिषद श्री अमरेन्द्र कुमार चौधरी की देखरेख में सभी 16 हाई मास्क लाईट को दुरुस्त किया गया। प्रशासक नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि हाई मास्क लाइट खराब रहने से शहरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यहां तक की चौक पर अंधेरा होने के कारण रोड पर बैठे जानवर गाड़ियों के चपेट में भी अक्सर आ जाया करते थे। अब लोगों को काफी सहूलियत होगी।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में लगाया आम का फलदार पौधा

● आने वाली पीढ़ी को बेतहर पर्यावरण देना हम सभी की जवाबदेही और जिम्मेवारी है ● हम सभी को पेड़-पौधों और प्रकृति के अहमियत और जरूरत को समझने की आवश्यकता है ● उपायुक्त के निर्देशानुसार जिला, प्रखण्ड व पंचायत स्तर पर आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से नमामि गंगे कार्यक्रम का होगा आयोजन ● जिले में नमामि गंगे अभियान के तहत नदियों, जलाशयों के संरक्षण और उन्नयन की दिशा में किया जायेगा कार्य

राजा कुमार का रिपोर्ट
जिले में आयोजित नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 05.06.2025 को उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने समाहरणालय परिसर के प्रांगण में आम का फलदार पौधा लगाकर पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत गंगा नदी व उनकी सहायक नदियों की तरह जिले के नदियों की सफाई और संरक्षण को लेकर वृहत स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है, जिससे नदी का संरक्षण और पुनरुद्धार हो सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आज जिला, प्रखण्ड व पंचायत स्तर पर जनजागरूकता के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा, पहाड़, जंगल, जलीय जीव, नदी आदि के संरक्षण में आमजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इस कड़ी में श्रमदान, पौधारोपण, गंगा चौपाल, स्वच्छ गंगा संकल्प, प्रभातफेरी जैसे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा हैं। आगे उपायुक्त ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। ऐसे में आज क्लाईमेट चेंज के कारण गर्मी के तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है, इस वर्ष भी भीषण गर्मी रही है। ऐसे में हम सभी वृक्षारोपन करते हैं तो जलवायु परिवर्तन रोक सकते हैं और तापमान को हमारे अनुकूल बना सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन को रोकन के उद्देश्य से अपने घरों में एक-एक पेड़ अवश्य लगाए- नमन प्रियेश लकड़ा
इसके अलावे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपायुक्त श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने जिलावासियों से आग्रह करते हुए कहा है कि आज के दिन अपने-अपने घरों में एक पेड़ अवश्य लगाए। वर्तमान में हम सबों को मिलकर पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवश्यकता है। विश्व में लगातार बढ़ते प्रदूषण और बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग की चिंताओं के चलते विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत की गई थी। इसे सही मायनों में तभी बल मिलेगा जब हम सभी अपने पर्यावरण के संरक्षण के लिए सामुहिक प्रयास करेंगे। वर्तमान में हमें धरातल पर अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की आवश्यकता है, ताकि जलवायु परिवर्तन को रोका जा सके। आज हम सभी को चाहिए की आने वाली पीढ़ी को बेहतर वातावरण दें। इसके लिए पौधरोपण व पेड़ों को बचाना आवश्यक है। यह तभी संभव होगा, जब लोग जागरूक होंगे। सबकी सहभागिता से ही पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सकता है। छोटे-छोटे प्रयास करने से भी बदलाव आयेगा। इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि अपने घर के साथ-साथ अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करते हुए पेड़-पौधे लगाकर वातावरण को हरा-भरा रखे।
इस दौरान मौके पर नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता, स्थापना उपसमाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, एवं सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी ने फलदार पौधा समाहरणालय परिसर में लगाया। वही मौके पर उपरोक्त के अलावे समाहरणालय परिसर के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

प्रवाह संस्था के द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

शिकारीपाड़ा/दुमका।
प्रवाह संस्था के द्वारा दिनांक 5 जून 2025 को शिकारीपाड़ा प्रखण्ड अंतर्गत कुशबोना, रंगा, कोलाईबाड़ी और मोहलपाहाड़ी गाँव में ÷प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना÷ थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। परियोजना समन्वयक प्रेम कुमार ने बताया कि प्रवाह प्रखण्ड क्षेत्र में बाल संरक्षण हेतु कार्य करती है। आज के बच्चें कल समाज के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। इसलिए बच्चों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से उन्हे भागीदार बनाकर कार्यक्रम किया गया। बच्चों को अत्यधिक प्लास्टिक व प्लास्टिक उत्पाद से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में उन्होंने बताया।

साथ ही उन्हे पेड़-पौधों के संरक्षण व रख-रखाव के उपाय और मानव जीवन सहित समग्र जीव के लिए पेड़-पौधों के उपयोगिता के बारे में बताया गया। शिक्षक पुरुषोत्तम कुमार ने बच्चों के साथ मिलकर अपने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया और संदेश दिया कि विद्यालय की नियमित साफ-सफाई और पौधों को पानी देना हम सब का कर्तव्य है। हमें अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखना चाहिए। गंदगी से कई प्रकार की बीमारियाँ फैलती है इसलिए स्वच्छता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए।
मोहलपहाड़ी पंचायत की मुखिया प्रीशीला सोरेन व उप-मुखिया सुशीला हेमब्रम ने वार्ड सदस्यों के साथ मिलकर पंचायत भवन परिसर में पौधारोपण किया और सभी वार्ड सदस्य से अपील किया कि बच्चों को भागीदार बनाकर अपने-अपने वार्ड क्षेत्र में कमसे कम पाँच-पाँच पेड़ लगाएं। शुद्ध हवा व वातावरण बच्चों का अधिकार है इसलिए उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए हमें सामूहिक प्रयास करना होगा। बच्चों के कल्याण के लिए बच्चों की भागीदारी को बढ़ावा देने से बच्चें अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं।
इस मौके पर विद्यालयों के सैकड़ों बच्चों सहित प्रवाह से करण मुर्मू, मारथा हाँसदा व सुशीला हेमब्रम, शिक्षक सिलवास्टर सोरेन, वीणापाणि, नंदलाल सोरेन एवं ग्रामीण मौजूद थे।

नगर परिषद दुमका तथा नगर पंचायत बासुकीनाथ द्वारा किये जा रहे कार्यो की हुई समीक्षा

● उपायुक्त के निदेश पर पूरे शहर का ड्रोन के माध्यम से किया जाएगा सर्वे

दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में नगर परिषद दुमका तथा नगर पंचायत बासुकीनाथ द्वारा किये जा रहे कार्यो के संबंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में नगर परिषद दुमका द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंन कई आवश्यक निदेश दिए।सिटी मैनेजर को शहर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने का निदेश दिया।कहा साफ सफाई को लेकर शिकायत प्राप्त नहीं हो इसे सुनिश्चित करें।बारिश को ध्यान में रखते हुए पूरे शहर में नियमित रूप से फॉगिंग कराया जाय।साफ सफाई को लेकर उपयोग में लाये जाने वाले सभी जरूरी उपकरण दुरुस्त रहे,इसे सुनिश्चित करें।अगर कोई मशीन खराब अथवा चालू अवस्था मे नहीं है तो उसे अविलंब ठीक करा लें।
शहरी पेयजलापूर्ति में किसी प्रकार कोई कठिनाई हो रही हो तो उसे संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए दूर करने का निदेश दिया ताकि आमजनों को कठिनाई नहीं हो।
इस दौरान उपायुक्त ने नगर परिषद को प्राप्त होने वाले रेवेन्यू एवं राशि के खर्च के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्राप्त की।उन्होंने ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया।यह निर्देश सभी दुकानदारों, व्यापारियों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को ट्रेड लाइसेंस लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए है।कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद दुमका शीतांशु खलखो द्वारा जानकारी दी गयी कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट हेतु निविदा का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।
उपायुक्त ने कहा कि जो भी स्ट्रीट लाइट खराब हैं उन्हें दुरुस्त करें।जानकारी दी गयी कि चरणबद्ध तरीके से खराब स्ट्रीट लाइट को बदलने का कार्य किया जा रहा है।कहा कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से नालियों की साफ सफाई की जाय।नगर परिषद कार्यालय द्वारा नंबर जारी किया जाय ताकि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त नंबर पर संपर्क कर साफ सफाई के संबंध में शिकायत कर सके।
उपायुक्त ने निदेश दिया कि रेवेन्यू कलेक्शन का कार्य लक्ष्य के अनुरूप करें। कहा कि प्रायः शहर के विभिन्न चौक चैराहों पर जाम की स्थिति रहती है जिससे आमजनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसको लेकर आवश्यक कार्य किये जायें।सड़कों से अतिक्रमण को हटाया जाए।
उपायुक्त ने निदेश दिया कि पूरे शहर का ड्रोन के माध्यम से सर्वे किया जाय।ड्रोन के माध्यम से साफ सफाई के साथ साथ ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने एवं अतिक्रमण को हटाने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाय।उन्होंने कहा कि वाहनों के पार्किंग हेतु जगह चिन्हित किये जायें ताकि लोगों को सड़कों पर अपनी वाहन खड़ा करने की आवश्यकता नहीं पड़े। उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद दुमका को शहर को सुसज्जित करने को लेकर भी आवश्यक निदेश दिए।
बैठक में नगर पंचायत बासुकीनाथ के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निदेश दिया कि राजकीय श्रावणी मेला को लेकर सभी व्यवस्था दुरुस्त कर लें।निविदा से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर लें।रुट लाइन का निरीक्षण कर जरूरी कार्य कर लें।पूरे मेला अवधि के दौरान बस स्टैंड में व्यापक साफ सफाई रहे इसे सुनिश्चित करें।सभी खराब पड़े चापानलों की मरम्मती कर लें।उपायुक्त ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान साफ सफाई से किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाय।इस दौरान सभी स्थायी एवं अस्थायी शौचालय के साफ सफाई की जांच हेतु टीम बनाये जो नियमित रूप से शौचालयों की जांच करेंगे।पूरे मेला क्षेत्र की साफ सफाई बेहतर रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाय।

आज देवघर में भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

राजा कुमार की रिपोर्ट
आज देवघर में दरवा नदी के पास स्वच्छ अभियान चलाया गया प्लांटेशन का भी काम हुआ सफाई का भी काम हुआ और शपथ भी ली गई शपथ ये दिलाया गया की हम लोग प्लास्टिक यूज नहीं करेंगे, प्लास्टिक को नदी में नहीं फेंकेंगे पेड़ पौधे भी लगाएंगे हमेशा शहर को साफ सुथरा रखेंगे. नमामि गंगे में सभी को शपथ दिलाया गया शपथ में अपने क्षेत्र के तटिय स्थल को साफ सुथरा रखना,वहां के लोगों को रहने वालों को बताना कचरा प्लास्टिक नहीं डालना सिंगल उसे प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करना हमेशा कपड़े के थैले का प्रयोग करना, अपने घर के गंदे पानी को निपटारा कर लेना सुखा गड्ढा बनवा के रखना, नदी में पूजा समरिया केमिकल बनी भी कोई मूर्तियां विश्वजीत नहीं करना, बची हुई पूजा सामग्री के पौधे के लिए खाद के रूप में प्रयोग करना,

खुले में सोच शौचालय का प्रयोग नहीं करना, आज देवघर नगर निगम से यही शपथ सबको दिलाई गई,
इस प्रोग्राम में देवघर विधायक सुरेश पासवान ने कहा की, इंडिया को साफ रखने के लिए, सब मिल कर सपत लेन गै,साफ कपड़ा पहनना है साफ सुथरा रहना है, जहा गंदा पानी जाएं उनको साफ करना है, प्लास्टिक को कभी नदी में नहीं फेंकना है भारत सरकार का मुहिम है जो दिया हुआ योजना है नमामि गंगे का वो हम सब को करना है, पानी को साफ रखना है जहां भी जाएं साफ-सुथरा का कपड़ा पहन कर जाए और एकदम स्वस्थ और सुंदर भारत जो सोचे हैं वह सभी को मिलकर करना है आज डरवा नदी में जैसे वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम किए हैं सफाई का भी कार्यक्रम किए है, सब जगह ग्रीन झारखंड बनना चाहिए यही हमारा उद्देश्य है,
नगर निगम के नगर आयुक्त रोहित कुमार ने कहा की हम लोग जो करते हैं वह साफ-साफ है वह तो करते ही हैं लेकिन शहर के लोगों को भी अपने घर के आस-पास साफ सफाई रखना चाहिए दूसरे को प्रेरित करना चाहिए हम सब मिल कर करे गै ये कार्य तो सही में अपना शहर साफ दिखेगा और आज शाम को बाबा मंदिर का शिवगंगा घाट पर गंगा आरती भी की जाएगी,
आज जैसे गढ़वा नदी में सफाई अभियान चलाया वृक्षारोपण का कार्य किया वैसे ही आज सभी जगह में किया जाएगा नगर आयुक्त ने कहा,
इस कार्यक्रम में देवघर शिखा विभाग डीईओ विनोद कुमार, देवघर माननीय विधायक सुरेश पासवान, नगर निगम के नगर आयुक्त रोहित कुमार, शैलेश कुमार, सभी सरकारी स्कूल के टीचर और स्कूल के बच्चे एनसीसी के बच्चे और नगर निगम के सफाई कर्मी नगर निगम के पदाधिकारी गण शिक्षा विभाग के पदाधिकारी गण आदि मौजूद थे.

सिविल सर्जन डॉ जुगल किशोर चौधरी के निर्देश पर झारखंड मातु शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह शुभ्राम किया गया

राजा कुमार का रिपोर्ट
सिविल सर्जन डॉ जुगल किशोर चौधरी के निर्देश पर झारखंड मातु शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह (JMSSPM) 2025 के पहले अर्धवार्षिक चक्र का जिला स्तरीय उद्घाटन अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पी के शर्मा जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर संचयन, जिला वी बी डी पदाधिकारी डॉ अभय यादव WHO SMO डॉ धुर्वा महाजन जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ मनीष शेखर डीपीसी प्रवीण सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को विटामिन ए की खुराक खुराक पिलाने का अभियान का प्रारंभ किया गया। 0 से 5 वर्ष बच्चों का स्क्रू स्क्रीनिंग 6 से 59 माह बच्चों को आई.एफ.ए सिरप दी जाएगी। कार्यक्रम में बताया गया कि विटामिन ए की कमी से रतौंधी, आंख में सफेद भाग का सूखापन , कॉर्निया का सूखापन आदि हो सकते हैं। विटामिन ए अर्थवर्षिक चक्र 30 जून तक भी वीएचएसएनडी के दिन आयोजित कार्यक्रम में विटामिन ए की खुराक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पिलाई जाएगी। सहिया, आंगनबाड़ी सेविका एएनएम बच्चों को सत्र स्तर तक लाने के लिए उत्साहित करने के लिए कहा गया ।इस अवसर पर रानी रतम, एएनएम अंशु प्रिया अंजली कुमारी हेमंती कुमारी एएनएम शंकर दयाल कासिम अंसारी सुधांशु शेखर पांडे आदि उपस्थित थे।

भव्य कलश यात्रा के साथ 9 दिवसीय श्री श्री 1008 महारुद्र महायज्ञ की शुरुआत के साथ भव्य मेला का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस/
कृष्णा गोस्वामी
देवघर – चितरा एसपी माइंस चितरा कोलियरी के दुखिया बाबा मंदिर प्रांगण में हो रहे 9 दिवसीय श्री श्री 1008 महारुद्र महायज्ञ की शुरुआत गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा के साथ की गई । अहले सुबह चितरा कोलियरी के आसपास के हजारों की संख्या में महिलाओं और बच्चियों के द्वारा

दुखिया बाबा मंदिर प्रांगण से कलश उठाया गया । घिया पोखरा में विधि विधान से पंडितों द्वारा जल पूजन, भूमि पूजन और जीव मातृका पूजन कर महिलाओं और कन्याओं ने कलश में जल भरा । घिया पोखरा से निकलते हुए ऊपर चितरा , अतिथि शाला ,न्यू कॉलोनी, अंबेडकर चौक, तिवारी चौक, गांधी चौक, दुर्गा मंदिर होते हुए यज्ञ मंडप पर पहुंचे। कलश यात्रा में आकर्षक बाजा, रंग दल आकर्षण का केंद्र रही । जिसमें दर्जनों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं के राम धुन पर झूमने की कला लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस दौरान चितरा सहित आसपास के क्षेत्र का माहौल भक्ति मय हो गया। इस संबंध में यज्ञ समिति चितरा कोलियरी ट्रस्ट के अध्यक्ष विवेकानंद देव ने बताया कि पिछले 44 वर्षों से महायज्ञ का आयोजन होता रहा है। साथ ही 9 दिवसीय महायज्ञ के दौरान भव्य मेला भी लगाया जाता है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु पूजा पाठ और मेला घूमने आते हैं। साथ ही मुख्य पंडाल में देश के कोने-कोने से साधु संत, महात्मा, कथावाचक, भजन गायक - गायिका अपने कार्यक्रमों की प्रस्तुति करते हैं।

धारावी योजनाः पुनर्विकास या लैंड लूट!

>> विचार

> मास्टर प्लान के अनुसार, पुनर्विकास के बाद धारावी की आबादी 10 लाख से घटकर 4.9 लाख रह जाएगी। यानी, आधी आबादी को मुंबई के बाहरी इलाकों, जैसे प्रदूषित देवनार डंपिंग ग्राउंड, में बसाया जा सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। विपक्ष का आरोप है कि अडानी समूह को ठेका देने में सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। 2018 में, दुबई की सेक्लिंक टेक्नोलॉजीज ने 7,200 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, लेकिन 2020 में कोविड का हवाला देकर टेंडर रद्द कर दिया गया। 2022 में, नई शर्तों के साथ टेंडर निकाला गया, जिसमें अडानी ने 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल किया। यानी, सरकार को 2,131 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान हुआ।

पंकज श्रीवास्तव

क्या धारावी पुनर्विकास योजना वास्तव में झुग्गीवासियों के लिए एक नया भविष्य है, या फिर यह बड़े उद्योगपतियों की ज़मीन हथियाने की चाल? जानिए इस बहुचर्चित परियोजना के पीछे का सच। धारावी आजकल एक बार फिर सुर्खियों में है। यह मुंबई का वह इलाका है जिसे दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती के रूप में जाना जाता है। वजह है पुनर्विकास योजना जिसे लेकर तमाम सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि पुनर्विकास के नाम पर सरकार अपने चहेते पूँजीपति गौतम अड़ानी पर बेशक़ीमती ज़मीन लुटा रही है। साथ ही, इससे लाखों लोगों का भविष्य ख़तरे में पड़ जाएगा जो दशकों से यहाँ रहते हैं।

धारावी का इतिहास: धारावी सिर्फ एक स्लम नहीं, बल्कि एक जीवंत आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र है। सन 1800 के आसपास यह एक दलदली इलाका भर था, जहाँ मछुआरे और कारीगर बसने लगे थे। सौ साल बाद जब मुंबई का विस्तार गति पकड़ रहा था तो कुम्हार, चमड़ा कारीगर, और छोटे व्यापारी यहाँ बसने लगे। आज धारावी में 8 से 10 लाख लोग 240-259 हेक्टेयर (लगभग 600 एकड़) में रहते हैं। यहाँ की अर्थव्यवस्था भी अनोखी है। धारावी में चमड़े, कपड़े, मिट्टी के बर्तन, और रिसाइक्लिंग जैसे उद्योग हर साल लगभग 1 अरब डॉलर (8,000 करोड़ रुपये) का कारोबार करते हैं। 6,000 से ज्यादा छोटी-मझोली इकाइयां और 13,000 छोटे बिजनेस यहाँ चलते हैं। इसे मिनी इंडिया कहा जाता है, क्योंकि यहाँ गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे कई राज्यों के लोग एकजुट होकर रहते हैं। धारावी की वैश्विक पहचान 2008 में रिलीज हुई फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर से बनी, जिसे डैनी बॉयल ने निर्देशित किया। इस फिल्म ने धारावी की जिंदगी को बखूबी दिखाया और 8 ऑस्कर अवॉर्ड जीते, जिसमें ए.आर. रहमान को जय हो गीत के लिए ऑस्कर मिला। 1992 में सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म धारावी रिलीज़ हुई थी जिसने इस बस्ती की कहानी को पर्दे पर उतारा था। इस फिल्म में शबाना आज़मी और ओम पुरी की मुख्य भूमिकाएँ थीं, और इसे सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय ने 28 मई 2025 को घोषणा की कि धारावी मास्टर प्लान को स्वीकार कर लिया गया है। इस परियोजना का कुल अधिसूचित क्षेत्र 251.24 हेक्टेयर है, जिसमें 108.99 हेक्टेयर पुनर्विकास के लिए और शेष बुनियादी ढाँचे व सार्वजनिक सेवाओं के लिए है। इसमें 58,532 आवासीय इकाइयाँ और 13,468 वाणिज्यिक व औद्योगिक इकाइयाँ बनेंगी। 2022 में, अडानी समूह ने 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाकर यह प्रोजेक्ट हासिल किया। यह परियोजना नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत चल रही है, जिसमें अडानी की 80% और महाराष्ट्र सरकार की 20% हिस्सेदारी है। योजना के तहत, 1 जनवरी 2000 से पहले धारावी में रहने वालों को 350 वर्ग फुट के मुफ्त फ्लैट मिलेंगे। लेकिन 2000 के बाद आए लोगों और ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले 1.5-2 लाख किरायेदारों को पुनर्वास से बाहर रखा गया है, जिसका मतलब है कि उन्हें उजाड़ा जा सकता है। मास्टर प्लान के अनुसार, पुनर्विकास के बाद धारावी की आबादी 10 लाख से घटकर 4.9 लाख रह जाएगी। यानी, आधी आबादी को मुंबई के बाहरी इलाकों, जैसे प्रदूषित देवनार डंपिंग ग्राउंड, में बसाया जा सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। विपक्ष का आरोप है कि अडानी समूह को ठेका देने में सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। 2018 में, दुबई की सेक्लिंक टेक्नोलॉजीज ने 7,200 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, लेकिन 2020 में कोविड का हवाला देकर टेंडर रद्द कर दिया गया। 2022 में, नई शर्तों के साथ टेंडर निकाला गया, जिसमें अडानी ने 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल किया। यानी, सरकार को 2,131 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान हुआ। सेक्लिंक ने इसे बॉम्बे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन दोनों ने अडानी के पक्ष में फैसला दिया। विपक्ष का कहना है कि टेंडर की शर्तें अडानी के लिए "टेलर-मेड" थीं। इसके अलावा, अडानी ने जीएसटी, सीढ़ियों, और खुले स्थान के नियमों में छूट माँगी है। 255 एकड़ नमक की भूमि और देवनार डंपिंग ग्राउंड जैसी जगहें मुफ्त में दी गई हैं। शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे का दावा है कि अडानी को 540 एकड़ धारावी की जमीन और 600 एकड़ अतिरिक्त जमीन मुफ्त में दी जा रही है। सभी बिल्डरों को पहले 40% ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट अडानी से खरीदने का नियम बनाया गया है, जिसे विपक्ष "टीडीआर घोटाला" बता रहा है। विपक्षी दल इस प्रोजेक्ट को "लैंड ग्रैब" बता रहे हैं। शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने कहा, "हम मुंबई को अडानी सिटी नहीं बनने देंगे। कांग्रेस की नेता वर्षा गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि लाखों लोगों को धारावी से जबरन उजाड़ा जाएगा, और बदले में अडानी को 14 करोड़ वर्ग फीट निर्माण योग्य क्षेत्र मिलेगा, जो धारावी के कुल क्षेत्रफल से छह गुना ज्यादा है। हाल ही में, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी धारावी का दौरा किया और निवासियों के हक की बात उठाई। धारावी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से सिर्फ 5.5 किलोमीटर दूर है, जो मुंबई का व्यावसायिक केंद्र है। निवासियों को डर है कि धारावी को बीकेसी का हिस्सा बनाने के लिए उन्हें मुंबई के बाहरी इलाकों में भेजा जाएगा। धारावी का पुनर्विकास एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जो लाखों लोगों की जिंदगी बदल सकता है। लेकिन सवाल यह है कि यह बदलाव किसके लिए है? क्या लाखों किरायेदारों को उजाड़कर धारावी की आत्मा को नुकसान नहीं पहुँचेगा? क्या यह पुनर्विकास मुंबई के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को प्रभावित करेगा? मुंबई बीएमसी चुनावों में देरी को देखते हुए, यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी गर्म है। धारावी के निवासियों का भविष्य अधर में लटका है, और यह सवाल अनुत्तरित है कि क्या यह वाकई विकास है, या बेशकीमती शहरी जमीन की लूट की साजिश।

संपादकीय

सतर्क रहने की जरूरत

अतीत के सबक, खासतौर पर कोविड-19 के तीन सालों के दौरान मिली सीख, एक अच्छे मार्गदर्शक साबित हो सकते हैं। देश के कोविड-19 डैशबोर्ड में हाल के हफ़्तों में कुछ गतिविधि देखी गई है और कोविड के मामलों की कुल संख्या (जनवरी 2025 से) वर्तमान में 3961 (2 जून, सुबह 8 बजे तक) है और मौतों की संख्या 32 दर्ज की गई है। भले ही हजारों की यह संख्या थोड़ी चिंताजनक लग रही है, फिर भी 1.4 अरब से ज्यादा की आबादी वाले इस देश में यह संख्या काफी कम है। पूरी तस्वीर पर एक नज़र डालना भी महत्वपूर्ण है। सभी राज्यों में कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव पाए जाने वाले लोगों की तादाद में दिन-प्रतिदिन इजाफा नहीं हुआ है और तमाम बढ़ोतरी अभी भी इकाई या कम दहाई अंकों में ही सीमित है। इसके अलावा, अबतक 2,188 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। यह ठीक उसी बात को रेखांकित करता है, जो विशेषज्ञ इस साल बीमारी के वक्रके बढ़ने के साथ कह रहे हैं: कि अब संक्रमण पैदा करने वाले वेरिएंट ओमिक्रॉन के सबवेरिएंट हैं और ये न तो ज्यादा संक्रामक हैं और न ही अतीत के मुकाबले ज्यादा गंभीर बीमारी का सबब बनते हैं। भले ही घबराहट और चिंता फिजूल हो, फिर भी सावधानी और एहतियाती रवैया अपनाना जायज है। खासतौर पर, उन लोगों के मामले में जो निहायत ही कमजोर और सह-रुग्णता के शिकार हैं। महामारी से हासिल अनुभव यह है कि पहले से अन्य सह-रुग्णताओं के शिकार लोग कोविड-19 के संक्रमण से असंगत तरीके से प्रभावित होते हैं। आम सह-रुग्णताओं में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, मोटापा, गुर्दे की बीमारियां तथा बढ़ती उम्र (60 साल के बाद) शामिल हैं। इन स्थितियों से पीड़ित लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना शुरू करना चाहिए और नियमित रूप से हाथ धोना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि महामारी से हाल ही में हासिल प्रतिरक्षा अच्छी साबित होगी, लेकिन फिर भी, खासकर कमजोर लोगों को बूस्टर या टीके देने सहित संभावित सावधानियां बरतनी होंगी। यही वह बिंदु है जहां सरकार को कदम उठाना चाहिए, क्योंकि देश के अधिकांश हिस्सों में, यहां तक कि शहरी केंद्रों में भी कोविड के टीके या बूस्टर उपलब्ध नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन महामारी समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले भारत को सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि टीकों एवं नैदानिक किटों का भंडार बनाया जाए और उन्हें पूरे देश में वितरित किया जाए। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र के अस्पतालों को यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वास्थ्य।

जीत की जश्न के जख्म

प्रमोद भार्गव

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत की जष्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 क्रिकेट प्रेमियों की मौत हो गई, 33 लोग घायल हुए हैं। चूंकि आरसीबी ने 18 साल बाद बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए इस महानगर के क्रिकेट प्रेमी खिलाड़ियों को समीप से देखने की प्रबल इच्छा के चलते स्टेडियम की ओर दौड़ पड़े। अनुमान है कि करीब 3 लाख लोग इकट्ठे हुए, यह अनुमान प्रषासन से लेकर बीसीसीआई तक को भी नहीं था। लोग समझ रहे थे कि खिलाड़ी खुली जीप में स्टेडियम से बाहर एक जुलूस के रूप में सड़क पर निकलेंगे और प्रषंसकों का स्नेह अभिवादन नेताओं की तरह स्वीकार करेंगे। लेकिन इस खेल हादसे से जुड़ा दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह रहा कि खिलाड़ी और बीसीसीआई के प्रषासनिक अधिकारी खेल प्रषाल के भीतर जष्न मनाते रहे और बाहर तमाषबीनों की बेकाबू भीड़ ने जष्न को मातम में बदल दिया। इस हादसे में प्रभावित लोगों के जख्म लंबे समय तक हरे बने रहेंगे। भीड़ से जुड़े ऐसे हादसे अकसर बड़े धार्मिक मेलों, सत्संग और अनुश्ठानों के समय देखने में आते हैं। षायद यह पहला अवसर है जब क्रिकेट प्रेमी इतनी बड़ी संख्या में उमड़े कि वे पुलिस नियंत्रण से बाहर होते चले गए और हादसा घट गया। बीसीसीआई ने आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ के लिए सुरक्षा संबंधी उपायों में चूक मानी है। आरसीबी टीम प्रबंधन ने कहा है कि क्रिकेट प्रेमी के भावनाओं के साथ हमदर्दी रखनी चाहिए। वास्तविकता तो यह है कि यह लोकप्रियता का नकारात्मक पहलू है। प्रबंधक और प्रशासनिक अधिकारियों को सुरक्षा की बेहतर योजना बनाने की जरूरत थी। मीडिया भी आजकल क्रिकेट को कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में लगा है। इसमें उसका टीआरपी का स्वाद निहित है। दूसरी तरफ बीसीसीआई आईपीएल खेलों के आयोजन से मोटी कमाई तो करती है, लेकिन दर्षकों को सुविधा देने से उसका कोई सीधा वास्ता नहीं होता है। खिलाड़ी भी जो टीम ऊंची बोली लगाने वाली टीम का हिस्सा बनते हैं। इसलिए उनकी टीम की जीत के प्रति तो जबावदेही बनती है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के प्रति कभी कोई प्रतिबद्धता दिखाई हो ऐसा कभी देखने में नहीं आया है। दरअसल जो खिलाड़ी खुद को टीम के लिए नीलाम कर दें, वे जनता के प्रति उदार कैसे हो सकते हैं? फिल्मी कलाकारों की तरह इन खिलाड़ियों ने भी अपने जीवन को ग्लेमर में बदलकर प्रषंसकों से लगभग दूरी बना ली है। इस खेल हादसे के बाद खिलाड़ियों का यही नजरिया देखने में आया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड होने को तो विष्व का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है। 2024 में पीटीआई के खबर के मुताबिक बीसीसीआई की कुल संपत्ति करीब 20 हजार 686 करोड़ रुपए हैं। इसमें धन का प्रवाह इतना है कि जब आरसीए के अध्यक्ष ललित मोदी पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप बीसीसीआई ने लगाए तो वे देष ही छोड़ गए और विदेष में वैभवशाली जीवन जी रहे हैं। हादसों और घोटालों के बावजूद जनता पर क्रिकेट का जादू इसलिए छाया है, क्योंकि मीडिया इसे हवा देने का काम करता है। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्षन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रषासन कोई सबक नहीं ले पाया है। इस साल प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले में भीड़ प्रबंधन के अनेक उपाय किए गए थे, बावजूद हादसे हुए और दर्जनों लोग बेमौत मारे गए। जबकि धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम षालीनता और आत्मानुषासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अकसर देखने में नहीं आती? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेष बेकाबू ही नहीं हुए होते? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते है। अब क्रिकेट जैसे खेल में भी हादसे की शुरुआत कुप्रबंधन के चलते देखने में आ गई है। भविष्य में ऐसे हादसे की पुनरावृत्ति न हो कहना मुश्किल है। दरअसल हमारे यहां प्रशासन अकसर न तो पिछली घटना का ठीक से समीक्षा करता है और न ही सबक लेता है। अतएव कुंभ हो या अन्य मेले और अब खेल मैदान, इनमें अनायास जितनी भीड़ पहुंचती है और उसके प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत होती है, उसकी दूसरे देषों के लोग कल्पना भी नहीं कर सकते? इसलिए हमारे यहां भीड़ प्रबंधन की सीख हम विदेषी साहित्य और प्रषिक्षण से नहीं ले सकते? क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देष में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त्त के समय लाखों-करोडों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बेंगलुरु में भी यह उम्मीद किसी को नहीं थी कि आरसीबी यदि 18 साल बाद आईपीएल जीतती है तो एकाएक खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए इतनी भीड़ एकाएक उमर पड़ेगी। बावजूद हमारे नौकरषाह भीड़ प्रबंधन का प्रषिक्षण, लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देषज ज्ञान और अनुभव से सीखने होंगे। धार्मिक और खेल स्थलों पर भीड़ बढ़ाने का काम मीडिया भी कर रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया भी टीआरपी के लालच में अहम् भूमिका निभाता नजर आता है। हमारे यहां प्रत्येक छोटे बड़े मंदिर के दर्शन को चमात्कारिक लाभ से जोड़कर देष के भोले-भाले भक्तगणों से एक तरह का छल मीडिया कर रहा है। इसी तर्ज पर मीडिया क्रिकेट और क्रिकेट खिलाड़ियों का कुछ ऐसा सम्मोहक प्रस्तुतिकरण करता है कि यदि यह प्रतिस्पर्धात्मक खेल नहीं देखा तो विष्व के अनूठे आष्चर्य को देखने से वंचित रह जाएंगे। मीडिया का यही नाट्य रूपांतरण और अलौकिक कलावाद व्यक्ति को निष्क्रिय व अंधविश्वासी बना रहा है। यही भावना मानवीय मसलों को यथास्थिति में बनाए रखने का काम करती है और हम भाग्य आधारित अवधारणा को भाग्य और प्रतिफल व नियति का कारक मानने लग जाते हैं। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है, लेकिन निजी लाभ का लालची मीडिया, लोगों को व्यर्थ की चीजों के प्रति जुनूनी बना रहा है। राजनेता और धर्म की आंतरिक आध्यात्मिकता से अज्ञान बुद्धिजीवी भी धर्म के छद्म का शिकार होते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि अब लोग मोबाइल के लती होते जा रहे हैं। यह नशा युवाओं की बुद्धि को कुंद कर रहा है और हमारी सरकारें व राजनेता ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मोबाइल और लैपटॉप इनाम में दे रहे हैं।

डिजिटल क्रांतिः विचार अब प्रदर्शन नहीं, प्रस्तुतियां बन गए हैं

प्रो. आरके जैन

आज का भारत एक ऐसी धरती है, जहां क्रांति का रंग बदल चुका है। पहले जहां सड़कों पर नारे, धरने और अनशन व्यवस्था को चुनौती देते थे, वहीं अब स्मार्टफोन की स्क्रीन पर रील्स ने वह जगह ले ली है। एक मिनट की वीडियो, जिसमें हल्का-सा मज़ाक, थोड़ा-सा गुस्सा और ढेर सारा ड्रामा हो, लाखों लोगों तक पहुँचकर तहलका मचा देती है। सोशल मीडिया, खासकर रील्स, ने हर किसी को अपनी बात कहने का मंच दे दिया है। लेकिन इसी मंच ने एक अजीब-सी विडंबना को जन्म दिया है- रील्स से क्रांति ट्रेंड करती है, मगर रीयल में सवाल उठाने वाले को जेल की सैर करनी पड़ती है। यह विरोधाभास हमारे समाज, हमारी व्यवस्था और हमारे समय की सच्चाई को उजागर करता है। सोशल मीडिया ने क्रांति को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब न तो किसी बड़े संगठन की ज़रूरत है, न विचारधारा की गहरी समझ की, और न ही लंबे भाषणों की। बस एक स्मार्टफोन, थोड़ा-सा अभिनय और एक ट्रेंडिंग ऑडियो ही काफी है। एक नौजवान, जो कभी मंचों तक नहीं पहुँच पाता था, आज अपनी रील्स के ज़रिए लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। शिक्षा, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा या सामाजिक अन्याय जैसे गंभीर मुद्दों को वह मज़ेदार डायलॉग, इमोशनल बैकग्राउंड म्यूज़िक और कैची कैप्शन के साथ पेश करता है। नतीजा? उसकी बात वायरल होती है, लोग तारीफ करते हैं, और वह रातोंरात स्टार बन जाता है। लेकिन यही बात अगर कोई सड़क पर उतरकर, पोस्टर लेकर या नारे लगाकर कहे, तो उसे पुलिस का डंडा, एफआईआर, या जेल का रास्ता दिखाया जाता है। आंकड़े इस विडंबना को और स्पष्ट करते हैं- 2023 में भारत में विभिन्न विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 3,000 लोग गिरफ्तार किए गए, जिनमें से कई शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी थे (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो, 2023)। दूसरी ओर, उसी साल इंस्टाग्राम पर सामाजिक मुद्दों से जुड़ी रील्स को अरबों बार देखा गया, और उनमें से ज़्यादातर बिना किसी कानूनी कार्रवाई के ट्रेंड करती रहीं। यह अंतर सिर्फ़ माध्यम का नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता का भी है। रील्स में मुद्दों को "पैकेज" किया जाता है। एक मिनट की क्लिप में हल्का-सा हास्य, थोड़ा-सा गुस्सा और ढेर सारी नाटकीयता डालकर उसे मनोरंजन का रूप दे दिया जाता है। लोग उसे देखते हैं, लाइक करते हैं, शेयर करते हैं, और फिर भूल जाते हैं। लेकिन जब वही मुद्दा सड़क पर, संसद के सामने या किसी धरने में उठाया जाता है, तो वह व्यवस्था के लिए खतरा बन जाता है। सवाल उठाने वाले को देशद्रोही, अराजकतावादी, या किसी विचारधारा का एजेंट करार दे दिया जाता है। उदाहरण के लिए, 2020-21 के किसान

आंदोलन में लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन उनकी आवाज़ को दबाने के लिए न केवल बल प्रयोग किया गया, बल्कि 700 से ज़्यादा किसानों की जान गई (इंडियन एक्सप्रेस, 2021)। वहीं, सोशल मीडिया पर किसानों के समर्थन में बनी रील्स को करोड़ों व्यूज़ मिले, और उनके क्रिएटर्स को ब्रांड डील्स तक ऑफर हुए। यहाँ सवाल यह है कि क्या रील्स वास्तव में क्रांति ला रही हैं, या सिर्फ़ मनोरंजन का नया रूप बन रही हैं? रील्स की ताकत को नज़रअंदाज़ करना असंभव है। इसने हर आम इंसान को अपनी आवाज़ बुलंद करने का मंच दिया। 2024 तक भारत में इंस्टाग्राम के 50 करोड़ से अधिक यूज़र्स थे, जिनमें 70% से ज़्यादा 18-34 आयु वर्ग के युवा थे (स्टेटिस्टा, 2024)। इन युवाओं ने रील्स को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का ज़ोरदार हथियार बनाया। चाहे सामाजिक न्याय की माँग हो, वैश्विक आंदोलनों का भारतीय स्वरूप हो, या स्थानीय मुद्दों पर जागरूकता-रील्स ने हर आवाज़ को दुनिया तक पहुँचाया। मगर यही ताकत इसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी भी है। जब गंभीर मुद्दे स्क्रिप्टेड ड्रामे में बदल जाते हैं, तो उनका असली मकसद फीका पड़ जाता है। रील्स में दिखने वाला गुस्सा या दर्द अक्सर सतही होता है, जो लाइक्स और शेयर्स की चमक तक सीमित रहता है। सच्चा बदलाव चाहिए तो जोखिम, मेहनत और समर्पण चाहिए, जो रील्स की चकाचौंध में कहीं खो जाता है। दूसरी ओर, जो लोग ज़मीन पर संघर्ष करते हैं- चाहे वह किसान हों, दलित अधिकारों के लिए लड़ने वाले कार्यकर्ता हों, या आदिवासी अपनी ज़मीन बचाने की जंग लड़ रहे हों-उन्हें सत्ता की सख्ती का सामना करना पड़ता है। 2022 में, भारत में 1,000 से ज़्यादा मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों पर गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामले दर्ज किए गए (ह्यूमन राइट्स वॉच, 2023)। इनमें से कई लोग केवल इसलिए निशाने पर आए क्योंकि उन्होंने व्यवस्था से सवाल पूछे। यह विडंबना है कि जहाँ एक रील क्रिएटर अपनी बात को मज़ाक में लपेटकर बिना डर के लाखों तक पहुँचाता है, वहीं एक कार्यकर्ता को वही बात कहने के लिए जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ता है। यह कहना गलत नहीं कि रील्स ने लोकतंत्र को "वायरल" बना दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इसने क्रांति को सतही कर दिया है। आज की क्रांति का मापदंड व्यूज़, लाइक्स और फॉलोअर्स बन गए हैं। एक रील की सफलता इस बात से तय होती है कि उसने कितने लोगों को हँसाया, रुलाया या चौंकाया। लेकिन असल क्रांति का रास्ता इतना आसान नहीं। वह सड़कों पर, कोर्टरूम में, और कभी-कभी जेल की दीवारों के बीच से होकर गुज़रता है। इतिहास गवाह है कि तिलक, गाँधी, या भगत सिंह ने अपनी लड़ाई सड़कों पर लड़ी, न कि किसी स्क्रीन पर। उनकी क्रांति में खून, पसीना और बलिदान था, न कि ट्रेंडिंग ऑडियो और फिल्टर्स। फिर भी, यह कहना गलत होगा कि रील्स का कोई योगदान नहीं। इसने उन आवाज़ों को मंच दिया है, जो पहले दबा दी जाती थीं। लेकिन हमें यह समझना होगा कि रील्स बदलाव का पहला कदम हो सकती हैं, आखिरी नहीं। जब तक हम स्क्रीन से सड़क तक का सफर तय नहीं करते, तब तक क्रांति अधूरी रहेगी। क्योंकि सच्चा बदलाव तब आता है, जब लोग न केवल लाइक और शेयर करें, बल्कि सवाल पूछें, जवाब माँगें और ज़रूरत पड़े तो सड़कों पर उतरें। रील्स से क्रांति की शुरुआत हो सकती है, लेकिन रीयल से ही इतिहास बनता है। डिजिटल युग में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम सच्चाई और मनोरंजन के बीच की महीन रेखा को पहचानें। रील्स, अपने छोटे-से दायरे में, हमें जागरूक करने की ताकत रखती हैं-वे मुद्दों को उजागर करती हैं, भावनाओं को झकझोरती हैं, और लाखों लोगों तक आवाज़ पहुँचाती हैं। मगर यह ताकत तभी सार्थक है, जब हम इसे स्क्रीन की चमक-दमक तक सीमित न रहने दें। सच्चा बदलाव सड़कों पर, समुदायों में, और हमारे ठोस कदमों से आता है। अगर हम केवल रील्स देखकर, लाइक और शेयर करके संतुष्ट हो जाते हैं, तो क्रांति महज़ एक क्षणिक ट्रेंड बनकर रह जाएगी। असली सवाल-न्याय, समानता, और स्वतंत्रता के सवाल-वायरल वीडियो की भीड़ में दब जाएँगे और जेल की दीवारों में कैद होकर रह जाएँगे। बदलाव की शुरुआत स्क्रीन से हो सकती है, लेकिन उसका अंत हमें असल दुनिया में करना होगा, जहाँ जोखिम, मेहनत और समर्पण ही सच्ची क्रांति को जन्म देते हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ बरहरवा मुख्य मार्ग के भीम पड़ा में एक हाईवा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पाकुड़ बरहरवा मुख्य मार्ग के भीम पड़ा में एक हाईवा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसा। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार के जान माल की हानि नहीं हुई है। परन्तु बड़ा हादसा होते होते टला है। बताते चले कि यह सड़क संकीर्ण होने के कारण आए दिन दुर्घटना को अपने और आमंत्रित करता है। सड़क निर्माण को लेकर कई बार जनता ने आवाज भी उठाई है परंतु जमीन मालिक ने उचित मुआवजा न मिलने के कारण जमीन देने से इनकार कर दिया है रैयतों ने उचित मुआवजा के लिए न्यायालय में अपना शिकायत दायर किया है। अब देखना यह है कि कब तक इस संकरे सड़क का चौड़ीकरण किया जाता है। क्योंकि इस संकरे सड़क के कारण कई बार बड़ा हादसा भी हुआ है साथ ही हर रोज ट्रैफिक जाम का स्थिति बना रहता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री सुंदरम फाउंडेशन ने अंगुठियां ग्राम में किया वृक्षारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता प्रिंस मिश्रा

बरहरवा/कोटालपोखर। प्रतिवर्ष 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, श्री सुंदरम फाउंडेशन ने ग्राम अंगुठियां में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्यों और ग्रामीणों ने मिलकर पेड़ लगाए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।

इस महत्वपूर्ण दिवस का उद्देश्य हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारियों की याद दिलाना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों को यह संदेश दिया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान जैसी वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने जोर देकर कहा कि हमारी दैनिक आदतें सीधे तौर पर पर्यावरण को प्रभावित करती हैं। उन्होंने सभी से ऊर्जा बचाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने जैसे छोटे-छोटे कदम उठाने का आह्वान किया। इस पहल का लक्ष्य प्रकृति और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्थायी जीवनशैली अपनाना है।

इस अवसर पर तरुण कुमार, पंकज कुमार, रेखा कुमारी सहित दर्जनों ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थीं। सभी ने इस पहल की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। श्री सुंदरम फाउंडेशन का यह प्रयास निश्चित रूप से ग्राम अंगुठियां में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारंभ

- डीसी एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी ने किया वृक्षारोपण, आमजन से पर्यावरण संरक्षण की अपील

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन प्रमंडल, साहिबगंज के तत्वावधान में गंगा विहार पार्क के समीप एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ÷एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत ज़िला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग के द्वारा संयुक्त रूप से वृक्षारोपण कर की गई। कार्यक्रम में डीसी हेमंत सती ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य आमजन को पर्यावरण के प्रति सजग एवं जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से मौसम चक्र में व्यापक असंतुलन उत्पन्न हुआ है, जिसके कारण चक्रवात, सूखा, बाढ़ जैसी आपदाएं लगातार देखने को मिल रही हैं। डीसी ने अपील करते हुए कहा कि हर नागरिक को अपने स्तर से कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, जिससे पर्यावरण संतुलन बना रहे एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण मात्र एक दिन की गतिविधि न होकर, इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, परियोजना निदेशक (आईटीडीए) संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा, एवं जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा भी बरगद, पीपल एवं अन्य छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण किया गया। मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं आमजन को पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने एवं नियमित पौधारोपण की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी गई। वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने बताया कि आने वाले दिनों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा तथा एक पेड़ माँ के नाम पहल को जन-जन से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में वन विभाग, जिला प्रशासन, स्थानीय छात्र-छात्राएं एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता सुनिश्चित करना एवं जागरूकता के माध्यम से हर नागरिक को प्रकृति से जोड़ना रहा।

पाकुड़ के दादपुर में सौर ऊर्जा संयंत्र हेतु भूमि निरीक्षण

विश्व पर्यावरण दिवस पर पाकुड डीसी, एसपी व झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम ने किया पौधारोपण

आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो साहिबगंज
अजय कुमार कुशवाहा

पाकुड़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पाकुड़ जिले के दादपुर पंचायत स्थित मेहंदीपुर गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी तथा झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने भाग लिया। वृक्षारोपण के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने सराय ढेला क्षेत्र में प्रस्तावित सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए संभावित भूमि का निरीक्षण भी किया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना से जिले में बिजली की कमी को दूर करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि बढ़ती ऊर्जा मांग को देखते हुए अब उत्पादन क्षमता को बढ़ाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे भूमि का निरीक्षण कर जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि संयंत्र की स्थापना शीघ्र की जा सके।

पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि एक उन्नत एवं विकसित पाकुड़ के निर्माण हेतु हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए वृक्षारोपण को आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने अपराध नियंत्रण को अपनी पहली प्राथमिकता बताया।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव तनवीर आलम ने कहा कि वनों से प्राप्त ऑक्सीजन हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने हेतु अधिकाधिक वृक्षारोपण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जानकारी दी कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सड़क–जो कुसमा फाटक, मेहंदीपुर, पाली, गगन पहाड़ी होते हुए पश्चिम बंगाल तक जाएगी–की स्वीकृति झारखंड कैबिनेट द्वारा दी गई है। यह पूर्व में आरईओ (Rural Engineering Organisation) सड़क थी, जिसे अब पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) को स्थानांतरित कर दिया गया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने पाकुड़ जिला प्रशासन एवं झारखंड सरकार को बधाई दी।

इस अवसर पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें साहिबगंज जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकत खान, पाकुड़ जिला अध्यक्ष श्री कुमार सरकार, बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मांसारुल हक, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बेलाल शेख, मोहम्मद दिलदार, मोहम्मद शफातउल्ला, हीरालाल साहा, अनंत लाल भगत, पियारुल इस्लाम, नेहाल अख्तर एवं बड़की हेंब्रम प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिससे जनभागीदारी का उत्साह स्पष्ट रूप से परिलक्षित।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राइट गाइड स्कूल का पर्यावरण प्रेम बना मिसाल

अब तक लगाए 1000 से अधिक पौधे 7 फाउंडर एजाज अहमद अंसारी को मिल चुके हैं कई सम्मान

आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो साहिबगंज
अजय कुमार कुशवाहा

केंदुआ (विशेष संवाददाता) पर्यावरण दिवस के अवसर पर जहाँ दुनिया भर में हरियाली बढ़ाने की बातें हो रही हैं, वहीं केंदुआ का एक स्कूल - Right Guide School - इस दिशा में वर्षों से काम कर रहा है। अब तक 1000 से अधिक पौधे लगाकर इस स्कूल ने पर्यावरण संरक्षण की एक ज़बरदस्त मिसाल पेश की है।

इस पूरे अभियान की अगुवाई स्कूल के डायरेक्टर और फाउंडर एजाज अहमद अंसारी ने की, जिन्हें उनके इस कार्य के लिए कई विद्यालयों एवं संगठनों द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। एजाज साहब का मानना है कि जब तक हम पेड़ नहीं बचाएंगे, तब तक अगली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य नहीं दे पाएंगे।

इस नेक पहल में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं की भी अहम भूमिका रही। एजाज अहमद, तौफिक उमर, जोया नाज़, रुखसार परवीन, जहां आरा खातून, और रोज़ाना खातून ने बच्चों के साथ मिलकर पौधे लगाए और उन्हें हरियाली का महत्व समझाया। गांव के सम्मानित नागरिक इसराफिल अंसारी, हन्नान अंसारी और हैदर भाई ने भी स्कूल की इस कोशिश की तहे दिल से सराहना की और कहा कि ऐसे स्कूल समाज को न सिर्फ तालीम देते हैं, बल्कि जिम्मेदारी का अहसास भी कराते हैं।

कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर एजाज अहमद अंसारी ने सभी शिक्षकों, बच्चों, और ग्रामीणों का धन्यवाद करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया:

सरकार को चाहिए कि वो ऐसे स्कूलों को प्रोत्साहन दे जो सिर्फ किताबी तालीम नहीं, बल्कि ज़मीन से जुड़ी हकीकत की तालीम भी दे रहे हैं। पौधारोपण केवल कार्यक्रम नहीं, एक आंदोलन होना चाहिए - और इसमें सभी को साथ आना होगा।

सुबह एक किराना दुकान में अचानक आग लग जाने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत जामनगर में गुरुवार को सुबह एक किराना दुकान में अचानक आग लग जाने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार फूल कुमार साहा जामनगर बाजार स्थित अपने दुकान सुबह खोलकर झाड़ू पोछा, पूजा अर्चना करने के बाद दुकान के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक किसी तरह से आग लग गया पता नहीं चला और देखते ही देखते आग विकराल रूप लेकर पूरे दुकान को अपने चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी की धू-धू कर जलकर पूरा सामान राख हो गया। हालांकि आसपास के लोगों के द्वारा चांपानल, मोटर पंप, कुआं आदि अन्य माध्यम से आग बुझाने की कोशिश किया गया। लेकिन तब तक सारा सामान जल चुका था। मिली जानकारी के अनुसार इधर ग्रामीणों के द्वारा आग लगते ही अग्निशमन विभाग को सूचना दे दी गई थी। लेकिन जब तक दमकल पहुंची तब तक सारा सामान जलकर राख हो चुका था। ग्रामीणों ने दमकल को वापस भेज दिया। पीड़ित फूल कुमार साहा ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। दुकान में फ्रिज, मोबाइल, कॉल ड्रिंक, नगदी, राशन का सामान आदि लगभग 5 से 6 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। दुकान ही एकमात्र सहारा था जिससे पूरे परिवार का भरण पोषण होता था। अब यह जल जाने के बाद सड़क पर आ गए हैं। उन्होंने मुआवजे की प्रशासन से मांग की गुहार लगाई है।

स्थानिय लोकसभा और विधान सभा के प्रत्याशियों एंव उस क्षेत्र के प्रमुख्य कांग्रेसजनों को पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अधिसूचना न॰104/04.06.2025 के अनुसार झारखण्ड मे आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर सभी नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायतों में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उददेश्य से वहां के ही स्थानिय लोकसभा और विधान सभा के प्रत्याशियों एंव उस क्षेत्र के प्रमुख्य कांग्रेसजनों को पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया है।इस अधिसूचना के आलोक में साहेबगंज जिला अन्तर्गत साहिबगंज नगर परिषद में मो कलिमुद्दीन, राजमहल नगर पंचायत में भावना गुप्ता और बरहरवा नगर पंचायत के लिये कमल आर्या का मनोनयन किया गया है।साहिबगंज जिला कांग्रेस कमिटी ने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के प्रति इन तीनों नगर निकाय के पर्यवेक्षकों के मनोयन हेतू साधुवाद किया एंव आभर प्रकट करते हुये पुरा सहयोग करने का विश्वास कराया। वही तीनों पर्यवेक्षकों के मनोनयन पर साहिबगंज कांग्रेसजनों में प्रसन्नता का माहौल है और बधाई और शुभकामनाएं देने वाले में जिला अध्यक्ष बरकत खान, जिला उपाध्यक्ष बासुकी नाथ यादव, युवा अध्यक्ष अख्लाक़ नदीम, नगर अध्यक्ष सतीश पासवान, अजय यादव, यमुना दास, अनुप हर्षवाल, विनोद सिन्हा, आमीत गुप्ता बॉबी, सन्तोष कुमार, आदित्य ओझा, अविनाश ओझा, उमेश मंडल, रिजवान अहमद, शशीधर यादव,वसीम औरंगजेब, सादिक़ अंसारी, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष तनवीर राजा, महिला जिलाध्यक्ष सुष्मिता कीड़ों, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष रफाजुल अहमद, अली क़ुरैशी आदि शामिल है.

नए भवन निर्माण का शिलान्यास व भूमि पूजन गुरुवार को किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। भाजपा जिला कार्यालय के नए भवन निर्माण का शिलान्यास व भूमि पूजन गुरुवार को किया गया। शहर के पुरानी साहिबगंज स्थित जिला कार्यालय में नया भवन सर्वसुविधा युक्त बनना है। इसके लिए गुरुवार को भूमि पूजन कराया गया। मौके पर प्रमुख अतिथि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विशिष्ट अतिथि कर्मवीर सिंह, विरंची नारायण, बाल मुकुंद सहाय, राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा आदि उपस्थित थे। पूजन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष उज्ज्वल मंडल सपत्नीक बैठे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने निर्माण कार्य का शिलान्यास नींव में ईंट जोड़कर व शिलान्यास पट का अनावरण कर व नारियल फोड़ कर किया। नया भवन बनने का काम जल्द प्रारंभ हो जाएगा। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए संगठन पर चर्चा किया। मौके पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गरिमा साह, रणधीर सिंह, बजरंगी प्रसाद यादव, पंकज चौधरी, संजय पटेल, बमबम मंडल, कमल भगत, कुसुमाकर तिवारी, पवन सिंह, राजीव चौधरी, कृष्णा महतो, धर्मेंद्र कुमार, गौतम पंडित, कुंदन पासवान, अमर सिंह, आदि उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चलाया गया जागरुकता अभियान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। मंडरो प्रखंड के ग्राम पंचायत पिंडरा और कौड़ी खुटाना स्थित हाथमारी, माथाडीह, दयालपुर, करला गांव मे गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फोर मदर एण्ड चाइल्ड साहिबगंज के द्वार एक दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीणो के बीच किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप कर प्रज्वलित कर किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एव प्लास्टिक का प्रयोग मे कमी लाना, बताते चलें कि यह दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी याद दिलाता है। मालूम हो कि विभिन्न देश, संगठन और समुदाय पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होते हैं। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और नीतिगत बदलाव जैसे कदमों को प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरुक करते हुए बताया गया कि प्लास्टिक का कम उपयोग करें, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचें।

सोशल मीडिया और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से दूसरों को प्रेरित करें। उक्त कार्यक्रम मे आंगनवाड़ी सेविका, आशा, जीविका समूह के द्वार वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर जिला समन्वयक अमन कुमार, प्रखंड समन्वयक कमलेश कुमार सिंह, पंचायत कोऑर्डिनेटर आलोक मुर्मू, दरोथी हांसदा, प्रीती मुर्मू, सहदेव ठाकुर उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साहेबगंज के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। मिर्जाचौकी थाना कक्ष में बृहस्पतिवार को सदर एसडीपीओ साहिबगंज किशोर कुमार तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 04 जून 2025 को समय 20:10 बजे पुलिस अधीक्षक साहेबगंज अमित कुमार सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मिर्जाचौकी थाना कांड संख्या-34/25, दिनांक-02 जून 2025 में संलिप्त दो अपराधकर्मी हथियार सहित मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र ग्राम-बडा लक्ष्मी स्थित तालू मुर्मू उर्फ खलासी के घर से गडरा भगैया होते हुए ललमटिया की ओर गिरोह के मुखिया सुर्या हाँसदा से मिलने जाने वाला है। उक्त सुचना पर पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साहेबगंज के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए इस कांड में संलिप्त दो अपराधी विमल हाँसदा, उम्र 19 वर्षीय, पिता- स्व0 दुर्गा हाँसदा, साकिन- धनकुण्डा, थाना- ललमटिया, जिला- गोड्डा एवं बेटका टुडू, उम्र 21 वर्षीय, पिता- साहेब टुडू, साकिन- बडा उदाली, थाना- बरहेट, जिला- साहेबगंज को ग्राम- गडरा पंचायत सचिवालय के पास सड़क से गिरफ्तार किया गया। उक्त अपराधी विमल हाँसदा के पास से एक देशी कट्टा लोडेड अवस्था में व बेटका टुडू के पास से एक जिन्दा गोली और एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, मोबाइल 02, टॉर्च एक, डिटॉल लिक्विड एक, कॉटन बैंडेज 02, बरामद किया गया है। उपरोक्त दोनो अपराधियों ने अपना- अपना अपराध स्वीकार करने के उपरांत बयान में मिर्जाचौकी थाना अन्तर्गत दामिनभिट्ठा स्थित जय माता दी स्टोन वर्क्स माइनस में दो पोकलेन एवं दो हाईवा को जलाने में अपना अपराध स्वीकार किया है तथा साथ ही उक्त कांड के गिरोह के सरगना सुर्या हाँसदा एवं अन्य की संलिप्ता की बात बताई है। विमल हांसदा का ललमटिया थाना व मिर्जाचौकी थाना में पहले भी आपराधिक इतिहास कई कांडों में संलिप्त रहा है। मौके पर छापामारी दल में शामिल पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन नगर प्रभाग साहेबगंज, पुअनि रुपेश कुमार यादव थाना प्रभारी मिर्जाचौकी थाना, पुअनि पवन कुमार थाना प्रभारी बरहेट थाना, पुअनि पंकज वर्मा थाना प्रभारी बोरियो, पुअनि मो. आफताब अन्सारी मिर्जाचौकी थाना, सअनि अमित कुमार यादव मिर्जाचौकी थाना, सअनि कृष्ण कुमार सिंह मिर्जाचौकी थाना, थाना गार्ड हव0 मो. सादिक, आरक्षी 102 कुशलेन्द्र कुमार झा, 445 बिरेन्द्र नाथ भोक्ता, 382 बबलू कुमार यादव, 121 बेरणा सिंह हेम्ब्रम शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

पार्यावरण गलोबल वार्मिंग के बचाव को लेकर पौधा रोपण

डुमरी, प्रतिनिधि। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर एन एच 19 के पाथ इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित कुलगो टोल प्लाजा में एन एच आई प्रोजेक्ट डायरेक्टर के निर्देश पर पार्यावरण गलोबल वारंमीग के बचाव को लेकर पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी एसडीएम जितराय मुर्मू व वरिष्ठ टोल प्रबंधक रामवतार मुगदल ने एक पौधा मां के नाम डिभाईडर में लगा कर की शुरुआत किया। एसडीएम ने कहा गलोबल वार्मिंग के बचाव व स्वस्थ जिवन के उद्देश्य से लोगों को जागरूक बनाने को लेकर इस कार्यक्रम को चालु किया गया है उपस्थित लोगों और क्षेत्र के लोगों से अपिल किया है की एक पौधा मां के नाम जरूर लगये कहा की क्षेत्र मे और आगे भी इस तरह का कार्यक्रम चलता रहेगा। वही टोल मैनेजर ने कहा की एन एच आई के गाईड लाईन और दिशा निर्देश में चलाया जा रहा अभियान को लेकर एक पौधा मां के नाम का शुभारंभ एसडीएम के हाथो सम्पन्न करवाया गया उद्देश्य का लक्ष्य 100 पौधा लगाने का रखा गया है बाकी प्लांटेशन वारिष के मौसम में चलता रहेगा कहा की सड़क दुर्घटना,गुढेल, गुलमोहर, अमरूद,जमुन टेकोमा,पौधा जब बड़ा हो जाता है तो पुरी तरह जगह को कभर करता है और सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों के आंख में सामने से आने वाले वाहन का लाईट का रौशनी आंखों में नहीं पड़ती है और सड़क दुर्घटना से बचाव होता है एक अभियान चला कर पिडि के निर्देश पर सड़क के डिभाईडर और आस पास के जगहों में लगाया गया है। मौके पर पूर्व पसस कुलगो मोहन लाला महतो, पंचायत अध्यक्ष संतोष पंडित कर्मचारि एवम् ग्रामीण के उपस्थिति में कार्यक्रम को सफल बनाया गया। कर्मचारी एवम् ग्रामीण के उपस्थिति में कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय शहरपुरा के आर्ट्स टॉपर रहे आदिल

- विद्यालय के टॉप टेन में मो आदिल (434) व अफरीदी (414) दोनों संगे भाई प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे
- दोनो यूपीएससी कर देश सेवा करना चाहते हैं, आदिल दसवीं में भी स्कूल टॉपर रहा है

जमुआ, प्रतिनिधि। गुरुवार को जैक द्वारा जारी इंटर आर्ट्स परीक्षाफल में जमुआ प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय शहरपुरा के परीक्षार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हैं। विद्यालय के 295 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए थे, जिसमें 280 बच्चे पास हुए। 137 बच्चे जहां प्रथम श्रेणी से तो वहीं 143 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने में सफ़ल रहे। स्कूल के टॉप टेन में मो आदिल (434) व अफरीदी (414) दोनों संगे भाई प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। दोनों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता नाजमा खातुन- फिरोज आलम व गुरुजनों में अमित त्रिपाठी, साजिद हुसैन, नेतलाल यादव, प्रवीण कुमार वर्मा, फरीद आलम को दिया है। दोनों यूपीएससी कर देश सेवा करना चाहते हैं। आदिल दसवीं में भी स्कूल टॉपर रहा है। स्कूल के निलम कुमारी(397), कुंदन कुमार गोस्वामी(387), पुनम कुमारी(385), राखी कुमारी (384), प्रिती कुमारी(381), शारदा कुमारी(376), सुंदरम कुमारी(375) तथा आरती कुमारी(372) ने टॉप टेन में जगह बनाने में सफलता हासिल किया। विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आदिल के बड़े भाई फरीद आलम ने बताया कि दोनों भाई शुरू से ही पढ़ने में काफी तेज हैं, आगे वो दोनों यूपीएससी कर देश सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ससुराल से बुलेट नहीं मिलने पर पत्नी को पीटा, मामला थाना पहुंचा

बिरनी/गिरीडीह
टिंकू राय

बिरनी प्रखंड के पड़रमनियां निवासी शबनम प्रवीण ने भरकट्टा ओपी में आवेदन देकर पति एवं सास ससुर पर मारपीट का आरोप लगाया है। जानकारी देते हुए शबनम प्रवीण ने कहा वर्ष 2020 में जमशेद अंसारी पिता अहमद अंसारी के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के साथ शादी हुई थी। जिसमें मेरे पिता ने अपने हैसियत के अनुसार 2.5 लाख नगदी और 1.5 लाख का सामान एवं 1.5 लाख के जेवर दिए थे। एक माह तक सबकुछ ठीक ठाक रहा जिसके बाद सास ससुर और मेरे पति ने मुझसे शिकायत करने लगे की तेरे पिता ने शादी मे मोटरसाइकिल नहीं दिया सभी लोग मिलकर मुझे दबाव देने लगें कि अपने पिता से बुलेट मांगो एवं मेरे साथ मारपीट एवं गालीगलौज कर प्रताड़ित करने लगे। मैंने इसकी जानकारी अपने पिता को दिया जिसके बाद स्थानीय स्तर पर पंचायत हुई एवं 50 हजार रुपए मोटरसाइकिल के लिए मेरे पिता ने दिया। कुछ दिनों तक ठीक ठाक रहा एवं फ़िर से सभी लोग मेरे साथ मारपीट करने लगे, मैं गर्भवती थी बावजूद उनलोग ने मेरे साथ मारपीट किया और मेरा गर्भपात हो गया। मैं इलाज के बाद अपने मायके में रहने लगी काफी दिनों बाद भी मेरे पति ने कोई खोज खबर नहीं किया। बीते 2 जून को मैं अपने पति के घर गई जिसके बाद ससुराल के सभी लोग कहने लगे इसको नहीं रखेंगे एवं गालीगलौज करते हुए मेरे साथ मारपीट करने लगे। आसपड़ोस लोग के बीचबचाव से मुझे उनलोगों से छुड़ाया गया। स्थानीय लोगों ने मेरे पिता को इसकी सूचना दी जिसके बाद मुझे मेरे पिता ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनी इलाज के लिए ले गए जहां डॉक्टरों ने यह कहते हुए रेफर कर दिया की इसके पेट एवं नाजुक अंग में गम्भीर चोट है।उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाते हुए उचित कानूनी कार्रवाई करने की माँग की है। इस संबंध मे ओपी प्रभारी अमन सिंह ने बताया की आवेदन प्राप्त हुआ है मामले की जांच की जा रही है।

गिरिडीहः सर जेसी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालय में पौधारोपण सह मेघा सम्मान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- पर्यावरण का ध्यान रखना हमारी जिम्मेवारी है और हम सभी को मिलकर पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिएः गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन
- सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस ने बच्चों को एक नई दिशा दी है, बच्चों के सर्वांगीण विकास ओर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका देखी जा रही है जो बच्चों को एक उज्ज्वल भविष्य प्रदान करेगाः उपायुक्त
- प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेवारी भी है और कर्तव्य भी, पर्यावरण दिवस को सफल बनाने हेतु हमें मिलकर पर्यावरण का ख्याल रखना होगा

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सर जे सी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में पौधारोपण सह मेघा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन, गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, उपविकास आयुक्त स्मृता कुमारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके साथ ही झारखंड के टॉप 5 छात्रों में शामिल सर जे सी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के टॉप 3 टॉपर्स सहित अन्य मेघा सूची में शामिल छात्राओं को गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन द्वारा पारितोषिक एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया

गया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन, गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार के द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया।

इनकी रही मौजूदगी
मौके पर उपरोक्त के अलावा गणमान्य, अनुमंडल पदाधिकारी समेत जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं बच्चे उपस्थित थे। इसके साथ ही आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी कार्यालयों एवं प्रखंडों में पौधारोपण कार्यक्रम करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

जो सपना लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत किया था, आज उसका परिणाम मिल रहा हैः गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन

कार्यक्रम को संबंधित करते हुए गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सभी की जिम्मेवारी है और हम सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो सपना लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत किया था, आज उसका परिणाम मिल रहा है। इस विद्यालय की बच्चियां पूरे झारखंड के टॉप 5 में अपना स्थान बनाई है, जो उनके लगन और मेहनत के साथ साथ विद्यालय के शिक्षकों और सभी के मेहनत को दर्शाता है। कहा कि पौधे और बच्चे दोनों एक सामान होते हैं, दोनों को बड़े करने के लिए मेहनत, समय और देख रेख की जरूरत होती। दोनों की जितनी अच्छी देख रेख की जाएगी आगे चलकर उतने ही अच्छे परिणाम आएंगे।

विद्यालय में छात्रों को सीबीएसई पैटर्न से आधारित शिक्षा दी जा रही है, जो गरीब बच्चों के लिए सपना थाः उपायुक्त

वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी का सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण करना सार्थक हुआ है। इस विद्यालय में छात्रों को सीबीएसई पैटर्न से आधारित शिक्षा दी जा रही है, जो गरीब बच्चों के लिए सपना था। आज इसी का असर है कि यहां की बच्चियां पूरे झारखंड में अपना परचम लहरा रही है और अच्छे अंक लाकर विद्यालय के साथ-साथ पूरे परिवार का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय की शिक्षा को और भी दुरुस्त करते हुए विद्यालय को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को बधाईयां देते हुए वातावरण को स्वच्छ रखने और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में कार्य करने को कहा।

जमुआः विश्व पर्यावरण दिवस पर जमुआ प्रखंड परिसर में पौधा रोपण एवं पार्क में घास बीज बोवाई

- पेड़ लगाकर ही धरती को बचा सकते हैंः संजीत यादव
- पॉल्यूशन वैश्विक समस्या बन गई हैः बीडीओ

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रखंड परिसर स्थित पार्क में गुरुवार को पौधारोपण किया गया। साथ ही पार्क की खाली जमीन की जुताई कर उसमें घास के बीजों की बोवाई की गई। अगुवाई प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव ने किया।कार्यक्रम में बीडीओ अमल जी, पंसस मनोज पंडा, इजराइल अंसारी, मुखिया श्यामपूर्ण सिंह, बीपीआरओ सहदेव महतो, बीपीओ राजकुमार, बालगोविंद यादव, सोनू कुमार सहित कई लोग थे। पार्क में खेल की सामग्री, एक्सरसाइज कीट रहने से सुबह और शाम जमुआ एवं आसपास के बच्चे ए8वं युवा वहां एक्सरसाइज करने आते हैं। इस बाबत प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव ने कहा कि पॉल्यूशन को रोकने के लिए सबको लगना होगा। कहा कि प्रदूषण आज बड़ी समस्या है। कहा कि जल जंगल जमीन की रक्षा जरूरी है।उन्होंने कहा कि पेड़ लगाकर ही धरती को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा प्रखंड परिसर में स्थित पार्क से लोगों को लाभ मिल रहा है। कहा कि पर्यावरण दिवस मना लेना ही काफी नहीं बल्कि पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं का खात्मा भी जरूरी है। उन्होंने कहा सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगे। जमुआ बीडीओ अमल जी ने कहा कि आज पॉल्यूशन वैश्विक समस्या बन गई है। इसको रोकने से ही मनुष्य एवं अन्य जीवो के अस्तित्व बच सकता है।

गिरिडीहः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव ने समाहरणालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव ने समाहरणालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधे हमारे जीवन रक्षक हैं एवं इनको संरक्षित करना हमारा कर्तव्य ओर दायित्व भी है। उन्होंने पर्यावरण की महत्ता समझाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील की। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि केवल आज ही नहीं हमारा प्रयास हो कि हम प्रत्येक दिन पर्यावरण को स्वच्छ एवं संरक्षित करने हेतु प्रयास करें। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की वर्तमान एवं आने वाली स्थितियों से निपटने के लिए सभी को पौधारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित करने की अपील क्योंकि वृहत स्तर पर बदलाव के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। उपायुक्त ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए यथासंभव सभी व्यक्ति को योगदान देना चाहिए। एक छोटा सा प्रयास भी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है। इस अवसर पर समाहरणालय के कई पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित थे। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, जिला एवं प्रखंड स्तर के सभी कार्यालयों में पौधारोपण का कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन का संदेश दिया गया।

मांडर महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण का आयोजन

मांडर। प्रखण्ड स्थित गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मांडर महाविद्यालय, मांडर में शिक्षकों एवं एन.सी.सी. कैडेट्स के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ कुमार आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। मनुष्यों के साथ-साथ यह सभी जीवों के जीवन को प्रभावित करता है। आज जिस गति से पर्यावरण का ह्रास हो रहा है, यह चिंतनीय है। हम सभी को अधिक-से-अधिक मात्रा में वृक्ष लगाना चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए, ताकि हमारा जीवन सुरक्षित रहे। इस अवसर पर एन.सी.सी अधिकारी डॉ असेंलम मिंज ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पृथ्वी हमारा घर है और इसकी हरियाली बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरे-भरे कल के लिए आप सभी को शुभकामनाएं। इस अवसर पर डॉ नीलम कुमारी, डॉ चांदनी कुमारी, दिव्या रानी, सुषमा कुजूर, विनीता, उमा, प्रियंका सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जमुआः प्लस टू उच्च विद्यालय दुम्मा के छात्र-छात्राएं हर क्षेत्र में अव्वल! हमेशा रहता हैं उत्कृष्ट प्रदर्शन

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। पर्यावरण प्रदूषण आज ग्लोबल समस्या के रूप में जीव जगत के लिए चुनौती बन गया है। इससे निबटने के लिए एक एक जन को मन से लगने की जरूरत है। उक्त बातें जमुआ की विधायक मंजू कुमारी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर जमुआ प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय दुम्मा के प्रांगण में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाउस इफेक्ट के चलते भी ग्लोबल वार्मिंग की समस्या उत्पन्न हुई है। कहा कि जंगलों की अतिशय कटाई से जल, जंगल, जमीन तीनों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर हम धरती को बचा सकते हैं।

बच्चे अनुशासन में रहकर सम्यक तैयारी करें:अमल जी
बीडीओ अमल जी ने कहा कि पेड़ पौधे लगाएं। बच्चे अनुशासन में रहकर सम्यक तैयारी करें।उन्होंने कहा अनुशासन ही देश को महान बनाता है।

देश की गौरव शाली परम्परा को बचाने की जरूरत है।

विश्व पर्यावरण दिवस, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर हैः बिनोद कुमार
इस मौके पर प्लस टू उच्च विद्यालय दुम्मा के प्राचार्य बिनोद कुमार ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाना है। हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने और टिकाऊ जीवन शैली अपनाने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने विद्यालय के विकास से संबंधित विचार से विधायक मंजू कुमारी को अवगत कराया।

शिक्षा का उद्देश्य जॉब प्राप्त करना नहीं बल्कि सम्यक और सफल जीवन जीना हैः सुधीर द्विवेदी
समाज सेवी सुधीर द्विवेदी ने कहा पर्यावरण की रक्षा के साथ साथ हमें बेहतर शैक्षिक वातावरण भी तैयार करना है। कहा कि शिक्षा का उद्देश्य जॉब प्राप्त करना नहीं बल्कि सम्यक और सफल जीवन जीना है।मनुष्य को वास्तविक मानव के गुणों को आत्मसात करने की जरूरत है। बताते चलें कि विश्व पर्यावरण दिवस पर विचार संगोष्ठी में मोटिवेशन कार्यक्रम और पौधा रोपण कार्यक्रम भी किए गए एवं सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया।

इन्होंने ने भी अपने-अपने विचार रखें
कार्यक्रम में जमुआ के बीडीओ अमल जी, जिप सदस्य प्रभा वर्मा, पिंकी देवी, समाजसेवी सह मोटिवेशनर सुधीर द्विवेदी, विजय वर्मा, पूर्व मुखिया गीता देवी, पूर्व मुखिया रमेश कुमार, शिक्षिका फूलमती कुमारी, हेमंत वर्मा, मिथलेश कुमार, लालजीत कुमार ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्लस टू उच्च विद्यालय के प्राचार्य बिनोद वर्मा ने किया।

गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन एवं उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

- गांडेय विधायक ने विद्युत, पेयजल, संबंधित परियोजनाओं तथा मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना समेत विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा उक्त योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। गांडेय प्रखंड सभागार में गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन एवं उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें विद्युत आपूर्ति, चापाकल मरम्मत, जल आपूर्ति योजनाओं और उनके क्रियान्वयन की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया।

खराब चापाकलों की जल्द होगी मरम्मती
गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए चापाकल एक

महत्वपूर्ण साधन हैं, और इनकी खराब स्थिति से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सभी खराब चापाकलों की मरम्मत जल्द से जल्द होनी चाहिए ताकि किसी भी व्यक्ति को पानी की समस्या न हो। बैठक में पेयजल संबंधित परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की बात कही गई। साथ ही पानी के समस्याओं को दूर करने के लिए नए चापाकल निर्माण, सोलर आधारित पानी टंकी निर्माण, नल-जल योजना, जल जीवन मिशन के तहत चल रहे योजना, शौचालय निर्माण सहित अन्य से योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक किया गया।

योजनाओं की वन-टू-वन मॉनिटरिंग
बैठक में यह भी बताया गया कि विभाग की सभी योजनाओं की वन-टू-वन मॉनिटरिंग की जा रही है। इस प्रक्रिया से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और आम जनता को जल संकट से राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को समय पर सभी परियोजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में गांडेय विधायक ने अबुआ आवास योजना तथा मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना समेत विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा उक्त योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मनरेगा, अबुआ आवास योजना तथा झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना समेत कई योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के साथ विभिन्न विकास योजनाओं का लाभ स-समय लाभुकों मिलें, यह करें सुनिश्चित। अबुआ आवास के कार्यों में तेजी लाने और समय पर निष्पादित करने के निर्देश दिए। बैठक के क्रम में सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अबुआ आवास की प्रगति, लाभुकों के चयन व अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय स्थापित करते हुए अबुआ आवास के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

समयबद्ध कार्यान्वयन पर जोर
समीक्षा बैठक में उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरना और लोगों को इसका लाभ देना ही जिला प्रशासन प्राथमिकता है। जिला प्रशासन का पूरा प्रयास है कि समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन हो और ग्रामीणों को इसका शत-प्रतिशत लाभ मिलें। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि किसी भी योजना में देरी न हो और आमजनों को परेशानी न हो। उपायुक्त ने कहा कि समय समय पर योजनाओं का भौतिक सत्यापन भी करें, योजनाओं की प्रगति को लेकर बैठक करें, ताकि योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित हो सकें। यह भी सुनिश्चित करें कि आमजनों को सरकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतों को लेकर कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़ें, उनकी शिकायतों का तय समय पर निराकरण करें। उपायुक्त ने बिजली और पानी की समस्याओं को जल्द से जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरतें ताकि लोगों को उसका समुचित लाभ मिल सकें।

इनकी थी मौजूदगी
बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारी, गांडेय समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर परमहाप्रबंधक द्वारा किया गया वृक्षारोपण

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून, 2025 को मुख्यालय में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत, हरित भारत की शपथ दिलायी गयी।
इसके उपरांत महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय परिसर, हाजीपुर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री राजीव रंजन प्रसाद सहित मुख्यालय के अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया।
विदित हो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण विषय पर स्टॉकहोम में सन् 1972 में 05 से 16 जून तक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था । उसी के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 05 जून को ''अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस'' मनाया जाता है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम ''प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना।

गांव के बकरियों में अजीब बिमारी हो रही है मौत

बांका कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका कटोरिया क्षेत्र के बसमत्ता पंचायत अंतर्गत मालवथान गांव में बकरियों को एक अजीब सी बिमारी हो गई है। जिनसे ग्रामीण किसोनों के अनेकों बकरियों को अचानक सर्दी जुकाम होने के साथ फीवर हो जाती है जिनके कारण खाना पीना छोड़ देते है एवं जीभ गल जाने से मौंत हो जाती है। इस बिमारी में अनेकों ग्रामीण के दर्जनों बकरियां मर चुकी है। एवं अनेकों मरने के कगार पर है। ग्रामीण बताते हें कि ये बिमारी पहली बार इस गांव में आया है। जिनका इलाज लोकल मवेशी डॉक्टर से हजारों रूपये खर्च करने के बाद भी नही स्वस्थ्य होता है। वही इस बिमारी से कई लोगों के खस्सी, पांठा, बकरी के बच्चे मेमने की भी मौंत हो चुकी हैं।जिनसे एक-एक ग्रामीण किसान का पच्चास हजार से अधिक संपत्ति की छती हुई है। ग्रामीण किसान बकरी पालन कर अपना रोजी-रोटी चलाते थे जिसमें लाले पड़ गये हैं। जिनको लेकर मंटू यादव, प्रमोद यादव, डेगलाल यादव, समर यादव, बेवी देवी ,भवीष यादव, महेश यादव, उषा देवी, हंसराज यादव अन्य चिंतित है। इस मामले को लेकर क्षेत्रीय पशुपालन डॉक्टर साकेत कुमार यादव ने बताया कि कल गांव आकर बकरियों की जांच कर दवाई देते हुए बचाव कार्य किया जायगा।

आदिवासी समाज का शादी में अनोखा रिवाज दुल्हन फेरो के बाद बरातियों दूल्हे संग घूमर नृत्य करती हैं

फूल शंकर डामोर उदयपुर

वैसे तो हर समाज में शादी समारोह में अलग अलग रिती रिवाज देखने को मिल जायेगे लेकिन राजस्थान के दक्षिण के वागड़ के जिलों में डुंगरपुर बांसवाडा प्रताप गढ़ के आदिवासी बाहुल्य में शादी समारोह में अनोखे रिवाज देखने को मिल जायेगे । जन जाती बाहुल्य गांव देवल डूंगरपुर जिले के पंकज गरासिया की शादी मौकात फला में डीजे की धुन पर पहुंची जहां बरातियों का स्वागत दुल्हन के परिजन रिश्तेदार करते है । वहीं शादी के फेरो के तुरंत बाद ही डीजे की धुन पर बराती धराती सभी डीजे की धुन पर घूमर नृत्य के बीच दूल्हे को भी डांस पर मित्र संग घूमर डांस करना होता है।जिस पर दुल्हन की सहेलियों के साथ दुल्हन दूल्हे का चरण स्पर्श करने के बाद गले मिलते है इस रिवाज के बाद दूल्हा दुल्हन को 1100 रु देकर दूल्हा फिर बरातियों संग दुल्हन को भी घूमर नृत्य में आमंत्रित करता हैं । आधे घंटे तक नृत्य के बाद दूल्हा दुल्हन सभी बरातियों रिश्तेदार से आशीर्वाद लेते है जिस पर सभी बराती धराती दोनों दूल्हे दुल्हन को आशीर्वाद स्वरूप नगद राशि देते हुए नव दंपति को उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। इसके बाद भोजन के बाद बरात को विदा किया जाता हैं।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का चांदन में भव्य स्वागत

सं सू पंकज कुमार ठाकुर

चांदन (बांका)। चांदन बस स्टैंड में आज गुरूवार शाम को भाजपा कार्यकर्ता ने बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का भव्य स्वागत किया। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय बांका में स्वास्थ्य विभाग के लिए निर्माण किये गये भावन का उद्घाटन कर देवघर लौटने के दौरान चांदन बस स्टैंड में रूके,जहां भाजपा मंडन अध्यक्ष निरंजन सिंह,भाजपा वरिष्ठ नेता हरे कृष्ण पांडेय व संजय मालाकार के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता ने मंगल पांडेय का भव्य स्वागत कर अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया।मौके पर शंभू पांडेय,गौतम दूबे,सुनील वर्णवाल, बासुकीनाथ दुबे, पप्पु दुबे सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर भारतीय रेल ने चलाया जागरूकता अभियान

- **1200 स्टेशनों और 740 से अधिक वर्कशॉप पर चला अभियान**
- **अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का हुआ निपटान**
- **रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ**

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय रेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन करते हुए 22 मई से 5 जून तक पंद्रह दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम ÷प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें÷ के अंतर्गत भारतीय रेल के सभी ज़ोन, मंडल, स्टेशन और कार्यालयों में जन-जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों, आम नागरिकों और अन्य साझेदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्लास्टिक कचरे का आकलन, कचरे को अलग-अलग प्रकारों में छाँटना, प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थिति की समीक्षा, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रयास, तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी हेतु जागरूकता प्रसार जैसे कदम शामिल थे।
5 जून को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प दिलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में बदलाव, स्वच्छता और ऊर्जा बचत जैसे विषयों पर ज़ोर दिया गया। रेलवे बोर्ड में यह संकल्प सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) द्वारा दिलाया गया, जिसमें अन्य बोर्ड सदस्य और ज़ोनल रेलवे के महाप्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर रेलवे की वार्षिक पर्यावरण सततता रिपोर्ट भी जारी की गई। पूरे अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान किया गया, 1230 से अधिक स्टेशनों पर पोस्टर व डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई गई, 740 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं, 1200 स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, 180 से अधिक प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और 230 नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता को बल मिला। भारतीय रेल पर्यावरणीय स्थायित्व को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025-26 के लिए 750 करोड़ रुपये की एक समग्र योजना को स्वीकृति दी गई है जो पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों को समर्पित है। अब तक 98त्न ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। 3512 स्टेशनों एवं सेवा भवनों पर सौर रूफटॉप की स्थापना के माध्यम से लगभग 227 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की गई है। सभी रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में 100त्न एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेनों के विकास, 2014 से अब तक 9.7 करोड़ पौधारोपण, और यात्री कोचों में 100त्न बायो-टॉयलेट्स की स्थापना जैसे कदमों के ज़रिए रेलवे ने पर्यावरण की दिशा में ठोस पहल की है।
भारतीय रेल अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी को समाहित करते हुए, भविष्य में भी एक हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली के निर्माण हेतु कृतसंकल्पित है।

खर्च हुए 13 सौ करोड़, लेकिन 13 घर में भी नहीं पहुंचा पानी

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

गिरिडीह जिला परिषद की बुधवार को हुई बोर्ड की बैठक शुरुआत में हंगामेदार रही। करीब 05 महीने बाद बैठे बोर्ड में सदस्यों ने नल-जल योजना पर खूब हंगामा किया। सदस्य विनय शर्मा ने यहां तक कह दिया कि वर्ष 2023 में नल-जल योजना की 1300 करोड़ की पूरी राशि खर्च कर दी गई, लेकिन दुर्भाग्य है कि 13 घर तक भी पानी नहीं पहुंचा है।
सदस्य उसमान अंसारी ने कहा कि पूर्व बैठक में यह फैसला हुआ था कि 10 चापाकलों में 5 विधायक और 5 सदस्य की अनुशंसा पर लगेंगे। लेकिन किसी सदस्य को 5 तो दूर एक भी चापाकल नहीं मिला है। सदस्य मुन्नी देवी ने कहा कि इस योजना की खामियां गिनाई, तो अन्य सदस्यगण भी योजना पर भड़ास निकालने लगे। हंगामा बढ़ते देखकर बैठक की अध्यक्षता कर रही जिप अध्यक्षा मुनिया देवी, उपाध्यक्ष छोटेलाल यादव और डीडीसी स्मृता कुमारी ने हस्तक्षेप किया।

सदस्यों को मिला अधिकारियों का आश्वासन : नल-जल योजना पर उठे बवाल के बाद पीएचइडी वन और टू के अधिकारी ने आश्वासन दिया। कहा कि चूंकि वे हाल में पदभार संभाले हैं, लिहाजा योजना पर कहां गड़बड़ी हुई है इसकी जांच के लिए समय चाहिए। अधिकारियों ने सदन को आश्वस्त किया कि जिस स्तर पर काम होना चाहिए, वह नहीं हो पाया है। पत्रकारों को डीडीसी ने कहा कि योजना पर 1300 करोड़ की निकासी की बात जो सामने आ रही है, उतनी निकासी नहीं हुई है। ऐसे इस मामले में तीन कार्यकारी एजेंसी को कालीसूची में डालने के लिए सरकार को लिखा गया है। जांच में अन्य एजेंसी आएंगे तो उनपर भी कार्रवाई होगी। इसके पूर्व पीएचइडी अधिकारियों ने योजना की सत्यता जानने के लिए एक से डेढ़ माह का समय मांगा। तब जाकर सदन शांत हुआ और शाम छह बजे तक सुचारु रुप से बैठक चली। बैठक में प्रतिनिधि के तौर पर प्रमिला मेहरा, महालाल सोरेन, शब्बन खान, अशोक उपाध्याय के अलावा डीएसओ गुलाम समदानी, कल्याण पदाधिकारी जयप्रकाश मेहरा, पीएचईडी वन के अधिकारी राहुल श्रीवास्तव, समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेहा कच्छप, जिला अभियंता भोला राम आदि थे।
जिप सभागार का होगा सौंदर्यीकरण : बोर्ड की बैठक में जिप सभागार में जगह की कमी खूब खली। इसपर सभागार को सौंदर्यीकरण पर फैसला लिया गया। सदन का ज्यादा समय पानी मुद्दे पर रहा। इसके अलावा खाद्य आपूर्ति, सड़क, बिजली पर सदस्यगण गरजे। इसके पूर्व हो-हंगामा के दौरान पत्रकारों से बदसलूकी पर सदन गरम रहा। जब सदन में नल-जल योजना पर हंगामा शुरू हुआ और मीडिया कवरेज करना लगा, तो मीडियाकर्मियों को बाहर निकाल दिया गया। हालांकि बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक के एजेंडे से हुई।

पटेल डांगी समाज 42 गांवों की कार्यकारणी का विस्तार

- **समाज को ऊंचाईयो पर ले जाना हमारा प्रथम कर्तव्य पटेल**

उदयपुर नायगांव

पटेल डांगी समाज खड़क चौखला 42 गावो की चुनाव सम्पन्न के बाद समाज अध्यक्ष कुरी चन्द पटेल की अध्यक्षता में कार्यकारणी का विस्तार पटेल समाज भवन में किया गया। वही समाज अध्यक्ष कुरी चन्द पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा लक्ष्य है कि समाज में सकारात्मक बदलाव आए और हम सभी को लाभ हो। हम सभी सदस्यों के बीच सहयोग और भागीदारी को बढ़ावा दें। हम सभी को एक साथ मिलकर काम करने और एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए समाज को ऊंचाईयो पर ले जाना हमारा प्रथम कर्तव्य हो। कार्यकारणी का विस्तार करते हुए वरिष्ठ सम्मानित व्यक्ति के रूप में मोगा जी फ़ुटाला, संरक्षक अमृत लाल छोटा कारछा,उपाध्यक्ष भीमराज पटेल कोजावाडा, युवा समिति का उपाध्यक्ष नाना लाला मोकरवाडा, महासचिव गौतम लाल निचला थूरिया, कोषाध्यक्ष घुलेश्वर पटेल घाटी, सहायक कोषाध्यक्ष दीताराम पटेल महुद्रा, संगठन मंत्री कांति लाल पटेल सुलई, सहायक संगठन मंत्री राजेंद्र कुमार ऋषभदेव, मीडिया प्रभारी यशवंत पटेल निचला थुरिया, अध्यक्ष शिक्षा समिति कोदर लाल पटेल पादेडी, अध्यक्ष निर्माण समिति दिता लाल पटेल खेरवाड़ा, अध्यक्ष संविधान समिति पदम् लाल पटेल भांडा, सदस्य संविधान समिति दिनेश पटेल करावाड़ा, सूरजमल पटेल कोजावाडा, पदमलाल पटेल गुलाबपुरा को मनोनित किया गया।

INRO बिजनेस समिट 2025: भारत-रोमानिया आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत में रोमानिया के द्विपक्षीय वाणिज्य मंडल संघ (यूबीसीसीआर) ने 4 जून को दिल्ली के पुलमैन होटल, ऐरोसिटी में INRO बिजनेस समिट 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह समिट भारत और रोमानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को नए आयाम देने वाली एक ऐतिहासिक पहल रही। यह सम्मेलन दो मित्र राष्ट्रों के बीच संवाद, रणनीतिक सहयोग और व्यावसायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, डिजिटल तकनीक और आधारभूत ढांचे सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाओं पर विचार हुआ। INRO बिजनेस समिट 2025 में सीमाओं से परे साझेदारी की भावना को साकार करते हुए कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इनमें BCCR के उपाध्यक्ष श्री अल्बू एलिन मारियस, भारत और नेपाल में रोमानिया की माननीय राजदूत श्रीमती सेना लतीफ, भारत सरकार के सांसद माननीय श्री महेश कुमार पुट्टा, यूबीसीसीआर की अध्यक्ष शिवा मुनजल, पूर्व विधायक, एप्पल इंडिया के पूर्व सीईओ और पूर्व

प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र आदर्श शास्त्री, एयरबोटिक्स के निदेशक एवं 2024 के खम्मम लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विनोद राव तंद्रा, एयरबोटिक्स टेक्नोलॉजी के रणनीतिक सलाहकार कर्नल गांधी, तथा धनवर्षा ग्रुप के चेयरमैन एवं जनहित दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंशुमन जोशी प्रमुख रूप से शामिल रहे। अल्बू एलिन मारियस ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारियों, खेल प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि हम नवाचार, पारदर्शी संवाद और साझा विकास दृष्टिकोण के माध्यम से भारत-रोमानिया के बीच दीर्घकालिक साझेदारियों की ठोस नींव रख रहे हैं। यह सहयोग शिक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और निर्माण जैसे क्षेत्रों में दूरगामी प्रभाव डालेगा। "INRO बिजनेस समिट केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। यह पहली बार है जब रोमानिया के उद्योगों को भारत में इतने बड़े पैमाने पर लाया गया है – वाइन और कन्फेक्शनरी से लेकर उच्च तकनीक और हेल्थकेयर तक। हमारा उद्देश्य केवल व्यापार नहीं, बल्कि विचारों का आदान-प्रदान, संयुक्त उद्यम और साझा प्रगति है। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्रता से अंतिम रूप देने का भी आह्वान किया। ÷भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हमारी जनसंख्या, युवा ऊर्जा, और 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे कार्यक्रम वैश्विक साझेदारियों के लिए मजबूत आधार बना रहे हैं। यह समिट भारत की वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दिशा में एक सार्थक कदम है। यूबीसीसीआर की अध्यक्ष श्रीमती शिवा मुंजल ने कहा कि यह सम्मेलन सिर्फ एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि ठोस कार्यों की दिशा में एक मजबूत कदम है। हम यहाँ सहयोग की ताक़त का उत्सव मनाने आए हैं। यूबीसीसीआर का लक्ष्य बिल्कुल साफ़ है - लोगों को जोड़ना, विचारों को वास्तविक प्रोजेक्ट्स में बदलना और दोनों देशों के बीच व्यापार की राह में आने वाली रुकावटों को दूर करना। मुंजाल ने यूबीसीसीआर की आगामी योजनाओं की भी झलक दी - जैसे कि व्यवस्थित बिज़नेस डेलिगेशन, डायरेक्ट इंडस्ट्री पार्टनरशिप और द्विपक्षीय टास्क फोर्स, जो क्लीन एनर्जी, कृषि, डिजिटल इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग जैसे अहम क्षेत्रों पर केंद्रित होंगी। कर्नल गांधी ने ज़ोर देकर कहा कि भविष्य की सुरक्षा और तकनीकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए संयुक्त अनुसंधान (आर×डी, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम और ज्ञान साझेदारी जैसे प्रयासों की बेहद ज़रूरत है। जैसे ही शाम का समापन उत्साहपूर्ण नेटवर्किंग गाला और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ हुआ, यह संदेश स्पष्ट था, भारत-रोमानिया सहयोग का भविष्य उज्ज्वल है, और यह गति पकड़ चुका है।

पंकरी बरवाडी कोयला खनन परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने विश्व पर्यावरण दिवस उपलक्ष्य में 31 मई से 5 जून तक पर्यावरण सप्ताह का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता को दोहराया।
इस वर्ष की थीम ÷बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन (प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ) के अंतर्गत परियोजना ने कर्मचारियों, आसपास के ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को जागरूक करने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया।आर एंड आर कॉलोनी, विभिन्न विद्यालयों एवं हजारीबाग क्षेत्र में निबंध, चित्रकला और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें स्थानीय प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।पर्यावरण दिवस के अवसर पर परियोजना के सिकरी कार्यालय, मैती ढेंगा एवं खनन क्षेत्र में 6000 से अधिक पौधों का सामूहिक रूप से रोपण किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश द्वारा पर्यावरणीय शपथ दिलवाकर किया गया, जिसमें सभी ने अपने जीवन में पर्यावरण अनुकूल बदलाव अपनाने और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।परियोजना प्रमुख ने बताया कि एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, और भविष्य में भी इसी दिशा में और अधिक प्रभावशाली पहल करने के लिए संकल्पित है।इस अवसर पर परियोजना प्रमुख सुबोध कुमार दाश के अलावा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

असम के डिब्रूगढ़ जिले में सीआरपीएफ 171 बटालियन ने किया वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पंकज नाथ,
आदिवासी एक्सप्रेस, असम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज 5 जून, गुरुवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले की 171 वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा अपने वाहिनी मुख्यालय एवं सभी समवायों के परिसर में वृह्द वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ समीर कुमार श्रीवास्तव, कमाण्डेन्ट-171 वीं बटालियन ने फल

आहरित पौधे को रोपित करके किया। इसके उपरान्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कार्मिकों ने एक-एक पेड़ लगाये। समीर कुमार श्रीवास्तव, कमाण्डेन्ट-171 वीं बटालियन द्वारा सभी कार्मिकों को वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताते हुए कहा गया कि वृक्षों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्व है , यह हमें फल, छाया के साथ-साथ शुद्ध वायु अर्थात् ऑक्सीजन भी प्रदान करते है। शुद्ध वायु अर्थात् ऑक्सीजन के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है । हमें शुद्ध वायु , शुद्ध जल ,पर्यावरण को संतुलित रखने तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसे विकट परिस्थितियों से निपटने हेतु एकमात्र साधन वृक्षारोपण ही है। अतः हमे भविष्य में आने वाली विकट परिस्थितियों से निपटने हेतु अत्यधिक पेड़ लगाना चाहिए तथा उसे संरक्षण प्रदान करना चाहिए ताकि पेड़ बड़े होकर हमें छाया एवं फल प्रदान करने के साथ-साथ वातावरण को भी संतुलित रख सके । इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के साथ-साथ आम नागरिकों में भी वृक्षारोपण करके पर्यावरण को संतुलित रखने हेतु संदेश प्राप्त हुआ है । इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में 171 वीं वाहिनी के राम नारायण चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी , संजय मरवन, द्वितीय कमान अधिकारी , राजेश कुमार, उप कमांडर , डॉ0 एस योगेश्वरी, एसएमओ अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवानों ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और आगे भी इसी तरह वृक्ष लगाने हेतु संकल्प लिया । इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का उद्देश्य प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण है।

मध्य प्रदेश लीगः भोपाल लेपर्ड्स, चंबल घड़ियाल्स और रीवा जैगुआर्स ने घोषित किये कप्तान

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से शुरू हो रही मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) को लेकर चरम पर उत्साह पहुंचने के साथ ही सभी टीमें भी अपनी कमर कसती नजर आ रही हैं। इसी क्रम में भोपाल लेपर्ड्स, चंबल घड़ियाल्स और रीवा जैगुआर्स ने आगामी सीजन के लिए अपने-अपने कप्तानों की घोषणा कर दी है भोपाल लेपर्ड्स ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान को अपना कप्तान नियुक्त किया है। अरशद मंगलवार को समाप्त हुई इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे, जहां उन्होंने कई मौके पर अहम विकेट लिए। भोपाल लेपर्ड्स के मालिक एचएमजी सेंटर से अभिषेक गुप्ता ने कहा कि पिछले सीजन में हम उपविजेता रहे थे। इस बार अरशद के नेतृत्व और संतुलित टीम के साथ हम ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें विश्वास है कि यह सीजन हमारा होगा, जिसमें हम अधूरा काम पूरा करेंगे। चंबल घड़ियाल्स की कमान मध्य प्रदेश की घरेलू क्रिकेट टीम के भरोसेमंद खिलाड़ी शुभम शर्मा को सौंपी गई है। शुभम ने 2021-22 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में टी20 डेब्यू किया था और तब से वह एक संयमित कप्तान के रूप में उभरे हैं।

एक ऐसा सीजन जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा : विराट कोहली

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 18 साल के इंतजार को खत्म करते हुए अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीत लिया है। आईपीएल 2025 के फाइनल में टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। जीत के बाद विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ट्रॉफी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इमोशनल पोस्ट लिखा- इस टीम ने सपने को संभव बनाया, एक ऐसा सीजन जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। हमने पिछले 2.5 महीनों में इस सफर का भरपूर आनंद लिया है। यह आरसीबी के प्रशंसकों के लिए है जिन्होंने सबसे बुरे समय में भी हमारा साथ नहीं छोड़ा। यह उन सभी वर्षों के दिल टूटने और निराशा के लिए है। यह इस टीम के लिए मैदान पर खेलने के लिए किए गए हर प्रयास के लिए है। कोहली ने आगे लिखा कि जहां तक आईपीएल ट्रॉफी का सवाल है- आपने मुझे आपको उठाने और जश्न मनाने के लिए 18 साल इंतजार करवाया है, मेरे दोस्त, लेकिन यह इंतजार बिल्कुल सार्थक रहा। कोहली हुए भावुकइस जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बहुत भावुक हो गए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ करेगी अपने अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। यह टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर के बीच चीन के हांगझोऊ में होगा। भारत को पूल-बी में रखा गया है, जिसमें गत चैंपियन जापान, थाईलैंड और सिंगापुर की टीमें भी शामिल हैं। पूल-ए में मेचबान चीन के साथ कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे की टीमें शामिल हैं। टीम इंडिया पिछली बार ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही थी, लेकिन इस बार उसकी निगाहें स्वर्ण पदक पर होंगी। खास बात यह है कि एशिया कप का खिताब जीतने वाली टीम को 2026 महिला एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के लिए सीधी क्वालिफिकेशन मिलेगी, जो टूर्नामेंट की अहमियत को और भी बढ़ा देता है।हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम एशिया कप अभियान को लेकर बेहद उत्साहित हैं। जापान जैसी मजबूत टीम के साथ पूल में होना हमारे कौशल और मानसिक मजबूती की परीक्षा लेगा, लेकिन यह हमारे लिए एक शानदार मौका भी होगा कि हम शुरू में ही अपनी स्थिति आंक सकें।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने जुलाई में होने वाली पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय आस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान ऑलराउंडर मिशेल मार्श को सौंपी गई है। ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज दौरे पर तीन टेस्ट और पांच टी-20 मैच खेलने हैं। टी-20 श्रृंखला की शुरुआत 19 जुलाई को होगी। टी-20 टीम में पहली बार मिशेल ओवेन और मैथ्यू कुहनेमैन को शामिल किया गया है। दोनों ने घरेलू एवं लीग क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। कैमरून ग्रीन और कूपर कोनोली टीम में वापस आए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी टीम में शामिल किया गया है। वे पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे। जेक फ्रेजर मैकगर्क और मार्क स्टोइनिस को टीम से बाहर कर दिया गया है। चयन प्रमुख जॉर्ज बेली का कहना है कि यह श्रृंखला अगले वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनने के लिए महत्वपूर्ण है। बेली ने कहा कि हमारा आगामी टी20 कार्यक्रम काफी व्यस्त है। हम एक ऐसी टीम का निर्माण कर रहे हैं जो हमें लगता है कि उपमहाद्वीप में होने वाले विश्व कप के लिए उपयुक्त होगी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत पर आरसीबी ने जताया शोक

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के स्वागत समारोह से पहले बड़ा हादसा हो गया। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के चलते मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए।घटना के बाद आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने एक बयान जारी कर दुख जताया। बयान में कहा गया, आरसीबी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करती है और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से जो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं, उनसे हम अत्यंत व्यथित हैं। हम सभी की सुरक्षा और भलाई को सर्वोपरि मानते हैं। आरसीबी के

पहले आईपीएल खिताब के जश्न के तहत एक ओपन बस परेड और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसी को लेकर स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसक एकत्र हुए थे। लेकिन भीड़ पर काबू न पाने के कारण भगदड़ मच गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भगदड़ में 11 लोगों की जान गई है और 33 लोग घायल हैं।

उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवज़ा देने की घोषणा की है। आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कार्यक्रम को छोटा कर दिया और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन किया। बयान में आगे कहा गया, स्थिति की जानकारी मिलते ही हमने कार्यक्रम में तत्काल बदलाव किए और प्रशासन के मार्गदर्शन का पूरी तरह पालन किया।

कोहली ने टेस्ट के प्रति फिर दिखाया प्यार, युवाओं से इस प्रारूप के सम्मान का आग्रह

एजेंसी

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बहुत भावुक नजर आए। विराट आईपीएल की शुरुआत से इस फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं, लेकिन अब जाकर उन्हें आईपीएल ट्रॉफी को उठाने का मौका मिला है। ऐसे में जीत के बाद विराट अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और बुहत इमोशनल हो गए। हालांकि आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर जाहिर किया। मैच के बाद मैथ्यू हेडन के साथ बातचीत के दौरान विराट ने कहा कि यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट से पांच स्तर नीचे है। यही कारण है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट से इतना प्यार है और यही कारण है कि वह टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देते हैं।उन्होंने आने वाले युवा पीढ़ियों से आग्रह किया है कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। उन्होंने आगे कहा कि मैं आने वाले युवाओं से यही आग्रह करूंगा कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकी आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, शाबाश, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि इसलिए यदि आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएं और इसमें अपना दिल और जान लगा दें। विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास36 साल के विराट कोहली ने पिछले महीने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

नजमुल हुसैन शान्तो एक साल और बने रहेंगे टेस्ट कप्तान, श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस सीरीज़ से बांग्लादेश की 2025-2027 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी होगी।

बीसीबी ने इस दौरान घोषणा की कि नजमुल हुसैन शान्तो को एक साल के लिए और टेस्ट कप्तान बनाए रखा गया है। वह 2024 से टीम की अगुवाई कर रहे हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज उपकप्तान की भूमिका में बने रहेंगे।

लिटन दास और इबादत हुसैन की वापसी

टीम में चोट के कारण पिछली सीरीज़ से बाहर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज़ लिटन दास की वापसी हुई है। तेज गेंदबाज इबादत हुसैन, जो जुलाई 2023 के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, उन्हें भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर हसन मुराद और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नाहिद राना की भी टीम में वापसी हुई है।

तीन खिलाड़ियों को किया गया बाहर

जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज़ में शामिल तीन खिलाड़ियों को इस बार

टीम से बाहर कर दिया गया है। इनमें बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम, तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब और ओपनर महमूदुल हसन जॉय शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम

बांग्लादेश टीम 13 जून को श्रीलंका रवाना होगी। पहला टेस्ट 17 जून से गाले में जबकि दूसरा टेस्ट 25 जून से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीमः

नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), शादमान इस्लाम, अनामुल हक विजय, मोमिनुल हक शोहराब, मुशफिकुर रहीम, लिटन कुमार दास, माहिदुल इस्लाम भुइयां, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, हसन मुराद, एबादोत हुसैन चौधरी, हसन महमूद, नाहिद राना, सैयद खालिद अहमद।

पुर्तगाल ने जर्मनी को हराकर नेशंस लीग फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

म्यूनिख। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 68वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत पुर्तगाल ने जर्मनी को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह जीत रोनाल्डो के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने पहली बार जर्मनी के खिलाफ जीत दर्ज की, इससे पहले उनके खिलाफ खेले पांचों मुकाबले हार में बदले थे। इस मैच से पहले रोनाल्डो को जर्मनी के खिलाफ जीत का स्वाद नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने इस मैच में न सिर्फ अपनी बदकिस्मती तोड़ी बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना 137वां गोल भी किया। नूनो मेंडेस के शानदार क्रॉस पर रोनाल्डो ने नजदीक से गेंद को नेट में डालकर टीम को बढ़त दिलाई।

बारिश के कारण 10 मिनट देरी से शुरू हुए इस मुकाबले में पहले हाफ के बाद जर्मनी ने बढ़त बना ली थी। 48वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने मिडफील्ड से चालाकी से खेलते हुए खुद ही मूव शुरू किया और फिर जोशुआ किमिच की सहायता से शानदार हेडर के जरिए गोल दागा। जर्मनी की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिकी। 60वें मिनट में पुर्तगाल के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने तीन बदलाव किए और इनमें से एक रहे फ्रांसिस्को कोंसेसाओ ने मैदान में आते ही पांच मिनट में कमाल कर दिया। उन्होंने आधे मैदान से दौड़ लगाई, रॉबिन गोसेन्स को छकाया और टेर स्टेगन को चकमा देते हुए गोल दाग दिया। मैच का निर्णायक मोड़ 68वें मिनट में आया जब नूनो मेंडेस के पास पर रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल कर पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिलाई। इससे पहले वे दो मौके गंवा चुके थे, लेकिन इस बार उन्होंने कोई गलती नहीं की। पुर्तगाल अब रविवार को नेशंस लीग 2025 के फाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा। पुर्तगाल इससे पहले 2019 में

इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीत चुका है।

जूलियन नगेल्समैन की टीम जर्मनी के लिए यह हार झटका है, क्योंकि यह उनके पिछले 18 मुकाबलों में सिर्फ दूसरी हार है। म्यूनिख में जन्मे करीम अडेयेमी ने आखिरी मिनटों में गोल का मौका बनाया लेकिन उनकी शॉट क्रॉसबार से टकरा गई। अब जर्मनी तीसरे स्थान के मुकाबले में स्टटगार्ट में उतरेगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीगः अमेरिकन स्ट्राइकर्स को हराकर ट्रांस टाइटंस फाइनल में पहुंची

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के पहले सेमीफाइनल मैच में ट्रांस टाइटंस ने अमेरिकन स्ट्राइकर्स के खिलाफ 7 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्रांस टाइटंस ने फाइनल में जगह पक्की कर ली। हुए इस मुकाबले में अमेरिकन स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी टाइटंस के खिलाड़ी शुरू से ही हावी नजर आए और निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान 239 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा

कर दिया। टाइटंस के कप्तान ऋषि धवन ने शानदार खेल दिखाते हुए 40 गेंदों पर ताबड़तोड़ 90 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जेस्सी राइडर ने 31 रनों की पारी खेली। अंत में सुमित वर्मा (44) और नमन शर्मा (48) ने स्कोर को बड़ा बनाने में मदद की।लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिकन स्ट्राइकर्स 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 232 रनों तक ही पहुंच पाई। अमेरिकन स्ट्राइकर्स के बल्लेबाज शोएब खान (42), अयान खान (38), प्रदीप सांगवान (35), इशान मलहोत्रा (38) ने छोटी ही सही, लेकिन उपयोगी परियां खेलीं। हालांकि इतना नाकाफी रहा और टीम फाइनल में पहुंचने से चूक गई। मैच के दौरान पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी, बॉलीवुड सिंगर अल्तमश फरीदी और शादाब फरीदी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

एसएलआई को लेकर उत्साहित अंजुम मौदगिल, बोलीं- युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की शुरुआत को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह पहली बार हो रहा है कि निशानेबाजी के लिए कोई लीग आयोजित की जा रही है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं पिछले 17 वर्षों से इस खेल से जुड़ी हूं और मैंने इसे लगातार आगे बढ़ते देखा है। अब जब इसकी एक प्रतियोगिता होने जा रही है, तो यह खेल को और मजबूती देगी और लोग इसके बारीक पहलुओं को भी समझ पाएंगे। देश में निशानेबाजी को बढ़ावा देने के लिए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने पिछले महीने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की थी। यह लीग इस वर्ष 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेली जाएगा। लीग में देश एवं विदेश के प्रमुख निशानेबाज भाग लेंगे। भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने एनआरएआई की ओर से जारी बयान में कहा कि यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर की तैयारियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि हम वरिष्ठ खिलाड़ियों ने वर्षों से एक तय ढांचे में खेला है, लेकिन जो नई पीढ़ी आ रही है, वह बहुत आत्मविश्वासी है और ज्यादा से ज्यादा अनुभव लेना चाहती है। ऐसे में इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके लिए बहुत सहायक होंगी।

एनआईटी श्रीनगर ने कश्मीर के क्रिकेट बैट उद्योग को आधुनिक बनाने के लिए टीआईएफएसी समर्थित अध्ययन का किया समापन

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर के प्रतिष्ठित पारंपरिक उद्योगों में से एक को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने कश्मीर के क्रिकेट बैट निर्माण उद्योग में दो साल लंबे प्रौद्योगिकी अंतर मूल्यांकन अध्ययन के सफल समापन को चिह्नित करते हुए समापन कार्यशाला की मेजबानी की। प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) द्वारा समर्थित इस परियोजना का संचालन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर द्वारा किया गया और इसका उद्देश्य इस विरासत उद्योग में महत्वपूर्ण तकनीकी कमियों की पहचान करना और उन्हें दूर करना था।मुख्य अन्वेषक डॉ. साद परवेज और सह-मुख्य अन्वेषक डॉ. नूर जमान खान के नेतृत्व में परियोजना सहयोगी आकिब और परियोजना सहायक जुनैद के साथ एनआईटी श्रीनगर की टीम ने अपने प्रमुख निष्कर्ष और रणनीतिक सिफारिशें प्रस्तुत कीं। व्यापक अध्ययन का उद्देश्य क्रिकेट बैट निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का आधुनिकीकरण करना है जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता, गुणवत्ता और स्थिरता सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर डॉ. साद परवेज़ ने कहा कि यह अध्ययन अकादमिक शोध को स्थानीय उद्योगों की ज़रूरतों से जोड़ने के हमारे बड़े मिशन का हिस्सा है। क्रिकेट बैट उद्योग कश्मीर की कारीगर विरासत का प्रतीक है और आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में पनपने के लिए इसे आधुनिक उपकरणों और प्रणालियों से लैस किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचार के माध्यम से स्वदेशी क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस बीच अध्ययन ने पाँच प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की जहाँ परिवर्तन के लिए हस्तक्षेप आवश्यक है। आपूर्ति श्रृंखला आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन, सुरक्षित विनिर्माण अभ्यास, डिजिटल मार्केटिंग और बेहतर उत्पादन योजना और नियंत्रण। टीम ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये संवर्द्धन उद्योग की कारीगर विरासत को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं जबकि इसे आधुनिक बाज़ार अपेक्षाओं के साथ संरेखित करना है। आपूर्ति श्रृंखला आधुनिकीकरण में अध्ययन ने बेहतर पूर्वानुमान, सुव्यवस्थित कच्चे माल की खरीद और मूल्य श्रृंखला को अधिक लचीला और उत्तरदायी बनाने के लिए कुशल इन्वेंट्री सिस्टम को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। तकनीकी उन्नयन के लिए अध्ययन ने पारंपरिक उपकरणों से उन्नत उपकरणों में संक्रमण का प्रस्ताव दिया जिसमें सटीक कटिंग उपकरण, नमी निगरानी प्रणाली, स्वचालित आकार देने वाले उपकरण और व्यापक गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल शामिल हैं। ये नवाचार मानवीय त्रुटि को कम करेंगे और उत्पादन बैचों में स्थिरता सुनिश्चित करेंगे। कार्यस्थल सुरक्षा के विषय पर अध्ययन ने सक्रिय सुरक्षा मानकों की ओर एक सांस्कृतिक बदलाव की सिफारिश की। सुझावों में एर्गोनोमिक वर्कस्टेशन डिज़ाइन, कटिंग टूल्स के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रक्रियाएँ और श्रमिकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए बेहतर वायु गुणवत्ता नियंत्रण शामिल थे जो इस कुशल शिल्प की रीढ़ हैं।

राष्ट्रीय कैडेट ताइक्कांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता आशीष सिंह को डीएम ने किया सम्मानित

मुरादाबाद। राष्ट्रीय कैडेट ताइक्कांडो प्रतियोगिता में अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने वाले मुरादाबाद के आशीष सिंह को जिलाधिकारी अनुज सिंह ने अपने कार्यालय में मेडल पहनाकर सम्मानित किया। जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि आशीष सिंह ने उप्र के साथ मुरादाबाद का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय कैडेट ताइक्कांडो प्रतियोगिता 29 मई से 2 जून तक देहरादून में आयोजित हुई थी। आशीष सिंह शहर के उभरते हुए ताइक्कांडो के जाबाज़ खिलाड़ी है। आशीष का चयन एशियन ताइक्कांडो प्रतियोगिता के कैंप में हो गया है जो अगले माह नाशिक में आयोजित होने वाला है।

टी.टी. नगर स्टेडियम में 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। राजधानी भोपाल के तात्याटोपे स्टेडियम में स्थित स्नूकर हॉल में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का खेल और युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विभाग खेलों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत् है, इसी कड़ी में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता से न केवल स्नूकर खेल का विस्तार होगा, बल्कि नये प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने स्नूकर खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर 6 रेड स्नूकर के वर्ल्ड चैम्पियन कमल चावला ने प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्नूकर खेल को प्रोत्साहित करने के लिए 4 से 7 जून तक राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप

2025 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के कुल 32 खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर संयुक्त खेल संचालक बी.एस. यादव विभागीय अधिकारी और स्नूकर खिलाड़ी उपस्थित थे। मंच का संचालन अंतरराष्ट्रीय कॉमेन्ट्रेटर दामोदर आर्य ने किया। 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 में अरबाज खान, मल्कित सिंह, शुभम जैन, मोहनीश, आर्यन तिवारी, उजेर खान और आकाश मालवीय विजयी हुए।

हेले मैथ्यूज की चोट से वेस्टइंडीज को झटका, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में खेलना संदिग्ध

एजेंसी

लंदन। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हेले मैथ्यूज के इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने पर संशय बना हुआ है। उन्हें पहले वनडे के दौरान डर्बी में फील्डिंग करते समय बाएं कंधे में चोट लग गई थी, जिसके चलते वे दूसरे मुकाबले से बाहर रहीं। अब उनकी यह चोट गंभीर हो गई है और वे गुरुवार को लंदन में विशेषज्ञ से परामर्श लेंगी। वेस्टइंडीज की महिला टीम के कोच शेन डिट्ज़ ने दूसरे वनडे में 143 रन की हार के बाद कहा, वह गुरुवार सुबह लंदन जा रही हैं, उम्मीद है कि हमें अच्छी खबर मिले। इंग्लैंड महिला टीम ने पहला वनडे 108 रन से जीतने के बाद अब तीसरे वनडे में जीत के साथ दौरे पर टी20 और वनडे दोनों सीरीज को क्लीन स्वीप करने का मौका बना लिया है। इंग्लैंड ने टी20 सीरीज पहले ही 3-0 से अपने नाम कर ली है। हेले मैथ्यूज ने टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनी थीं। उन्होंने 177 रन बनाए, जिसमें 137.20 की स्ट्राइक रेट और 88.50 की औसत रही। कैंटरबरी में उन्होंने नाबाद शतक जड़ा, जबकि चेल्म्सफोर्ड में 71 रन बनाने के साथ-साथ 3 विकेट भी लिए। पहले वनडे में मैथ्यूज के साथ 91 रन की साझेदारी करने वाली ओपनर कियाना जोसेफ भी दूसरे

मैच में बीमार होने के कारण नहीं खेल सकीं। कोच डिट्ज़ ने उनके तीसरे मैच में खेलने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा, वह बस में बहुत बीमार लग रही थीं, इसलिए उन्हें आराम के लिए वापस भेज दिया। उम्मीद है कि दो दिन में ठीक हो जाएंगी। दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज की ओर से 20 वर्षीय रीयलीना ग्रिमंड ने डेब्यू पर 53 रन की पारी खेली। वे दोनों ओपनर्स की गैरमौजूदगी में ज़ायडा जेम्स के साथ पारी की शुरुआत करने उतरीं। डिट्ज़ ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने यह दिखा दिया कि वे इस स्तर पर खेलने की काबिलियत रखती हैं। अगर उन्होंने मेहनत जारी रखी तो एक लंबा और सफल करियर उनका इंतजार कर रहा है। इसके अलावा जनीलिया ग्लासगो ने भी अपनी सिर्फ पांचवीं वनडे पारी में 24 गेंदों में 44 रन ठोंककर प्रभावित किया। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से एमी जोन्स और टैमी ब्यूमोंट ने लगातार दूसरे वनडे में शतकीय पारियां खेलीं। डर्बी में 222 रन की साझेदारी के बाद, लीसेस्टर में दोनों ने 202 रन जोड़े। जोन्स ने 98 गेंदों में 129 रन बनाए, जबकि ब्यूमोंट ने ठंड के बावजूद 109 गेंदों में 106 रन की पारी खेली। ब्यूमोंट ने जोन्स की तारीफ करते हुए कहा, मैं उस पर गर्व करती हूं कि उसने अपने पहले शतक के बाद इस पारी को और बेहतर अंदाज़ में दोहराया। हम दोनों की बैटिंग स्टाइल अलग है, जिससे गेंदबाजों को चुनौती मिलती है। इंग्लैंड ने 366 रन बनाए जो उनका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। इसके अलावा एम्मा लैम्ब ने 55 रन और सोफिया डंकली ने 19 गेंदों में 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली। तीसरा और अंतिम वनडे टॉनटन में खेला जाएगा, जहां इंग्लैंड क्लीन स्वीप की कोशिश करेगा, जबकि वेस्टइंडीज

भारत ने डब्ल्यूटीओ से गैर-टैरिफ बाधाओं पर कार्रवाई करने का आग्रह किया

एजेंसी

पेरिस। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने गैर-टैरिफ बाधाओं पर अंकुश लगाने, गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के कारण होने वाली व्यापार विकृतियों को दूर करने तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में एक मजबूत विवाद निपटान तंत्र को बहाल करने के लिए कार्रवाई का आह्वान किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने फ्रांस के पेरिस में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक में विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात कही। गोयल ने विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ बहुपक्षीय व्यापार सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। गोयल ने डब्ल्यूटीओ में वर्तमान सर्वसम्मति-आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने, कम विकसित देशों और विकासशील देशों को दिए जाने वाले विशेष और विभेदकारी व्यवहार तथा उन मुद्दों पर पुनः ध्यान केंद्रित करने की वकालत की, जिन्हें पिछली मंत्रिस्तरीय बैठकों में पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है और अधिदेशित किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, फ्रांस और नाइजीरिया सहित विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों के लगभग 25 मंत्रियों की बैठक में की। बैठक में विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने भी भाग लिया। बैठक में डब्ल्यूटीओ और बहुपक्षीय व्यापार से संबंधित कई मुद्दों पर बहुत अच्छी चर्चा हुई।

चैटजीपीटी के लिए भुगतान करने वाले बिजनेस यूजर्स की संख्या बढ़कर 3 मिलियन हुई

नई दिल्ली। ओपनएआई ने गुरुवार को घोषणा की कि चैटजीपीटी के लिए भुगतान करने वाले बिजनेस यूजर्स की संख्या बढ़कर 3 मिलियन हो गई है, जो कि इस वर्ष की शुरुआत, फरवरी में 2 मिलियन दर्ज की गई थी। कंपनी ने कहा कि यह मील का पत्थर चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती मांग को दर्शाता है। अधिक से अधिक बिजनेस ऐसे एआई की तलाश कर रहे हैं जो उन्हें अधिक उत्पादक, कुशल और रणनीतिक रूप से काम करने में सक्षम बनाता है। कंपनियों को अधिक जटिल और गहन एआई-पावर्ड टूल्स की सुविधा देने के लिए चैटजीपीटी में नए वर्कप्लेस प्रोडक्ट्स का एक एक्सपेंसिव सेट लाया गया है। वर्तमान में वर्कर्स चैटजीपीटी का इस्तेमाल जवाबों को तुरंत पाने के लिए कर सकते हैं। कनेक्टर्स (बीटा) इंटीग्रेशन का सेट है, जो प्रत्येक वर्कर को उसकी कंपनी की कलेक्टिव इनसाइट का तुरंत एक्सेस देता है, जिससे वे अधिक उत्पादक, प्रभावी और सूचना पाने वाले बनते हैं। एडमिन्स यह भी प्रावधान कर सकते हैं कि वर्कप्लेस पर कौन से कनेक्टर इनेबल रखने हैं। ओपनएआई ने कहा कि कनेक्टर अब ड्रॉपबॉक्स, बॉक्स, शेयरपॉइंट, वनड्राइव और गूगल ड्राइव के साथ उपलब्ध है। वर्कर्स चैटजीपीटी पर बने रहने के साथ अपने थर्ड-पार्टी टूल से विस्तृत डेटा को जल्दी से खोजने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

आने वाले समय में IPO बाजार रहेगा गुलजार, 1.4 लाख करोड़ रुपए के पब्लिक इश्यू को सेबी से मिली मंजूरी

मुंबई। कई महीनों तक सुस्त प्रदर्शन के बाद आईपीओ बाजार में फिर से हलचल देखने को मिल सकती है और करीब 1.4 लाख करोड़ रुपए के पब्लिक इश्यू आने वाले समय में आ सकते हैं। प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 1.4 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू के 72 कंपनियों के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को मंजूरी दे दी है। जिन कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है इसमें एचडीबी फाइनेंशियल (12,500 करोड़ रुपए), डॉर्फ केटल केम्स (5,000 करोड़ रुपए) और विक्रम सोलर (1,500 करोड़ रुपए) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त करीब 68 अन्य कंपनियां आईपीओ के जरिए करीब 95,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही है। दोनों आंकड़ों को मिला दिया जाए तो कुल मिलाकर आने वाले महीनों में 140 कंपनियां 2.35 लाख करोड़ रुपए आईपीओ के जरिए जुटा सकती हैं। बीते कुछ महीनों में बाजार के उतार-चढ़ाव और कुछ बड़े पब्लिक इश्यू की निराशाजनक लिस्टिंग के कारण आईपीओ बाजार में मंदी देखी गई। उदाहरण के लिए एथर एनर्जी की लिस्टिंग सिर्फ 2.18 प्रतिशत ऊपर हुई है, जबकि एजिस वोपैक और श्लॉस बैंगलोर दोनों की लिस्टिंग 6 प्रतिशत नीचे हुई है। वहीं, स्कोडा ट्यूब्स की लिस्टिंग सपाट हुई थी।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक मुंबई में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में शुरू हो गई है। जानकारों का मानना है कि रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार नीतिगत रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक मुंबई में शुरू हो गई है। छह सदस्यीय समिति गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हो रही बैठक के निर्णय की घोषणा शुक्रवार, 6 जून को करेगी। एक्सपर्ट कहा कहना है कि आरबीआई लगातार तीसरी बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। इसकी वजह महंगाई दर में नरमी, आर्थिक वृद्धि दर को और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

पीयूष गोयल ने मिलान में इतालवी व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले कई इतालवी सीईओ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि वे निरंतर विकास के लिए भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का किस तरह से सर्वोत्तम लाभ उठा सकते हैं। गोयल फ्रांस में भारत-फ्रांस आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी गतिविधियों को पूरा करने के बाद इटली के अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले मिलान में इतालवी व्यापार जगत के कई नेताओं से मुलाकात की। पीयूष गोयल ने पोस्ट किया, इंजीनियरिंग और विनिर्माण तकनीक कंपनी पोग्गीपोलिनी एस.पी.ए. के सीईओ मिशेल पोग्गीपोलिनी से मुलाकात की। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की बढ़ती

भूमिका को देखते हुए, भारत में कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और विनिर्माण अवसरों पर उत्पादक चर्चाओं में शामिल हुए। उन्होंने एसओएल ग्रुप के महानिदेशक डेनियल फोर्नी से भी मुलाकात की, जो तकनीकी और चिकित्सा गैसों के उत्पादन, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विपणन के क्षेत्र में एक इतालवी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और इस बात पर चर्चा की कि समूह भारत में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कैसे कर सकता है। गोयल ने इतालवी लाइटिंग दिग्गज आईमून की सीईओ सुश्री लॉरा टारक्विनियो और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने लिखा है कि हमने स्मार्ट लाइटिंग समाधानों के लिए भारत में उपलब्ध निवेश के अपार अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री ने वाणिज्यिक प्रशीतन विशेषज्ञ इप्टा समूह के सीईओ मार्को नोसिवेली से भी मुलाकात की।

गोयल के अनुसार, भारत के तेजी से बढ़ते खुदरा और कोल्ड चेन क्षेत्रों के साथ हमने चर्चा की कि कंपनी किस तरह अवसर का लाभ उठा सकती है और भारत में स्थायी प्रशीतन समाधानों में योगदान दे सकती है। गोयल ने आगे लिखा, एक्सल और ट्रांसमिशन सिस्टम के वैश्विक निर्माता कैरारो ग्रुप के वाइस चेयरमैन टॉमसो कैरारो से मिलकर अच्छा लगा, जिसकी भारत में मजबूत उपस्थिति है। इटली के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा है।

स्टॉक मार्केट में नेप्च्यून पेट्रोकेमिकल्स की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलतार (डामर) और इससे जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेप्च्यून पेट्रोकेमिकल्स ने स्टॉक मार्केट में धांस एंट्री करके अपने निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 122 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉम पर इसकी 8.81 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 132.75 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के साथ ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 139.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 14.22 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। नेप्च्यून पेट्रोकेमिकल्स का 73.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ में 1,000 शेयर के कम से कम दो लॉट में बोली लगाने की बात तय की गई थी, जिसकी वजह से खुदरा निवेशकों में इसमें जगह नहीं मिल सकी। अन्य सेगमेंट में इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.91 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 60 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ऑफिस स्पेस और मशीनीरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी नजर आ रही है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,180 रुपये से लेकर 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,910 रुपये से लेकर 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज मामूली तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,230

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में सांकेतिक तेजी आई है।

लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक, 2025 की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा की प्रवर समिति ने राजधानी नई दिल्ली स्थित संसद भवन में आयोजित एक बैठक में आयकर विधेयक, 2025 की समीक्षा की। बैठक की अध?यक्षता 31 सदस्यीय प्रवर समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बैजयंत पांडा ने की। लोकसभा सचिवालय ने जारी एक बयान में बताया कि सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक, 2025 पर वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) से मौखिक साक्ष्य लिया। 31 सदस्यीय प्रवर समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद बैजयंत पांडा कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने आयकर विधेयक 2025 की जांच के लिए एक प्रवर समिति का गठन किया है। सांसद बैजयंत पांडा को 31 सदस्यीय प्रवर समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ये समिति

प्रस्तावित आयकर विधेयक 2025 के प्रावधान और कानून में होने वाले बदलावों की जांच करेगी। उल्लेखनीय है कि इस समिति को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति? को आयकर विधेयक 2025 का उद्देश्य आयकर से संबंधित कानून को समेकित और संशोधित करना है।

नीति आयोग की संगोष्ठी में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के ग्रामीण विकास प्रभाग ने नई दिल्ली स्थित नीति आयोग के मुख्यालय में 'ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों को मजबूत बनाने' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय असमानताओं को पाटने में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।नीति आयोग के मुताबिक संगोष्ठी में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, वित्तीय संस्थानों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और जमीनी स्तर के उद्यमियों ने ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करके महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों पर विशेष ध्यान दिया गया। सेमिनार में समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने

और क्षेत्रीय असमानताओं को पाटने में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। नीतिगत ढाँचों को सक्षम बनाने, किफायती ऋण तक पहुँच में सुधार करने और डिजिटल और बाज़ार पहुंच को बढ़ाने पर जोर दिया गया, जिसमें ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसी पहलों का उपयोग किया गया। चर्चाओं में विनियामक मानदंडों को सरल बनाने और डिजिटल उपकरणों और प्लेटफ़ॉर्म तक अंतिम-मील कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने ग्रामीण उद्यमिता को समर्थन देने के लिए मिश्रित वित्त मॉडल, संस्थागत संपर्क और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियों का लाभ उठाने की वकालत की। बाजार पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और निजी क्षेत्र के संसाधनों को खोलने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया।

स्टॉक मार्केट में स्कोडा ट्यूब्स की फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद खरीदारी से निवेशकों को मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील के ट्यूब और पाइप बनाने वाली कंपनी स्कोडा ट्यूब्स ने स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इस शेयर की स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री भी बिना किसी बदलाव के 1240 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद दिन भर के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 146.95 रुपये के स्तर तक पहुंच कर बंद हुआ। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 4.96 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। स्कोडा ट्यूब्स का 220 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 57.37 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 72.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 121.72 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,57,14,286 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

खनिज ब्लॉकों के परिचालन में तेजी लाने के लिए 'माइनिंग डैशबोर्ड' लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों की परिचालन स्थिति पर नजर रखने के लिए 'माइनिंग डैशबोर्ड' लॉन्च किया। यह डैशबोर्ड नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों की परिचालन स्थिति की निगरानी और देशभर में वैधानिक मंजूरियों का पता लगाने में सक्षम है। केंद्र सरकार की यह पहल खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के जारी प्रयासों का हिस्सा है।खान मंत्रालय के मुताबिक अभी तक 16 राज्यों में 500 खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है, जिसमें 466 ब्लॉक राज्य सरकारों द्वारा और 34 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक केंद्र सरकार द्वारा नीलाम किए गए हैं। इनमें से 64 ब्लॉक चालू हो चुके हैं। डैशबोर्ड एक

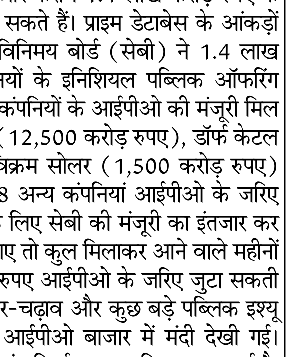

संरचित और वास्तविक समय आधारित निगरानी प्रणाली प्रदान करता है, जो अवरोधों की पहचान करने, समय पर समाधान करने और खनन कार्यों की शुरुआत में तेजी लाने में मदद करता है। यह केंद्र और राज्य सरकारों, परियोजना समर्थकों और अन्य हितधारकों के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और डेटा-संचालित निर्णय समर्थन प्रदान कर एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करेगा। खनन डैशबोर्ड से घरेलू खनिज उत्पादन को बढ़ावा मिलने, आयात निर्भरता कम करने और देश की समग्र आर्थिक वृद्धि में योगदान संबंधी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि खनिज संपदा के विकास और संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना है। लॉन्च किया गया माइनिंग डैशबोर्ड अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म देशभर में नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों की संचालन स्थिति की वास्तविक समय पर निगरानी करने में सक्षम बनाएगा, जो खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वित्त मंत्री 10 जून को एफएसडीसी की बैठक में अर्थव्यवस्था की स्थिति की करेंगी समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद् (एफएसडीसी) की बैठक में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करेंगी। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित होने वाली उच्च-स्तरीय समिति की 29वीं बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरपर्सन तुहिन कांत पांडेय, भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के चेयरमैन रवि मित्तल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के चेयरपर्सन के राजारमण भी हिस्सा लेंगे।वित्त मंत्री की अध्यक्षता में हो रही ये बैठक

पिछले महीने रिजर्व बैंक द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.7 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा के बाद हो रही है। रिजर्व बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लाभांश वित्त वर्ष 2023-24 में भुगतान किए जाने वाले 2.1 लाख करोड़ रुपये से 27.4 फीसदी अधिक था। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी रहने के बाद ये पहली बैठक होगी, जो पिछले चार वर्षों में सबसे धीमी वृद्धि है।उल्लेखनीय है कि एफएसडीसी वित्त मंत्रालय के तहत एक गैर-सांविधिक शीर्ष परिषद है। इसकी स्थापना वर्ष 2010 में एक कार्यकारी आदेश द्वारा की गई थी, जो वित्तीय स्थिरता, वित्तीय क्षेत्र विकास, अंतर-नियामक समन्वय और वित्तीय समावेशन जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह वित्तीय क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करने का कार्य करती है।

भारत का डिजिटल फोरेंसिक मार्केट वित्त वर्ष 2030 तक 11,829 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत का डिजिटल फोरेंसिक मार्केट वित्त वर्ष 2029-30 तक लगभग 40 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ 11,829 करोड़ रुपए (1.39 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने का अनुमान है, जो ग्लोबल एवरेज 11 प्रतिशत से तीन गुना अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। अब मोबाइल फोरेंसिक इस सेक्टर पर हावी है, जो मार्केट के लगभग 51 प्रतिशत हिस्से पर अधिकार रखता है। स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल, डिजिटल पेमेंट और मोबाइल-सेंट्रिक साइबर क्राइम में उछाल के कारण इस सेक्टर में मोबाइल फोरेंसिक की हिस्सेदारी बढ़ रही है। 81 प्रतिशत मांग सार्वजनिक क्षेत्र, विशेष रूप से कानून प्रवर्तन विभाग की ओर से आ रही है। डेलॉइट इंडिया की डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) के सहयोग से बनाई गई रिपोर्ट जटिल डिजिटल खतरों से निपटने के लिए फोरेंसिक टेक पर बढ़ती निर्भरता को उजागर करती है। भारत डिजिटल फोरेंसिक में निवेश को राष्ट्रीय सुरक्षा और डिजिटल विश्वास के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में भी बढ़ा रहा है। इस क्षेत्र की पूरी क्षमता को पेश करने के लिए आरजीडब्ल्यू रिपोर्ट, स्वदेशी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) को बढ़ावा देने पर केंद्रित, एक रणनीतिक रोडमैप की सिफारिश करती है।

शेयर बाजार में 3 दिन की गिरावट के बाद लौटे खरीदार, सेंसेक्स और निफ्टी में शानदार तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार 3 कारोबारी दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही पहले खरीदारी के सपोर्ट से तेजी का रुख बना, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि, इसके बाद एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से शेयर बाजार ने हरे निशान में वापसी कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 445.15 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.99 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,155 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,076 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,931 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 148 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,581 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,470 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,111 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 40.14 की तेजी के साथ 80,777.65 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,967.68 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 32.33 अंक की कमजोरी के साथ 80,705.18 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के करीब ये सूचकांक 349.78 अंक की मजबूती के साथ 81,087.29 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 260.74 अंक की तेजी के साथ 80,998.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

प्रियामणि अय्यर

कभी शाहरुख खान की फिल्म में डांसर थीं द फैमिली मैन की ये एक्ट्रेस, फिर 1146 करोड़ कमाने वाली सबसे बड़ी फिल्म में किया काम

फिल्म इंडस्ट्री में आना किसी के लिए भी इतना आसान नहीं है. ये एक ऐसी इंडस्ट्री है जहां मेहनत के साथ ही लक की भी जरूरत होती है. लेकिन जो डेस्टिनी में लिखा होता है वो तो होता ही है. अब द फैमिली मैन की एक्ट्रेस प्रियामणि को ही ले लीजिए. एक समय ऐसा था जब उन्होंने शाहरुख खान की एक सुपरहिट फिल्म के सिर्फ एक गाने में डांस किया था. और यही उनकी पहचान भी थी. लेकिन आज वे शाहरुख खान के करियर की सबसे बड़ी फिल्म की हीरोइन के रूप में जानी जा रही हैं. आइए प्रियामणि के 41वें जन्मदिन के मौके पर उनकी स्कसेस और स्ट्रगल्स पर एक नजर डालते हैं.

चेन्नई एक्सप्रेस में किया था डांस

प्रियामणि ने वैसे तो अपने करियर की शुरुआत साउथ फिल्मों से कर दी थी. लेकिन एक्ट्रेस की पहली बॉलीवुड फिल्म रावन थी. साल 2010 में रावन फिल्म में अभिनय करती नजर आई थीं जहां ज्यादा उन्हें किसी ने नोटिस नहीं किया. वहीं इसके 2 साल बाद ही वे शाहरुख खान की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस में एक डांसर के रोल में नजर आई थीं. ये फिल्म 2012 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के बाद भी प्रियामणि कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं लेकिन अभी तो उनका घर-घर में पॉपुलर होना बाकी था.

द फैमिली मैन से मिली लोकप्रियता

अगर सही मायने में देखा जाए तो प्रियामणि को असली सफलता ओटीटी प्लेटफॉर्म से ही मिली. मनोज बाजपेयी संग आई उनकी सीरीज द फैमिली मैन को काफी पसंद किया गया और वे हर फैमिली में पॉपुलर हो गईं. आज प्रियामणि की अगर इतनी ज्यादा पहचान है तो इसके पीछे की वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म ही है. द फैमिली मैन की बात करें तो साल 2019 में इसका पहला सीजन आया था.

आमिर खान को ऑफर हुई ये 8 फिल्में, जो बॉक्स ऑफिस को धुआं-धुआं कर देंगी! साथ आ रहे रणबीर कपूर!

आमिर खान बॉक्स ऑफिस हिलाने की जाबड़ तैयारी कर चुके हैं. अभी तो उनकी बस वापसी हो रही है. पर आगे आगे बहुत कुछ बड़ा करने की प्लानिंग है. 'लाल सिंह चड्ढा' के फ्लॉप होने के बाद से ही वो ब्रेक पर थे. पर अब वापसी कर रहे हैं. उनकी 'सितारे जमीन पर' जल्द रिलीज होने वाली है. जिसके लिए तेजी से प्रमोशंस चल रहे हैं. इसी बीच उन्होंने अगली फिल्म के लिए डील डन कर ली. लेकिन उससे पहले उन्हें ये 8 फिल्में ऑफर हुई थी.कुछ वक्त पहले पता लगा था कि आमिर खान जल्द ही दादा साहब फाल्के बायोपिक की तैयारी शुरू कर देंगे. जिसे राजकुमार हिरानी बना रहे हैं. इसके अलावा उन्हें अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत पर भी काम शुरू करना है. जिसकी जानकारी सुपरस्टार ने खुद एक इंटरव्यू में दी थी. हालांकि, अगली फिल्म शुरू करने से पहले जो 8 फिल्में उन्हें ऑफर हुई, वो कौन सी थीं, जानिए.

आमिर खान को ऑफर हुई ये 10 फिल्में

हाल ही में पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहब फाल्के पर फिल्म बनाने का आमिर खान का सपना था. जो राजकुमार हिरानी के साथ मिलकर देखा गया था. जिस वक्त हिरानी इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे. उस वक्त आमिर क्रिएटिव तौर पर कई फिल्मों की स्क्रिप्ट पढ़ रहे थे.

1. चार दिन की जिंदगी: यह राजकुमार संतोषी की फिल्म है, जिसमें उनके साथ आमिर खान दिखाई दे सकते हैं.
2. अंदाज अपना अपना 2: हाल ही में फिल्म को री-रिलीज किया गया था. लेकिन एक्टर इस फिल्म के सीक्वल को कंफर्म कर चुके हैं. जल्द राजकुमार संतोषी के साथ इस पर काम करेंगे.
3. उज्ज्वल निकम की बायोपिक: जिसमें दिनेश विजन के साथ मिलकर काम करना था.
4. किशोर कुमार: यह फिल्म, जिसे अनुराग बसु डायरेक्ट करने वाले थे. कुछ वक्त पहले एक्टर को एयरपोर्ट पर देखा गया था, जहां उनके हाथ में किशोर कुमार की बायोग्राफी थी.
5. राकेश ओमप्रकाश मेहरा के साथ भी एक फिल्म शामिल है. दरअसल दोनों 'रंग दे बसंती' में साथ काम कर चुके हैं.
6. गुलशन कुमार की बायोपिक: रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर ने डायरेक्टर तुषार हीरानंदानी और भूषण कुमार के साथ भी इस बायोपिक पर चर्चा की है. हालांकि, वो इस फिल्म को करना चाहते हैं, जिसमें संभावनाएं हों. इसके लिए कई मीटिंग्स भी हुई हैं.
7. दादा साहब फाल्के: दरअसल राजकुमार हिरानी के साथ तो दादा साहब फाल्के की बायोपिक पर डील पक्की कर ली गई है. हालांकि, इस फिल्म के अलावा भविष्य में वो बाकी फिल्मों पर भी काम करेंगे.